



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 24, 1976 (श्रावण 2, 1898)

No. 30] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 24, 1976 (SRAVANA 2, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जून 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-5-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को राष्ट्रपति द्वारा 2-6-76 से 31-7-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-5-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सम्रा को राष्ट्रपति द्वारा 2-6-76 से 31-7-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

156GI/76

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (3)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-5-76 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 2-6-76 से 31-7-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (4)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-5-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्त को राष्ट्रपति द्वारा 2-6-76 से 30-6-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

(6337)

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (5)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-5-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० डी० शर्मा, को राष्ट्रपति द्वारा 24-5-76 से 30-6-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (6)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 2-6-76 से 17-7-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभातनाथ मुखर्जी,  
अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री तलवार ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिरीक्षक सेक्टर 3, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 9 जून 1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

दिनांक 29 जून 1976

सं० ओ० -II-1046/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर कोशी ऐथापन की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 14-6-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर कोशी ऐथापन को सैंकड बेस हॉस्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक,  
प्रशासन

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जून 1976

सं० ओ० II. 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर वी० दलीप मूर्थी को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 12-6-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर वी० दलीप मूर्थी को सैंकड बेस हॉस्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 जून 1976

सं० ओ० II-1085/73-स्थापना—एफ० आर० 56(जे) के अन्तर्गत, श्री कजोर राम, उप-पुलिस अधिक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, ग्रुप सेक्टर, नागपुर, ने सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार दिनांक 24-5-76 अपराह्न से त्याग दिया।

दिनांक 28 जून 1976

सं० ओ० II-1099/स्थापना—एफ० आर० 56(जे) के अन्तर्गत, श्री कपिल देव सिंह, उप-पुलिस अधिक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, 39वीं बाहिनी, ने सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार दिनांक 26-5-76 अपराह्न को त्याग दिया।

सं० ओ० II-1/76 स्थापना—राष्ट्रपति श्री एच० आर० के० तलवार, हरियाणा संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 18 जून 1976

सं० ई०-17017/6/74-प्रशा०-1—श्री एस० पी० बाग, अग्निशमन अधिकारी, मिश्रधातु इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर, दिनांक 8 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब०, मिश्रधातु इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर में पदेन-सहायक कमांडेण्ट के पद पर नहीं रहेंगे।

दिनांक 21 जून 1976

सं० ई०-38013(1)/2/75-प्रशा०-1—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, उप-महानिरीक्षक, उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र के कार्यालय से स्थानान्तरित होने पर, श्री म० मो० थापर ने दिनांक 3 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र के सहायक कमांडेण्ट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार महानिरीक्षक मुख्यालय के कार्यालय, के० श्री० सु० ब०, नई दिल्ली, में संभाल लिया।

दिनांक 23 जून 1976

सं० ई०-38013(3)/12/76-प्रशा०-1—के० श्री० सु० ब०, उप-महानिरीक्षक, उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र, के कार्यालय में स्थानान्तरित होने पर, श्री म० मो० थापर ने दिनांक 14-6-76 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० श्री० सु० ब०, नई दिल्ली के मुख्यालय कार्यालय में सहायक कमांडेण्ट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

## भारत के महापंजीकार का कार्यालय

दिनांक 25 जून 1976

नई दिल्ली-11, दिनांक 24 जून 1976

सं० पी०/के०(10)-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में बरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री बी० सुब्रह्मण्यस्वामी को श्री जी० ए० कुलकर्णी, सहायक महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) को अर्जित छुट्टी मंजूर किए जाने पर 17 मई, 1976 से 45 दिन की अवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी कार्यालय में सहायक महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० पी०/आर०(51)-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, श्री सी० रामौ, प्रशासक, लक्षद्वीप, को श्री एम० सी० वर्मा के छुट्टी पर जाने से 20 मई, 1976 के अपराह्न पर से पदेन क्षमता में जनगणना कार्य निदेशक लक्षद्वीप के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रामौ के मुख्यालय कवारट्टी में होंगे।

सं० 25/27/72-म० पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 10 नवम्बर, 1975 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में जनगणना कार्य निदेशक, जम्मू और काश्मीर, श्रीनगर के कार्यालय में श्री बी० एल० भान की जनगणना कार्य-उपनिदेशक के पद पर तदर्थ नियुक्ति को, विद्यमान शर्तों पर, 1 मई, 1976 से छः महीने की और अवधि के लिए या श्री अब्दुल घनी के विदेश समनुदेशन की वापसी पर कार्य भार ग्रहण करने तक, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 10/6/75-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (कार्यक्रम) श्री के० आर० उनी को उसी कार्यालय में 21 मई, 1976 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर और अस्थायी तौर पर उप-निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री उनी का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 10/6/75 पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (कार्यक्रम) श्री एम० पी० राव को श्री के० आर० उनी उप-निदेशक (कार्यक्रम) को छुट्टी मंजूर किए जाने पर 18, मई 1976 से 52 दिनों की अवधि के लिए उसी कार्यालय में उप-निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 25/2/74-म० पं० (प्रशा०-एक) :—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 9 जनवरी, 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में जनगणना कार्य निदेशक, कर्णाटक, बंगलूर के कार्यालय में श्री आर० वाई० एस।शेट्टी की जनगणना कार्य सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 1 जून, 1976 से 30 सितम्बर, 1976 तक चार महीने की और अवधि के लिए या जब तक नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री शेता शेट्टी का मुख्यालय बंगलूर में ही रहेगा।

सं० 11/18/75-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को उनके समक्ष दशित तारीखों से सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एन० राम राव . . . 8-4-1975
2. श्री जे० सी० कालरा . . . 8-4-1975
3. श्री ए० डब्लु महात्मे . . . 8-4-1975
4. श्री एच० मजूमदार . . . 8-4-1975
5. श्री बी० एस० नरसिम्ह मूर्ति . . . 8-4-1975
6. श्री एस० आर० लुहाडिया . . . 8-4-1975
7. श्री अरविंद डांगे . . . 9-4-1975
8. श्री एम० तंगराजु . . . 9-4-1975
9. श्री एस० राजेन्द्रन . . . 9-4-1975
10. श्री जगदीश सिंह . . . 9-4-1975

दिनांक 29 जून 1975

सं० 11/7/75-म० पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति इस कार्यालय की तारीख 24 दिसम्बर, 1975 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक केन्द्रीय सारणीकरण अधिकारी श्री तीरथ दास को 1 जुलाई, 1976 से दो महीने की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर मध्य प्रदेश में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तीरथ दास का मुख्यालय भोपाल में ही रहेगा।

दिनांक 30 जून 1976

सं० 11/4/76-म० पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति इस कार्यालय की तारीख 21 अप्रैल, 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में जम्मू और काश्मीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एच० एल० कल्ला को 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से दो महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा जो भी समय इनमें कम हो, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तदर्थ आधार पर जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कल्ला का मुख्यालय भोपाल में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-म० पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति इस कार्यालय की तारीख 21 अप्रैल, 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में महाराष्ट्र में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री आर० ई० चौधरी को 18 जून, 1976 से दो

महीने की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चौधरी का मुख्यालय बम्बई में ही रहेगा।

सं० 10/19/75-म पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति इस कार्यालय की तारीख 14 जनवरी 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री छीतर मल को 12 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से छः महीने की और अवधि के लिए या जब तक नियमित अधिकारी उपलब्ध होगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री छीतर मल का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 10/19/75-म पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति इस कार्यालय की तारीख 2 जनवरी, 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री आर० पी० तोमर को 2 जुलाई 1976 से छः महीने की और अवधि के लिए या जब तक नियमित अधिकारी उपलब्ध होगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक केन्द्रीय सारणीकरण अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री आर० पी० तोमर का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-म पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति इस कार्यालय की तारीख 21 अप्रैल, 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में पश्चिमी बंगाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री डी० पी० चटर्जी को 19 जून, 1976 के पूर्वाह्न से वो महीने की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, तदर्थ आधार पर उसी कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में ही रहेगा।

सं० 10/19/75-म पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 20 दिसम्बर, 1975 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री आर० के० भाटिया को 20 जून, 1976 से छः महीने की और अवधि के लिए या जब तक नियमित अधिकारी उपलब्ध होगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री आर० के० भाटिया का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

रा० भ० चारी,

भारत के महापंजीकार और भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

राजभाषा विभाग

नई दिल्ली-16, दिनांक 1976

सं० 3-1/76-प्रशासन—केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) के निम्नलिखित वरिष्ठ अनुवादकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अनुवाद अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री नेम राज आर्य दिनांक 27-1-76 से 12-3-76 तक  
दिनांक 10-5-76 से 11-6-76 तक  
दिनांक 14-6-76 से 13-8-76 तक
2. श्री लाला राम मिलसारे दिनांक 2-6-76 से 3-7-76 तक

काशीराम शर्मा,  
संयुक्त निदेशक  
कृते निदेशक

मुद्रण निदेशालय

निर्माण भवन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1976

सं० बी० (34)/प्रशा० II—श्री कल्याण कुमार विश्वास, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को 16-8-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, खण्डीगढ़ में उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

दिनांक 30 जून 1976

सं० सी० (22)/प्रशासन- II—श्री बलदेव राज चोपड़ा, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को 2-6-76 (पूर्व०) से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली में, उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

रा० म० जाम्भोलकर,  
मुद्रण निदेशक



## भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1976

सं० प्रशासन-I/कार्यालय आदेश 298/5-5/पदोन्नति/76/77/847—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ऋषि देव को 19-6-76 (अपराह्न) से समय वेतनमान, रु० 840-1200 में लेखा अधिकारी के रूप में अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली-1, 23 जून 1976

सं० प्रशासन 1/2 (1)/1425-34—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली श्री आई० एस० धवन को उनके दिल्ली विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली में लेखाधिकारी के पद पर रहते हुए ही नेक्सट बिलों रूल के अन्तर्गत 1 मई, 1976 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक अपने कार्यालय में अनन्तिम आधार पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में लेखाधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० बी० देव राय,

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

का० वा० नि० कार्य तथा विविध

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवायें

नई दिल्ली-1, दिनांक 1976

सं० ए० प्रशासन/130/76—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें निम्नलिखित अधिन लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्त की गई है	नियुक्ति की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	पी० के० कौल	लेखा परीक्षा अधिकारी रक्षा सेवायें, जलन्धर	7-5-76

1 2 3 4

सर्वश्री

2. हिरोनमय दास गुप्ता वरिष्ठ उपनिदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें, मध्य कमान, मेरठ।

3. एस० सुब्रह्मण्यम वरिष्ठ उपनिदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें, दक्षिणी कमान पुणे।

गिरिजा ईश्वरन

वरिष्ठ उपनिदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवायें

कार्यालय, मुख्य लेखा-परीक्षक

दक्षिण-पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 1976

सं० प्रशा०/33-2ए०/75/1447—कार्यालय, मुख्य लेखा-परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता में अधीनस्थ रेलवे लेखा-परीक्षा-सेवा के एक स्थायी सदस्य श्री अतीन्द्र कुमार वर्मनराय की पदोन्नति अन्य आदेश प्राप्त होने तक 6 मई 1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी के रूप में की गई है।

के० एन० मूर्ति,

मुख्य लेखा-परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा-महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1975

आदेश

सं० 0526/ए० प्रशा०—एफ०—जबकि रक्षा लेखा महा-नियंत्रक नई दिल्ली का मत है कि ऐसा करना लोक हित में है। इसलिए अब, केन्द्रीय सिविल सेवाओं (पेंसन) नियमावली 1972 के नियम 48 (1) (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करने हेतु रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली, एतद्द्वारा, श्री जी० सी० चौपड़ा स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) (लेखा सं० 12796) जो रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ के संगठन में सेवा कर रहे हैं उनके 30 वर्ष की अर्हक सेवा पहले ही पूरी करने पर नोटिस दिया जाता है कि उन्हें इस नोटिस के जारी करने की तिथि से तीन महीने समाप्त हो जाने पर सेवा मुक्त कर दिया जावेगा।

जे० बी० मार्टन,

रक्षा लेखा, महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 जून 1976

सं० 40011(2)/75-प्रशा०-ए०—(1) वार्धक्य की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया था/जायेगा:—

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1.	श्री वी० सुन्दरेशन (पी०/26)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।
2.	श्री एस० सुन्दरराजन (पी०/146)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
3.	श्री एम० एस० वेंकपाण्डे (पी०/247)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
4.	श्री आर० सुब्रह्मण्य अय्यर (पी०/332)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
5.	श्री ए० बी० गायन (पी०/537)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
6.	श्री आर० डी० इस्सर (पी०/657)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
7.	श्री के० सी० घोष (पी०/666)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
8.	श्री आर० एस० वेंकटरामन (ओ०/36)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
9.	श्री गुरवक्ष राय (ओ०/42)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।
10.	श्री वी० के० चक्रवर्ति (ओ०/72)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
11.	श्री एन० एल० नरसिंह मूर्ति (ओ०/72)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
12.	श्री मय्युंजय देव (ओ०/235)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

श्री आर० डी० इस्सर, स्थायी लेखा अधिकारी की सेवा निवृत्ति पूर्व 2-2-76 से 31-5-76 तक की अर्जित छुट्टी मंजूर की गयी है।

(2) सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-1 के अनुच्छेद 459(क्ष) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ के संगठन में सेवारत श्री अमरीक सिंह, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/336) को 5 जून 1976 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा।

श्री अमरीक सिंह को निम्नलिखित प्रकार से छुट्टी मंजूर की गई है:—

- 5-12-75 से 23-1-76 तक 50 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी
- 24-1-76 से 27-1-76 तक 4 दिन की अर्जित छुट्टी
- 28-1-76 से 4-6-76 तक 129 दिन की अर्द्ध-वेतन छुट्टी

केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमावली 1972 के नियम 39(6) के अधीन उनको 5-6-76 से 15-6-76 तक 11 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी भी मंजूर की गई है।

एस० के० सुन्दरम  
रक्षा लेखा अपर गृह नियंत्रक (प्रशा०)

## वाणिज्य मंत्रालय

## वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 26 जून 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(421)—श्रीमान राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के उप-निदेशक (रंगाई) श्री चितामण कृष्ण फडके को 25 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक उसी कार्यालय में निदेशक (रसायनिक विधायन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र पाल कपूर,  
वस्त्र आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 22 जून 1976

सं० सी० ई० आर०/6/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58, दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या II में मद (21) के बाद निम्न प्रविष्टियाँ और जोड़ दी जाएगी, अर्थात्

- (22) संयुक्त निदेशक वस्त्र, मुख्यालय में
- (23) उप निदेशक वस्त्र, मुख्यालय में
- (24) सहायक निदेशक वस्त्र, बरहमपुर
- (25) सहायक निदेशक वस्त्र, खुर्दा
- (26) सहायक निदेशक वस्त्र, कटक
- (27) सहायक निदेशक वस्त्र, बारगढ़
- (28) सहायक निदेशक वस्त्र, सोनपुर
- (29) सहायक निदेशक वस्त्र, बारीपाड़ा।

दिनांक 23 जून 1976

सं० सी० एल० बी० 1/1/6जी०/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6जी०/71 दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ में क्रम संख्या 10(1) के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—  
“वस्त्र निदेशक तथा अपर पंजीयक सहाकारी समितियाँ उड़ीसा”

सं० 18(1) 73-76/सी० एल० बी०-II —वस्त्र (शक्ति-चलित करणों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश 1956 के खंड

II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी० 11/बी० दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या 10(1) के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात् :  
“वस्त्र निदेशक तथा अपर पंजीयक सहाकारी समितियाँ उड़ीसा”

सं० सी० ई० आर० /3/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ चार के नीचे की सारणी की क्रम संख्या 4 में “3/S” इन चिह्नों, अंकों और अक्षर के स्थान पर “4/S” ये चिह्न, अंक और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

गौरी शंकर भार्गव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

## औद्योगिक लागत तथा मूल्य ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 जून 1976

सं० ए०-19016/3/76-बी० आई० सी० पी०—कम्पनी कार्य विभाग से स्थानान्तरण हो जाने पर, कम्पनी कार्य विभाग में स्थायी सांख्यिकी सहायक और उसी कार्यालय में तदर्थ जांच अधिकारी, श्री पी० एल० बजाज को औद्योगिक लागत तथा मूल्य ब्यूरो में 7 जून 1976 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेशों तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर कनिष्ठ विशेषज्ञ कम्पनी विधि के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० एस० मराठे,  
अध्यक्ष

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1976

सं० ए०-17011/103/76-ए०-6 —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मंडल में भंडार परीक्षक श्री आर० के राजोरा को निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में 26 मई, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
पूर्व महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 जून 1976

सं० ए०/19011(1)/195/76-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री एस० आर० भैसारे को 11 जून 1976 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में रसायनज्ञ के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एल० सी० रणधीर,  
प्रशासन अधिकारी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1976

सं० 9/53/61-स्थापना-I—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक इस निदेशालय में श्री एम० एल० मुखर्जी तकनीकी सहायक (मुद्रित प्रचार) को 3 मई, 1976 से अगले आदेश तक सर्वथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक मुद्रण प्रबन्धक (मुद्रित प्रचार) नियुक्त करते हैं।

अमरनाथ छिब्बर, उपनिदेशक (प्रशासन)  
वि० और दृश्य प्रचार निदेशक की ओर से

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1976

सं० ए०-20011/4/72-स्थापना-I—श्री बलजीत सिंह नागी की केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ कलाकार के रूप में नियुक्ति हो जाने पर उन्होंने इस निदेशालय में वरिष्ठ कलाकार के पद का 10 जून, 1976 अपराह्न से कार्यभार त्याग दिया।

अमर नाथ छिब्बर, कृते उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1976

सं० 17-5/73-एडमिन०-I—कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) में सहायक निवेशक (प्रचार) के रूप में अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री आर० सी० रिछारिया ने 31 मई, 1976 के अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में तकनीकी अधिकारी (प्रदर्शनी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 24 जून 1976

सं० 12-50/73-एडमिन० I—अधिवारिकी वय की प्राप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी श्री डी० डी० शर्मा 31 मई, 1976 के अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

सुरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक  
(प्रशासन)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 15 जून 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/4(550)/74-प्रशासन/7115—श्री पी० डी० ने पार्श्व, उनका प्रत्यावर्तन महालेखाकार, महाराष्ट्र बम्बई के कार्यालय में होने पर, इस प्रभाग में अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार 1 अप्रैल, 1976 (अपराह्न) से छोड़ दिया।

सं० पी० पी० ई० डी०/4(353)/71-प्रशासन/7116—श्री डी० आर० शर्मा ने, उनका प्रत्यावर्तन महालेखाकार, महाराष्ट्र, बम्बई के कार्यालय में होने पर, 3 मार्च, 1976 के अपराह्न से इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एन० जी० पेरुलेकर, प्रशासन अधिकारी

(नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना)

मुम्बई-5, दिनांक 3 जून 1976

सं० एन० ए० पी० पी०/18/106/75-प्रशासन/2711—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थायी पर्यवेक्षक (सिविल) श्री एस० पी० मुखर्जी को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक उसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

आर० जे० भाटिया, प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-600006, दिनांक 13/14 जून 1976

सं० एम० आर० पी० यू०/200(9)/76-प्रशासन—क्रय एवं भंडार निदेशालय के निवेशक, निदेशालय के स्थानापन्न क्रय सहायक श्री एन० राजगोपालन को 12 मई, 1976 के पूर्वाह्न से 15 जून, 1976 तक क्रय एवं भंडार निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जून 1976

सं० एम० आर० पी० यू०/200(105)/76-प्रशासन—  
त्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के स्थानापन्न  
भंडारी श्री के० उन्नीकृष्णन को 20 मई, 1976 के पूर्वाह्न से 19  
जून, 1976 तक उस निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय त्रय यूनिट के परि-  
वहन तथा निकासी विंग में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार  
अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जून 1976

सं० एम० आर० पी० यू०/200(15)/76-प्रशासन—  
त्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के स्थानापन्न  
भंडारी श्री वी० श्रीपत राव को 7 जून, 1976 के पूर्वाह्न से 24  
जुलाई, 1976 के अपराह्न तक इस निदेशालय की कलपक्कम स्थित  
मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के केन्द्रीय भंडार यूनिट में  
स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी, त्रय अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 23 जून 1976

सं० ए० एम० डी०/एस० ए० ओ० 04/76-77—परमाणु  
ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग  
के एक स्थानापन्न अधीक्षक श्री सोमनाथ सचदेव को उसी प्रभाग  
में श्री अर्जुन देव भाटिया सहायक प्रशासन अधिकारी  
जिनका तारापुर परमाणु विद्युत-परियोजना में स्थानांतरण  
कर दिया गया है, के स्थान पर 18 मई, 1976 के पूर्वाह्न से  
तदर्थ रूप से सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री सोमनाथ सचदेव की उपरोक्त तदर्थ नियुक्ति उसी दिन  
से समाप्त समझी जायेगी जिस दिन से परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा  
परमाणु खनिज प्रभाग में श्री भाटिया के स्थान पर एक नियमित  
सहायक कामिक अधिकारी की नियुक्ति की जायेगी।

सं० ए० एम० डी०/एस० ए० ओ०-04/76-77—परमाणु ऊर्जा  
विभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक स्थानापन्न अधीक्षक श्री  
राजेंद्र चन्द्र सूद को उसी प्रभाग में 11 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से  
श्री डी० एस० इसरानी जिनको लेखा अधिकारी II नियुक्त किया  
गया है, के स्थान पर तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त  
करते हैं।

श्री सूद उसी दिन से स्थानापन्न अधीक्षक के पद पर परावर्तित  
हो जायेंगे जिस दिन श्री इसरानी अपने सहायक लेखा अधिकारी  
के पद पर परावर्तित होंगे।

सं० ए० एम० डी०/एस० ए० ओ० 04/76-77—परमाणु ऊर्जा  
विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक  
स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री डी० एस० इसरानी को उसी  
प्रभाग में 11 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से श्री एच० एल० चोपड़ा  
जिनको लेखा अधिकारी III के पद पर नियुक्त किया गया है, के  
स्थान पर तदर्थ रूप से लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

2—166 जी० आई०/76

श्री इसरानी उसी दिन से अपने सहायक लेखा अधिकारी के  
पद पर परावर्तित हो जायेंगे जिस दिन श्री एच० एल० चोपड़ा  
लेखा अधिकारी II के पद पर परिवर्तित होंगे।

एस० रंगानाथन, वरिष्ठ प्रशासनिक  
एवं लेखा अधिकारी।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 जून 1976

सं० ई० (1) 04281—वेधशालाओं के महानिदेशक, प्रादेशिक  
मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक  
श्री एस० वी० पुण्डले को 16-6-76 के पूर्वाह्न से 12-9-76 तक  
नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के  
पद पर नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक श्री एस० वी० पुण्डले, प्रादेशिक मौसम  
केन्द्र बम्बई के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05131—वेधशालाओं के महानिदेशक, प्रा-  
देशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक  
सहायक श्री एस० आर० शेषाद्रि को 9-6-76 के पूर्वाह्न से 10-7-76  
तक 32 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के  
पद पर नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ श्री शेषाद्रि, प्रादेशिक मौसम  
केन्द्र, मद्रास के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन्, मौसम विज्ञ  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1976

सं० ए०-32013/3/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-  
लिखित तीन तकनीकी अधिकारियों को, जो कि तदर्थ आधार  
पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों के रूप में कार्य कर रहे हैं, 19 मई,  
1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आवेदन होने तक नागर विमानन  
विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप  
में नियुक्त किया है तथा उन्हें उन के नामों के सामने दिखाए स्टेशनों  
पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)	(3)
1.	श्री एन० के० नानू	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
2.	श्री वी० के० वर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
3.	श्री ए० रामानाथन	डी० जी० सी० ए० मुख्यालय

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1976

सं० ए०-32013/4/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री बी० श्रीनिवासन, सहायक तकनीकी अधिकारी को 1 जून, 1976 से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

विश्व विनाद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1976

सं० ए०-22015/15/76-ई०एस०—श्री ईश्वर सिंह ने 1 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय वेतन एवं लेखा कार्यालय, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 25 जून 1976

सं० ए०-22015/14/76-ई० एस०—महालेखापाल, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय से स्थानांतरण होने पर श्री एम० के० जैन ने 17 जून, 1976 के पूर्वाह्न से नागर विमानन विभाग नई दिल्ली में सहायक वित्त नियंत्रक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए०-23022/1/75-ई० एस०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर क्षेत्रीय निदेशक (मद्रास) के कार्यालय के श्री पी० डी० रंगानाथन, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी (तदर्थ) ने 31-5-1976 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुरजीत लाल खंडपुर, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 28 जून 1976

सं० 1/360/76-स्था०—आर्वी शाखा के अस्थायी सहायक अभियंता, श्री ए० के० माहुले का सरकारी सेवा से त्याग पत्र 1ली मई 1976 के पूर्वाह्न से स्वीकार किया जाता है।

पु० ग० दामले, महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 26 जून 1976

सं० 1/315/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा वि० सं० से० की बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एम० वी० राव को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 13-4-1976 से 29-5-1976 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/254/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा वि० सं० से० की मद्रास शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक,

श्री एफ० पालि आय को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 14-4-76 से 30-4-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में उप-परिचाल प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णास्वामी, प्रशासन अधिकारी  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1976

सीमाशुल्क/सम्बन्धी

सं० 1/76—श्री टी० कमलाकरन, उप कार्यालय अधीक्षक, कोचीन सीमा शुल्क घर, की पदोन्नति स्थानापन्न मूल्य निर्धारक के पद पर मद्रास सीमा शुल्क घर के आदेश सं० 76/76 तारीख 24-3-76, के अनुसार की गयी। उन्होंने ता० 26-3-76 के पूर्वाह्न को अपना कार्यभार संभाल लिया।

सं० 2/76—श्री एस० सी० राघवन, परीक्षक (एस० जी०), मद्रास सीमा शुल्क घर, की पदोन्नति स्थानापन्न मूल्य निर्धारक के पद पर मद्रास सीमाशुल्क घर के आदेश सं० 47/76 ता० 23-2-76 के अनुसार की गयी। उन्होंने ता० 24-2-1976 के पूर्वाह्न को अपना कार्यभार संभाल लिया।

सं० 3/76—श्री बी० अनन्तकृष्णन, परीक्षक (एस० जी०) मद्रास सीमाशुल्क घर, की पदोन्नति स्थानापन्न मूल्य निर्धारक के पद पर मद्रास सीमाशुल्क घर के आदेश सं० 47/76 ता० 23-2-76 के अनुसार की गयी। उन्होंने ता० 25-2-76 के पूर्वाह्न को अपना कार्यभार संभाल लिया।

सं० 4/76—श्री मीर जमीन अली, परीक्षक (एस० जी०), मद्रास सीमाशुल्क घर, की पदोन्नति स्थानापन्न मूल्य निर्धारक के पद पर मद्रास सीमाशुल्क घर के आदेश सं० 42/76 तारीख 16-2-76 के अनुसार की गयी। उन्होंने ता० 16-2-76 के पूर्वाह्न को अपना कार्यभार संभाल लिया।

जी० शंकरन, सीमाशुल्क समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय

कानपुर, दिनांक 8 जून 1976

सं० 69/76—श्री ए० एस० उस्मानी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय, कानपुर के अन्तर्गत अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर के पद पर तैनात थे (अब 11-11-75 अपराह्न से सेवा निवृत्त) को नोटिस के बदले तीन माह का वेतन और भत्ते देकर एफ० आर० (56) (जे०) के अन्तर्गत सेवा मिबूत कर दिया गया—वेधें इस कार्यालय की पत्र सं० 11(3) गोपनीय/61/75/2777

दिनांक 11-11-75 जो श्री उस्मानी को 11-11-75 अपराह्न को मिला, जिसके द्वारा उन्हें 120 दिन का अर्जित अवकाश दिनांक 12-11-75 से 10-3-76 तक टर्मिनल अवकाश के रूप में तथा इसके साथ 265 दिन का अर्ध श्रौसत अवकाश दिनांक 11-3-76 से 30-11-76 तक का स्वीकृत किया जाता है। केन्द्रीय सिविल सेवा अवकाश नियमावली, 1972 के नियम 39(6) के परन्तुक की शर्तों के अनुसार उन्हें, उस अवधि को छोड़ कर जिसमें नोटिस के बदले वेतन और भत्ते स्वीकृत किए गए हैं, अवकाश की अवधि का अवकाश वेतन दिया जायेगा। श्री ए० एल० उस्मानी ने अपने पद का कार्य भार श्री एस० सी० अग्रवाल, अधीक्षक, (केन्द्रीय विनिमय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर को 11-11-75 अपराह्न को सौंप कर तत्क्षण 11-11-75 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

ह० अपठनीय

समाहर्ता

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1976

सं० क०-19012/471/74-प्रशा० पांच—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-12-1975 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद् द्वारा श्री एस० एल० अहलुवालिया को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पूना में विशेष अधिकारी (प्रलेखन) के पद पर 650-40-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 31-8-76 तक अथवा इस पद के नियमित रूप तक भरे जाने तक—जो भी पहले हो, के लिए पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जून 1976

सं० क०-12017/6/76-प्रशा० पांच—इस आयोग की अधिसूचना सं० क० 12017/6/76-प्रशा० पांच दिनांक 24-3-76 का आंशिक संशोधन करते हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद् द्वारा श्री जी०एम०कोटवार, अनुसंधान सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक भौतिकी ग्रुप) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 1-3-76 से 31-8-76 की आगामी अवधि अथवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस ग्रेड के नियमित अधिकारी को नामित करने तक—जो भी पहले हो, के लिये नियुक्त करते हैं।

जसवंत सिंह, अवसर सचिव  
कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 जून 1976

सं० 74/आर० ई०/161/1—रेलवे लाइन और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि 28-6-1976 को या उसके बाद के तिलक पुल (को छोड़कर)

से इन्द्रप्रस्थ बिजलीघर (आई० पी० एच० साइडिंग सम्मिलित) (संरचना सं० 1533/41-जी० 42-जी० से संरचना सं० पी० एच०/75 तक) खण्ड की ए० सी० बिजली की ऊपरी कर्षण तारों में 25 कि वा० बिजली प्रवाहित की जायेगी। इस तिथि को/से ऊपरी कर्षण तारों को सदा के लिए बिजली युक्त समझा जायेगा और इसके निकट कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न आये और न ही काम करे।

ब० मोहंती, सचिव  
रेलवे बोर्ड

सवारी डिब्बा कारखाना

महाप्रबन्धक का कार्यालय

मद्रास-38 दिनांक 28 जून 1976

सं० का० शा०/रा० सा०/9/विधि II—श्री सी० आर० राधाकृष्णन, स्थानापन्न सहायक बिजली इंजीनियर/निरीक्षक (श्रेणी II) को दिनांक 28-3-74 से श्रेणी II सेवा में पुष्टि की गयी है।

श्री पी० एन० सुकुमार, स्थानापन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर (ब० मा०) ने दक्षिण रेलवे से स्थानांतरण होने पर यहां कार्यग्रहण किया और उन्हें दिनांक 3-5-76 से स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/योजना/फर्निशिंग (ब० मा०) के रूप में तैनात किया गया।

श्री पी० आर० नारायणन, स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/फर्निशिंग (ब० मा०) (तदर्थ) को दिनांक 3-5-76 से श्रेणी II सेवा को रिबर्ट किया गया है और उन्हें स्थानापन्न सहायक निर्माण प्रबंधक/विनिर्माण/फर्निशिंग (श्रेणी II) के रूप में तैनात किया गया है।

श्री सी० शंकरन, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी/आ० (श्रेणी II) को दिनांक 18-5-1976 से श्रेणी II सेवा को रिबर्ट किया गया है।

श्री एस० गोपालन, स्थानापन्न प्रिंसिपल, तकनीकी प्रशिक्षणालय (ब० मा०) को दक्षिण मध्य रेलवे में उपमुख्य यांत्रिक इंजीनियर (क० प्र०) तदर्थ के रूप में अपने स्थानांतरण का पालन करने को भारमुक्त किया गया।

एस० सुब्रमणियन,  
उप-मुख्य कार्मिक अधिकारी  
कृते महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1976

सं० 15—इस रेलवे के श्री जी० एस० महरोखा मण्डल अभियन्ता मुरादाबाद 31-5-1976 अपराह्न से रेल सेवा से अन्तिम रूप से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

एस० सी० मिश्र, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विविध बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और चौधरी ब्रादर्स प्राइवेट लि०  
के विषय में

शिलांग, दिनांक 21 जून 1976

सं० 765/560/1462—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चौधरी ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेशनल सा० प्लाईवुड वर्क्स (असम) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 22 जून 1976

सं० 1333/560/1478—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नेशनल सा प्लाईवुड वर्क्स (असम) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० पी० वशिष्ठ,  
कम्पनी का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और डाकेश्वरी मेसिन मैन्युफैक्चरिंग कं० लि०

कलकत्ता-1, दिनांक 22 जून 1976

सं० एस०/17690/डी० 1340—यतः डाकेश्वरी मशीन मैन्युफैक्चरिंग कं० लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 1 ब्राडेट राम स्टोर में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है, और यह कि स्टेटमेन्ट आफ अकाउन्ट्स (विवरणियों) जो समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छह क्रम वर्ती मास के लिए नहीं दी गई है,

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में, एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर डाकेश्वरी मशीन मैन्युफैक्चरिंग कं० लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एन० एन० मौनिक  
कम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन मैसर्स थाटीवार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

सं० 1650/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 7 आफ 1976 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 5-4-1976 के आदेश द्वारा मैसर्स थाटीवार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया दिया गया है।

जे० गो० गाथा,  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 जून 1976

निर्देश सं० फग०/55/76-77—यतः मुझे रविंद्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव चचोकी में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री घमण्डी, चचोकी फगवाड़ा ।  
(अन्तरक)

2. श्री कर्म सिंह सुपुत्र श्री वरयाम सिंह मार्फत ओ० के० इंडस्ट्रीज इन्डस्ट्रियल एरिया फगवाड़ा द्वारा जगत नाथ प्रभाकर प्रापर्टी डीलर, फगवाड़ा ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों । (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 11 कनाल 2 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1393 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है ।

रविंद्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 26 जून 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 जून 1976

निदेश सं० केपीएस०/56/76-77-यतः मुझे रविंद्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो हमीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री खुशी सिंह सुपुत्र श्री जीवन सिंह वासी हमीरा तहसील कपूरथला (अन्तरक)।

2. श्री कशमीरा सिंह सुपुत्र श्री नारायण सिंह सुपुत्र श्री गंगा सिंह वासी आरीयांवाला तहसील कपूरथला (अन्तरिती)।

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 25 कनाल 15 मरले गांव हमीरा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2344 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

रविंद्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 26 जून 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 जून 1976

निदेश सं० के० पी० एल०/58/76-77—यतः मुस रविन्द्र  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो हमीरा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खुशी सिंह सुपुत्र जीवन सिंह वासी हमीरा तहसील  
कपूरथला। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, इन्द्रजीत सिंह सपुत्रान श्री कशमीरा सिंह  
सपुत्र श्री नारायण सिंह वासी आरीयावाला तहसील कपूरथला।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति बें रचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 25 कनाल 15 मरले गांव हमीरा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 2342 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कपूरथला में है।

रविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 26 जून, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 26 जून 1976

निदेश सं० केपीएल/59/76-77—यतः मुझे रविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो हमीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खुशी सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह वासी हमीरा तहसील कपूरथला। (अन्तरक)

2. श्री सुखराम सिंह और प्रीतम सिंह पुत्र श्री कशमीरा सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह वासी अरीयावाला तह० कपूरथला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है यदि कोई व्यक्ति किरायदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती माप 25 कनाल और 14 मरले हमीरा रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2332 नवम्बर 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

रविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 26 जून, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० फडीके०/32/76; 77—यतः मुझे वी० आर०

सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—166G1/76

1. श्री दुर्गादास विनैक पुत्र श्री धारी मल नजदीक बिजलीघर मुक्तसर (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री धमाला सिंह वासी मुक्तसर (अन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 पर है, और किरायेदार यदि कोई (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति; जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1640 नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 7 जून, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० एफ जड आर०/33/76-77—यतः मुझे वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० धरती है तथा जो आउटसाईड जीरागेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरुमुख सिंह पुत्र श्री झंडा सिंह पुत्र बागा सिंह वासी वस्ती कम्बोआ वाली फिरोजपुर शहर । (अन्तरक)

2. मेसर्स हरनाम सिंह सेठी ऐंड सनज मार्फत श्री अमरजीत सिंह सेठी पुत्र श्री हरनाम सिंह सेठी, फिरोजपुर कैंट । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है यदि कोई (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3087 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है ।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 जून, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० एसआर०/35/76-77—यतः मुझे बी० आर० सागर,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 है जो आर० बी० प्रकाशचंद रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० बी० प्रकाश चन्द मेहरा सपुत्र श्री आर० बी० रत्न चंद मेहरा वासी माल रोड अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री बहादुर जीत सूद सपुत्र गुरदित चन्द सूद 35 माडल टाउन, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 45 नजदीक पुलिस लाइन आर० बी० प्रकाश चंद रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2160, नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० आर० सागर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० एसआर०/36/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 है तथा जो आर० बी० प्रकाश चंद रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० बी० प्रकाश चन्द मेहरा सपुत्र श्री आर० बी० रत्न चन्द मेहरा, माल रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह सपुत्र केसर सिंह तथा राजेंद्र सिंह सपुत्र बहादुर सिंह शरीफपुरा, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 45 नजदीक पुलिस लाईन आर० बी० प्रकाश चन्द रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2161, नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 जून 1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० एफ० जेड० आर०/37/76-77—यतः मुझे वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो गांव बुलोके (मकखू)  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति हरबंस रानी विधवा श्री राम नाथ सुपुत्र श्री सोहन  
सिंह वासी मकखू तहसील जीरा । (अन्तरक)

2. श्री सतपाल सुपुत्र श्री बिहारी लाल सुपुत्र श्री बहादुर मल  
बासी मकखू तहसील जीरा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों । (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 भाग सम्पत्ति अमृतसर जीरा रोड व जालन्धर रोड मकखू  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3704 नवम्बर 1975 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है ।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 जून 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून, 1976

निदेश सं० एफ० जेड० आर/38/76-77—यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है जो गांव बुलुके (मकबू) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1975।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्द्रजीत सिंह सुपुत्र श्री रणजीत सिंह सपुत्र श्री ईश्वर सिंह वासी मकबू तहसील जीरा। (अन्तरक)

2. श्री कुलदीप राय सपुत्र श्री हंस राज सपुत्र मथुरा दास, सुरिंद्र कुमार सपुत्र बाबू राम सपुत्र मथुरा दास वासी मकबू तहसील जीरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 सम्पत्ति अमृतसर जीरा रोड व जालन्धर रोड मकबू जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3703 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 7 जून 1976।  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निर्देश सं० ए एस आर/39/76-77—यतः मुझे बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जसकी सं० कोटी नं० 462 बी है तथा जो हुक्म सिंह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव दत्त वासल पुत्र श्री शंकर दत्त वासल वासी गुरु का महल, अमृतसर । (अन्तरक) ।

2. श्रीमति सुशीला देवी या सुशीला रानी पत्नि श्री परमजीत सिंह सोही श्री वरिंदर सिंह सोही पुत्र श्री परमजीत सिंह सोही वासी कटरा जलियांवाला, गली कम्बोज, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोटी नं० 462 बी हुक्म सिंह रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2113 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है ।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० एसआर०/40/76-77—यतः मुझे बी० आर०  
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो आर० बी० रतन चंद  
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुष्पा देवी उर्फ पुष्पा बंती विधवा श्री प्रेम नाथ बहल,  
वासी 1, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमति कमलेश रानी पत्नी श्री देव राज, कुचा फकीर  
खन्ना, बाजार कसौरियां, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-  
भाषित, है वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 535 वर्गगज तुंगवाला मोहनलाल का बाग  
अब प्रसिद्ध आर० बी० रतन चंद रोड अमृतसर रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 2124 नवम्बर 75 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में  
लिखा है ।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० एफडीके०/53/76-77—यह: मुझे बी० आर० सगर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-166GI/76

1. श्री अमरजीत सिंह और चरणजीत सिंह पुत्र श्री राजा राम या राजा सिंह, कोटाल बाजार, नजदीक गांधी चौक, मुक्तसर। (अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह और मनोहर सिंह पुत्र श्री नंद सिंह वासी कोटला बाजार, नजदीक गांधी चौक, मुक्तसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर है और किरायेदार, यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1569, नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० एफडीके/43/76; 77—यतः मुझे बी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानम सिंह पुत्र श्री संता सिंह, पूर्ण सिंह पुत्र श्री संता सिंह फरीदकोट अब 21-ए एस० पी० मुकजी रोड, कलकत्ता (अन्तरक)।

2. श्रीमति पंजाब कौर पत्नी श्री दल सिंह गांव मचाकीमल सिंह त० फरीदकोट, श्री अमरीक सिंह रणजीत सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह, श्री सोहन लाल, श्रीम प्रकाश, रूप लाल, सरूप लाल पुत्र श्री प्रकाश चन्द, कामियाना गेट, फरीदकोट श्री कस्तूर सिंह पुत्र संतोख सिंह, सुखचैन या सुखचरण सिंह पुत्र श्री भिज लाल, मोहिंदर पास पुत्र श्री हंस राज वासी फरीदकोट (अन्तरिती)।

3. जैसा कि नं० 2 पर है यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3419 फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, अमृतसर

दिनांक 11 जून, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० एफडीके०/44/76-77—यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रीतम सिंह, श्री बलवीर सिंह, कुलवंत सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह शकुंतला कोर, विधवा श्री बलवंत सिंह, श्री पूर्ण सिंह पुत्र श्री संता सिंह फरीदकोट अब 21 ए० एस० पी० मुकजी रोड कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमति लीला बंती पत्नी श्री फकीर चंद, श्री फकीर चंद पुत्र श्री गंगा राम श्रीमति मोहिंदरा जैन या मोहिना जैन पत्नी श्री राजिंदर प्रसाद, मोहल्ला जैनियान वाला, फरीदकोट। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3432 फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसरतारीख 11 जून 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निवेश सं० एफ० जेड० आर०/46-76-77—यतः मुझे बी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो XVIII/194 मेन सर्कुलर रोड  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,  
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री मदन लाल अबोहर ।

(अन्तरक)

2. श्री नानू राम पुत्र श्री भेरा राम वासी अबोहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है यदि कोई डा० जगदीश गोयल,  
किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० XVIII/194, मेन सर्कुलर रोड, मंडी अबोहर  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2232 फरवरी 1976 को रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है ।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 11 जून, 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/III/एस०आर०-II/दिसम्बर/  
1103(5)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18, ब्लाक नं० जे-13 है तथा जो  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित पर (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. इकबाल सिंह, सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह, निवासी जे-12/56,  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सत प्रकाश अहुजा (2) अविनाश चन्द्र अहुजा  
(3) केवल कृष्ण अहुजा (4) अनिल कुमार अहुजा, सुपुत्र श्री चुष्मी  
लाल अहुजा, निवासी जे-7/52, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 18 ब्लाक नं० जे-13, जिसका क्षेत्रफल 347 वर्ग  
गज है, राजौरी गार्डन, के तातरपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली नगर  
निगम की सीमा के अन्तर्गत दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० जे-13/17

पश्चिम : कम्पनी की भूमि

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : कालोनी की सीमा

एस० सी० पारीजा  
सक्षम अधिकारी  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली,  
नई दिल्ली-1 ।

दिनांक 26-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-III/986/  
अक्तूबर-II (12)/75/76—अतः मुझे, चं० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-210 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
22-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती विमला बती, पत्नी श्री बी० पी० तलवार, निवासी  
एन-10, साऊथ एक्सटेंशन पार्ट-I, नई दिल्ली श्री शिव दत्त राम  
मेहरा, जनरल अटारनी के द्वारा, सुपुत्र श्री मोहन लाल, निवासी  
4934/35, नमक फाटक हाउज काजी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधा पुरी, पत्नी श्री चन्द्र कान्त पुरी, निवासी  
4/5039, सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

3. श्री ए० पी० सहगल, सुपुत्र श्री राम सरन दास, निवासी  
डब्लू-5, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 360 वर्ग गज है, ढाई  
मंजिला बिल्डिंग के साथ बनी हुई है, जिहका नं० ई-210 है, ग्रेटर  
कैलाश-I, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : कालोनी की सीमा

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-208

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 8-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 20 मई 1976

निर्देश सं० एस०एम०एल०/1591/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० एक कमरे का सेट, सेट नं० 1 की ऊपर वाली छत के सहित, तथा जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिमप्रस्था भवन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुख्य अधिकारी,  
दी हिमप्रस्था, फाइनेंसर्ज प्राइवेट लि०, दी माल, शिमला।  
(अन्तरक)
2. श्री प्रेम चन्द गुप्ता, पुत्र  
श्री आई० सी० गुप्ता, एलबियन हाउस, दी माल,  
शिमला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक कमरे का सेट, सेट नं० 1 की ऊपर वाली छत के सहित-हिमप्रस्था भवन, शिमला।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 465 नवम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय, में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 20 मई, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई 1976

निदेश सं० एस० एम० एल०/1593/75-76—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० सेट नं० 1, हिमप्रस्था भवन, है तथा जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मुख्य अधिकारी

वी हिमप्रस्था फाइनेसर्ज लि० वी माल शिमला।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार गुप्ता,

पुत्र श्री आई० सी० गुप्ता, ऐलबियन हाउस, वी माल, शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेट नं० 1, हिमप्रस्था, भवन, शिमला।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 466 नवम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 18 मई, 1976।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई 1976

निर्देश सं० एस०एम०एल०/1593/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सेट नं० 2, हिमप्रस्था भवन के दो गोदामों में (गैरजो) के सहित है तथा जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-166GI/76

1. दी हिम प्रस्था फाइनेसर्ज प्राइवेट लि० द्वारा श्री आई० सी० गुप्ता, डायरेक्टर, नगीना सिंह बिल्डिंग, दी माल, शिमला।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती जसबीर कौर, पत्नी श्री गुरचरन सिंह, निवासी नगीना सिंह बिल्डिंग दी माल, शिमला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेट नं० 2, हिम प्रस्था भवन की 2 गोदामों (गैरजो) के सहित, शिमला।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 467 नवम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 18 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 मई 1976

निर्देश सं० एस०एम०एल०/1594/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० हिम प्रस्था भवन का सेट नं० III सहित मैजिन फर्श और 2 गोदाम है तथा जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मुख्य अधिकारी,  
मै० दी हिमप्रस्था फाइनेन्सर्ज (प्राइवेट) लिमिटेड, दी माल,  
शिमला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदर्शन कुमारी सूद, पत्नी श्री पूर्ण चन्द सूद,  
परी महल, कोर्ट रोड, शिमला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

हिम प्रस्था भवन का सेट नं० III सहित मैजिन फर्श और 2 गोदाम शिमला ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 468 नवम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय में लिखा है) ।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 19 मई, 1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई 1976

निर्देश सं० सी०एच०डी०/1783/75-76—अतः मुझे

विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस०सी०एफ० नं० 152 है तथा जो ग्रेन मार्किट चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशोरी लाल पुत्र श्री अर्जन दास  
निवासी एस०सी०एफ० नं० 154 ग्रेन मार्किट, चण्डीगढ़ ।  
(अन्तरक)

2. (i) श्री इन्द्रजीत सिंह, एडवोकेट  
दत्तक पुत्र सर० उदय सिंह, फरीदकोट,  
(ii) श्री सिमरजीत सिंह, पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह,  
(iii) सर० कुलविन्द्र सिंह, पुत्र सर० इन्द्रजीत सिंह,  
(iv) श्रीमती राजपाल कौर, पुत्री श्री जगजीत सिंह,  
निवासी भुचो ।  
(v) श्रीमती कुलवन्त कौर, पुत्री सर० सरूप सिंह मोंगिया,  
(vi) श्रीमती गुरसिमरन कौर, पत्नी श्री कुलविन्द्र सिंह,  
फरीदकोट ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शाप-कम-पजेट नं० 152, ग्रेन मार्किट चण्डीगढ़ ।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 18 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देशसं० सी०एच०डी०/1514/75-76—अतः मुझे  
विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० एस०सी०एफ० नं० 116, सेक्टर 28-डी, है  
तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्यार कौर, पत्नी श्री रत्न सिंह ।  
निवासी मकान नं० 1293, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. (i) श्री कुलवन्त सिंह }  
(ii) श्री दलवन्त सिंह } पुत्र सं० जगत सिंह  
(iii) श्री जसवन्त सिंह, }

निवासी एस० सी० एफ० नं० 11 सेक्टर 11-डी, चण्डीगढ़ ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

शेष कम पलैट नं० 116, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़ ।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 19-5-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई, 1976

निर्देश सं० एच० एस०आर०/1695/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक अहाता चार दीवारी के साथ लाजपत राय पार्क के नजदीक है तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आनंद प्रकाश भार्गवा,  
पुत्र स्वर्गीय श्री ठाकुर दास भार्गवा,  
जाट कालिज के सामने की बिल्डिंग, हिसार। (अन्तरक)

2. श्री बनारसी दास मिश्र, पुत्र  
परमेश्वरी दास मिश्र,  
कोल डिपो होल्डर,  
इलायट सिनेमा के पीछे हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अहाता चार दीवारों के साथ  
पूर्व—67'-5" बाबू राम की दुकान।  
पश्चिम—52' श्रीमती कृष्ण भार्गवा की दुकान  
उत्तर—39'-2" सड़क  
दक्षिण—36'-6" श्री सुभाष भार्गवा का प्लाट।  
लाजपत राय पार्क के नजदीक हिसार।  
जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3231 फरवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक 18 मई, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 21 मई 1976

निर्देश सं० सी०एच०डी०/1644/75-76---अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1026 सैक्टर 8-सी, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० कुलदीप सिंह, पुत्र सर० दीवान सिंह,  
1026, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. सचिव,  
दि नेशनल सप्रिच्युल असैबली आफ बाहार्इज आफ इंडिया,  
343, सैक्टर 9-डी, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1026, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ ।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 21-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 मई, 1976

निर्देश सं० सी०एच०डी०/1677/75-76—अतः मुझे  
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 107, सैक्टर 23-ए, है तथा जो चण्डी-  
गढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक फरवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जी० एस० सर्दाना, पुत्र श्री जे० आर० सर्दाना,  
निवासी मकान नं० 1285, सैक्टर 21—बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रतवीर सहाए घई, पुत्र श्री वरकत राम घई, गांव  
और डाकघर कोकरी कलां, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

(आजकल मकान नं० 698, सैक्टर 11—बी, चण्डीगढ़)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 107, सैक्टर 23-ए, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 19 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई, 1976

निदेश सं० जी० आर० जी०/1534/76-77—अतः  
मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है सम्पत्ति नं० 537/9  
दौलताबाद रोड़ रेलवे स्टेशन के नजदीक गुड़गांव (और इससे  
उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सर्वश्री अमरनाथ शर्मा, पुत्र श्री गंगा प्रसाद शर्मा,  
निवासी 19बी/2, शक्ति नगर, नई दिल्ली ।

(2) महेन्द्रा, पुत्र मोहन लाल शाह,

(3) श्रीमती जय लक्ष्मी पत्नी मोहन लाल शाह,

द्वारा मोहन लाल शाह, सुखतार आम, 4628, कपड़  
की मार्केट, दिल्ली ।

(4) श्रीमती चन्दन गामी, पत्नी बाल किशन गामी,

निवासी, ए-1/97, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री वरिन्द्र सिंह भल्ला,

माषिक, सेरा मिलज गलेज ऐंड जैरकोमिन कम्पनी दौलताबाद रोड़,  
गुड़गांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

सम्पत्ति नं० 537/9 जो कि दौलताबाद रोड़ पर रेलवे स्टेशन  
के नजदीक गुड़गांव में स्थित है ।

उत्तर : चाबला फैक्टरी

दक्षिण : श्रीमती शशी भल्ला की फैक्टरी ।

पूर्व : दूसरों की सम्पत्ति

पश्चिम : 18'-0" चौड़ी सड़क ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2378, दिसम्बर, 1975  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुड़गांव के कार्यालय में लिखा है) ।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 18 मई, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 20 मई 1976

निर्देश सं० जी०आर०जी०/1932/75-76—अतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया धारा है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शेड व दफ्तर व खाली जगह (खसरा नं० 3338/434 में से) है तथा जो दौलताबाद रोड गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-166GI/76

1. सर्वश्री

(i) अमर नाथ शर्मा, पुत्र गंगा प्रसाद शर्मा, निवासी 19बी/2, शक्ति नगर, नई दिल्ली।

(ii) मोहिन्द्रा पुत्र मोहन लाल शाह

(iii) श्रीमती जय लक्ष्मी पत्नी मोहन लाल शाह

(iv) श्रीमती चन्दन गामी पत्नी, बालकिशन गामी

निवासी ए-1/97, सफदर जग एनक्लेव, नई दिल्ली।

द्वारा मोहन लाल शाह मुस्तयार ग्राम,

4628, कलाय मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मे० इन्डरेड्स एक्सपोर्ट डिवीजन द्वारा श्री मुकेश के शर्मा, डायरेक्टर,

आकाशदीप बिल्डिंग,

26-ए, बारह खम्बा रोड, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेड व दफ्तर व खाली जगह (खसरा नं० 3338/434 में से) जो कि दौलताबाद रोड गुडगांव में स्थित है)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2210 नवम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुडगांव के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 20-5-1976

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 20 मई 1976

निर्देश सं० जेड०आर०आई०/1634/75-76—अतः, मुझ,  
विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 99 कनाल 14 मरले भूमि है तथा जो हुसैनपुरा,  
डाकघर बदौशी कलां, तहसील सिरहिन्द में स्थित है (और इसमें  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सिरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलवन्त सिंह, पुत्र श्री जसवन्त सिंह,  
गांव हुसैनपुरा, डाकघर बदौशी कलां, तहसील सिरहिन्द ।

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमती प्रीतम कौर, पत्नी श्री अवतार सिंह  
(ii) श्री मोहन सिंह  
(iii) श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह  
(iv) श्री बलदेव सिंह  
(v) श्री बलविन्दर सिंह,  
निवासी गांव हुसैनपुरा, डाकघर बदौशी कलां,  
तहसील सिरहिन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

99 कनाल 14 मरले भूमि जोकि गांव हुसैनपुरा, डाकघर  
बदौशी कलां, तहसील सिरहिन्द में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2263 दिसम्बर 1975 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिरहिन्द के कार्यालय में लिखा है) ।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 20 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जून 1976

निर्देश सं० पी० टी० ए०/1953/75-76—अतः मुझे

ग० प० सिंह, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसी विला जोकि नरूला कलोनी में स्थित है और जिसका नं० 4162/5 है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह गिल, पुत्र सं० मुकुन्द सिंह निवासी मकान नं० 109 दी माल, अम्बाला छावनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्द्र पाल कौर, पत्नी श्री लाल सिंह, निवासी कोठी नं० 4162/5, लहल, पटियाला।

(अन्तरिती)

3. श्री श्रीराम मैनेजिंग डायरेक्टर, जिन्दल स्टील वर्क्स, मलरकोटला। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संदर्भ व्यक्ति पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति जिस का नाम "जैसी विला" है जोकि नरूला कालोनी नं० 4162/5 पटियाला में स्थित है।

उत्तर :—40' चौड़ी सड़क।

दक्षिण :—20' चौड़ी सड़क और कोठी सं० मंगल सिंह।

पश्चिम :—20' चौड़ी सड़क।

पूर्व :—पड़ोसी का घर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 334 नवम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जून 1976

निर्देश सं० सीएचडी/1382/75-76 —अतः मुझे,  
ग० प० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 64-65, सैक्टर 15-  
डी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री आर० एस० ठण्डा, } पुत्र स्वर्गीय श्री राजा
  - (ii) श्री बी० एस० ठण्डा, } राम ठण्डा
- निवासी मकान नं० 543, सैक्टर 16-डी० चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. (i) श्री रमेश्वर दास पुत्र बालक राम, निवासी उचाना  
मण्डी, जिला जींद।

(ii) श्री जय नारायण पुत्र बालक राम, निवासी एस० सी०  
एफ० नं० 28 सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।

(iii) श्री मोती राम मिस्तल पुत्र बालक राम निवासी  
एस० सी० एफ० नं० 28 सैक्टर 15-सी चण्डीगढ़।

(iv) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री रमेश्वर दास  
निवासी उचाना मण्डी, जिला जींद।

(v) श्री जीया लाल, पुत्र स्वर्गीय प्यारा लाल निवासी  
उचाना मण्डी जिला जींद।

(vi) श्री देस राज, पुत्र स्वर्गीय प्यारा लाल निवासी  
एस० सी० ओ० नं० 65, सैक्टर 15-डी चण्डीगढ़।

(vii) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी जीया लाल, निवासी  
उचाना मण्डी, जिला जींद।

(viii) श्रीमती माया देवी विधवा स्वर्गीय प्यारा लाल,  
निवासी उचाना मण्डी, जिला जींद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप कम फ्लैट नं० 64-65, सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18 जून 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जून 1976

निर्देश सं० एल डी एच/सी/1489/75-76/—अतः मुझे  
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15-एच, सराभा नगर, है तथा जो  
लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरदीप सिंह, पुत्र श्री गुरबखश सिंह, बीएस-25,  
इंक्वाल गंज, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार मल्होत्रा, पुत्र श्री अवतार सिंह,  
बी०-VII-426 मोहल्ला मुल्लां शकूर लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15-एच०, सराभा नगर, लुधियाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 6142 नवम्बर  
1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में  
लिखा है।)

ग० प० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-6-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जून 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/1515/75-76/—अतः मुझे  
ग० प० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49, गली बी० सैक्टर 8-ए,  
(नया नं० 30, सैक्टर 8-ए) है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ललित मोहन सूरी, 36, सैक्टर 9-ए, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कानू देव दास, पत्नी मिस्टर अनिल देव दास,  
निवासी मकान नं० 121 सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49 गली 'बी' सैक्टर 8-ए, (नया नं० 30,  
सैक्टर 8-ए), चण्डीगढ़।

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जून 1976

निदेश सं० एस० एन० पी०/1526/75-76/—अतः मुझे  
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 88 कनाल 9 मरले, कोल्ड  
स्टोरेज और आईस फैक्ट्री के सहित जैती कला रोड हरियाना  
दिल्ली सीमा पर, कुण्डली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० हरियाना एग्रोज, गांव कुण्डली, जिला सोनीपत।  
(अन्तरक)

2. मै० यूनाईटेड कोल्ड स्टोरेज एण्ड आईस फैक्ट्री  
जैती कला रोड, कुण्डली, जिला सोनीपत।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 88 कनाल 9 मरले कोल्ड स्टोरेज एण्ड  
आईस फैक्ट्री बिल्डिंग के सहित जोकि जैती कला रोड  
पर हरियाना दिल्ली सीमा पर गांव कुण्डली-जिला सोनीपत में  
स्थित है।

पूर्व : जैती कला रोड।

पश्चिम—खाली भूमि।

उत्तर : खाली भूमि।

दक्षिण : खाली भूमि।

जैसेकि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2837 दिसम्बर  
1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोनीपत के कार्यालय में  
लिखा है।)

ग० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18 जून 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जून 1976

निदेश सं० सी०एच०डी०/1643/75-76/ —अतः मुझे ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1006, सैक्टर 27-डी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र मोहन सिंह गरेवाल, पुत्र श्री चेतन सिंह, निवासी गुरदेव नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. (i) सर्वश्री सन्त कुमार सहगल, पुत्र दुर्गा दास सहगल

(ii) दुर्गा दास सहगल, पुत्र माधू राम सहगल,

(iii) श्रीमती विद्या वती सहगल, पत्नी दुर्गा दास सहगल,

(iv) रघवीर कुमार सहगल पुत्र दुर्गा दास सहगल, निवासी 1006, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1006, सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1136 जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी० ए 5/दिसम्बर 75/नासिक/281/76-77--

यतः मुझे एच० एस० औलख

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सं० क्र० 854 (इस्टर्न भाग) है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 दिसम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7--166 जी०आई०/76

- |                                 |  |
|---------------------------------|--|
| 1. (1) श्री मुरलीधर नारायण काठे | } सभी रहनेवाले<br>854, मसिडे ब्रीज<br>नजदीक, पूना<br>रोड, नासिक।<br>(अन्तरक) |
| (2) श्री गंगाधर नारायण काठे     |  |
| (3) श्री दसरथ नारायण काठे       |  |
| (4) श्री आबा नारायण काठे        |  |

2. ऑरिस्टो फास्ट लिमिटेड, प्रेसीडेंट—श्री बी० जयरामन राल्फिन हाऊस, अनेक्स बिल्डिंग, पहिला मजला, जुना प्रभा देवी रोड 88, सी०, बम्बई-25।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्री होल्ड लैंड—स० नं० 854 (इस्टर्न पोर्शन)  
क्षेत्रफल 1½ एकर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2311 विनांक 5-12-75 को सबरजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० औलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री जयसिंह नारायणदास गुरुकुपा, लैम रोड, देवलाली ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 22 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसम्बर 75/नासिक/282/76-77/

—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० क्र० 43/4 (पार्ट) है तथा जो मौजे बेलटगाव नासिक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरकरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मे० मर्कट टाईल वेअरहाऊसिंग एण्ड ट्रान्सपोर्ट क० भारत हाऊस, 3 रा० माका, 104 आपोलो स्ट्रीट बबई-1 ।  
पार्टनर्स (1) श्री भाग्यचंद एम मेहता

(2) श्री हरमुख बी० मेहता

(3) श्री ज्योतिरे बी० मेहता

(4) श्री विनोद बी० मेहता

(5) श्री हरीष बी० मेहता

(6) श्रीमती प्रमीला जे० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

अग्नीकल्चरल जमीन—फ्री होल्ड—मौजे बेलटगाव तालुके और जिला —नासिक, सर्वे० क्र० 43/4 (पार्ट)—  
क्षेत्रफल—1 हेक्टर, 8 आर०-77 वर्ग मीटर्स लैम रोड, देवलाली कन्टोनमेन्ट के कक्षा में

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2112 दिनांक 5-12-1975 को सबरजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है) ।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 7 मई 1976

निर्देश सं० सी० ए०/5/नवम्बर '75/हवेली-II (पूना)/  
284/76-77—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या सी० टी एफ क्रमांक 10 और 10/1 है तथा  
जो बोट क्लब (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-  
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किस आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स रूसी नरिम्न प्रिंटर 12/14 बोट क्लब पूना।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री चंपालाल जीसुलाल  
(2) श्री मिठालाल धीसुलाल  
(3) श्री सुभाषचन्द्र चंपालाल गणेश भवन, जालना।  
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स चंपालाल मिठालाल ट्रान्सपोर्ट प्रा०  
लि० पूना।

(2) मैसर्स रूसी नरिम्न प्रिन्टर पूना।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

श्री होल्ड जमीन सि० टी० एस० क्र०-10 और 10/1  
प्लॉट क्रमांक 14 फामनल प्लॉट क्रमांक 232 बोट क्लब रोड  
मालीमुंजेरी पूना कारोपोरेशन के हद में क्षेत्रफल 2420.80  
वर्गमिटर्स उस पर स्थित बंगला और श्रीटहाऊस बूदावन  
नामसे परिचित क्षेत्रफल 500 वर्ग मिटर्स 1972 में बांधी  
हुई।

जैसे रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्रमांक 2328, नवम्बर,  
75 में हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश ए० 5/थाना/नम्बर 75/286—यतः मुझे,

व्ही० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० क्र० 341, हिस्सा क्र० 10 (पार्ट), सं० क्र० 345, हिस्सा क्र० 2 और 3 (पार्ट) सं० क्र० 350 प्लॉट क्र० 26, फा० प्लॉट क्र० 145 है तथा जो पंचपाखड़ी, थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मे० जीवन बिल्डर्स, सोलंकी सदन, शिवाजी पथ, थाना (वेस्ट)। (अन्तरक)

2. मैसर्स मनोहर महल कोआपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड, रवी इंडस्ट्रीज कंपाऊंड, नौपाड़ा, थाना। (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती बाई० एम० यावगल

(2) श्री ए० जी० गुलाबराव

(3) श्री एस० एम० पाटील

(4) श्री ए० बाय० मराठे

(5) श्री डी० जी० बोलार

(6) श्री जयपाल गुप्ता

(7) श्रीमती श्री० पी० पाटील

(8) श्री एम० आर० प्रभू

(9) श्री सी० एम० प्रभाकर राव

(10) श्री एफ० डी० लिखीते

(11) श्रीमती एम० बी० तांबे

(12) श्री डी० पी० लिखीते

(13) श्रीमती लीलावती धीर

(14) श्रीमती एस० जे० पाटील

(15) श्रीमती ज एन० एस० गाल

(16) श्रीमती कुसुम तथा रुकमी बाई रत्नाकर

सभी रहनेवाले मनोहर महल को-आपरेटिव सोसायटी, नौपाड़ा, थाना।

! (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वज्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापटी सं० क्र० 341, हिस्सा क्र० 10 (पार्ट) सं० क्र० 345 हिस्सा क्र० 2 और 3 (पार्ट), और सं० क्र० 350 प्लॉट क्र० 26, फायनल प्लॉट क्र० 145, टी० पी० एस० क्र० 1 क्षेत्रफल 1048 वर्ग यार्ड्स और उसके ऊपर का मकान जो पंचपाखड़ी, थाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 652 नवम्बर 75 को सब रजिस्ट्रार थाना के दफ्तर में लिखा है)।

व्ही० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-6-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411004, दिनांक 28 जून 1976

निर्देश सं० सी० ए०/5/नवम्बर 1975 हवेली-II पुना/288—  
यतः मुझे, व्ही० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एस० क्रमांक है 32 (नया) है तथा  
जो शेकरवार पेठ पुना में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय हवेली-II/पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
10-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जनार्धन यशवंत रानडे

(2) श्री अशोक जनार्धन रानडे (पागल) पालनकर्ता  
श्री जनार्धन यशवंत रानडे

(3) श्री श्रीधर जनार्धन रानडे

(4) श्री श्रीकांत श्रीधर रानडे (अज्ञान)

(5) श्री हेमंत श्रीधर रानडे (अज्ञान)

पालनकर्ता श्री एस० जे० रानडे सेबी सभी रहनेवाले:—  
776 टिकंक रोड दादा मुंबई-नं० X (अन्तरिती)

2. (1) श्री मुरलीधर विठोबा भोरान 32 (नया)  
शुक्रवार पेठ पुना

(2) श्री गणपत विठोबा भोरान 749 शुक्रवार पेठ पुना

(3) श्री मधुकर विठोबा भोरान 749 शुक्रवार पेठ पुना

(4) श्री वसंत विठोबा भोरान 32 (नया) शुक्रवार पेठ  
पुना (अन्तरिती)

3. (1) श्री वसंत विठोबा भोरान, (2) श्री एम० आर०  
केलकर (3) श्री व्ही० आर० रानडे, (4) श्री व्ही० के०  
पानसे, (5) श्री सुरेशचंद दिपचंद शाह, (6) श्रीमती  
ताराबाई पंडती, (7) श्री एस० बी० गोखले, (8) श्री  
एम० व्ही० अपटे, (9) श्री जे० एम० गोखले, (10) श्री  
ए० एस० बेडेकर, (11) श्रीमती योदुताम्नी वैद्य (12)  
श्री ए० एच० गोखले, (13) श्री जी० बी० गोरे, (14)  
श्री व्ही० एस० रहालकर (15) श्री व्ही० एन० सरनाईक,  
(16) श्रीमती कमलाबाई जोशी, (17) श्रीमती कमलाबाई  
जोशी, (18) श्री एस० व्ही० महाजन, (19) श्री एन०  
जी० रीसबुड (20) श्री वाई० व्ही० साने

सभी रहने वाले 32 (नया) शुक्रवार पेठ पुना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्री होल्ड मकान जिसका सिटी सर्वे क्रमांक 32 (नया)  
शुक्रवार पेठ पुना है मकान 75 बरस पहले बनाया है अगला  
भाग 2 हमलेका मध्यका भाग 3 हमलेका क्षेत्रफल 579.4  
वर्ग मिटर है।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 2391 नवम्बर  
1975 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II पुना के दफ्तर में लिखा  
है।)

व्ही० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 28-6-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० /2057/4110/75-76—

अतः मुझे एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 52 सं० न० 70 (अंश) है जो, जूहू में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-11-1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मानेकलाल रामचंद्र गांधी
- (2) श्रीमती सवीताबेन एम० गांधी (अन्तरक)

2. श्री महेंद्र कुमार प्रेमचंद शाह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जूहू में स्थित एवं अवस्थित कृषी योग्य जमीन अथवा मैदान का भाग अथवा खंड जिसका प्लॉट सं० 52 है और जो पेमाइश में 800 वर्गगज अर्थात् 668.88 वर्ग मीटर के बराबर है, यह जमीन जय हिंद कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड से संबंधित है, और जमीन का यह भाग जूहू का सर्वेक्षण सं० 70 का भाग है और अब बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला में है और जूहू विलेपाले डेव्हलपमेंट स्कीम के प्लॉट 7/1, 7/2, 7/4 में शामिल किया हुआ है और जो पेमाइश में कुल 477776 वर्गगज या उसके समकक्ष है, तथा राजस्व विभाग के राइट्स के रेकार्ड में सर्वेक्षण सं० 70 (जूहू का भाग) है, और जिसका नगर सर्वेक्षण संख्या 626 है, और यह प्लॉट सं० 52 इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर ऊपर कही गयी सोसायटी का प्लॉट सं० 53 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर ऊपर कही गई सोसायटी का प्लॉट सं० 43 है, पूर्व में अथवा पूर्व का और 100 फुट चौड़ा सड़क है (अर्थात् सड़क सं० 10 उत्तर-दक्षिण) और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर ऊपर कही गयी सोसायटी का प्लॉट सं० 44 है।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3

श्रीमती के० जी० एम० सी० आयुर्वेदिक हास्पिटल बिल्डिंग  
पांच माला, कमरा नं० 504, नेताजी सुभाष मार्ग,  
बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० सं० 3/905/नो० 75—अतः मुझे,  
श्री आर० जी० नेहरूकर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन  
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर,  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे० सं० 184/3 है, जो बोरीवली  
वेस्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय में  
सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-11-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) शांतीलाल गुलाबदास मर्चेन्ट (2) सुमतीबेन  
शांतीलाल मर्चेन्ट (3) यक्ष शांती लाल मर्चेन्ट, (4) मयूरी  
शांतीलाल मर्चेन्ट, सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, बोरीवली  
(पश्चिम), बम्बई। (अन्तरक)

2. (1) स्वराई इश्वरचंद गुप्ता (2) प्रकाश हरीविजय  
चोगले, (3) हरीविजय वामन चोगले (4) प्रेमचन्द कालु राम  
जैन (5) उदयवीर प्रेमचंद जैन (6) दालचंद भोलाराम जैन (7)  
तलाक्षी मेधजी शाह (8) श्रीमती पद्ममलता मोतीलाल गार्ग (9)  
श्रीमती मणीबेन राधवजी शाह (10) रवीकांत सुराजभाई गार्ग।  
मार्फत हरीविजय वामन चोगले, 6, नर्मदा निवास लोकमान्य  
तिलक रोड, बोरीवली, बम्बई-92। (अन्तरिती)

3. (अन्तरक) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जिला बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रार उपजिला बांद्रा में  
2150 वर्गगज अर्थात् 1797.61 वर्गमीटर की पैमाइश का  
वह सभी भूखंड अथवा भूभाग जिसका एक्सर गांव का सर्वेक्षण  
सं० 18413 है, उस पर बनी संरचना समेत सरदार वल्लभ  
भाई पटेल रोड बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है  
तथा बृहत्तर बम्बई महानगर निगम द्वारा "आर" वर्ड सं०  
5201(1) 367 तथा 5201(2) 368 के पट्टी निर्धारण  
किया गया और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं कि  
उत्तर में या उत्तर की ओर परती पड़ी जमीन का प्लॉट है  
जिसका सी० टी० एस० सं० 1482 है, दक्षिण में या दक्षिण की  
ओर चंपकलाल देवदास की जायदाद है जिसका सी० टी० एस०  
सं० 2470 है, पूर्व की ओर चंपकलाल देवदास की परती पड़ी जमीन  
के एक प्लॉट है, जिसका सी० टी० एस० सं० 1426 है, तथा  
पश्चिम में या पश्चिम की ओर सरदार वल्लभभाई पटेल रोड है।

आर० जी० नेहरूकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 22 जून, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

श्रीमती के० जी० एम० सी० आयुर्वेदिक हॉस्पिटल बिल्डिंग  
पांच माला, कमरा नं० 504, नेताजी सुभाष मार्ग,  
बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश सं० अ०ई० सं० 3/910/नो०/75—यतः मुझे श्री  
आर० जी० नेहरूकर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सवक्षण सं० 6 (अंश) है, जो भावजी, गोरेगांव  
में स्थित है (और इससे उपानुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब  
रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स जायरामजी जीजीभाई प्रा० लि० बलाई हाऊस,  
मंगलोर स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई-1।  
(अन्तरक)

2. मेसर्स युनिटी इस्टेट 591, राविंद्र, जमशेड मार्ग,  
बम्बई।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जिला बम्बई उपनगर अब बृहत्तर बम्बई के रजिस्ट्रेशन  
उपजिला बांद्रा में तालुका बोरीवली के मौजे गोरेगांव में स्थित  
एवं अवस्थित वह सभी भू-भाग अथवा भूखंड जिसका सर्वेक्षण  
सं० 6 (भाग) है जो पैमाइश में 12 एकड़ अर्थात् 58080  
वर्गगज अर्थात् 48560.68 वर्गमीटर के लगभग है और  
उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व में पूर्व की  
और अंशतः सर्वेक्षण सं० 6 (अंश) की भूमि है, अंशतः  
100 फीट चौड़े रास्ते है और अंशतः गांव गोरेगांव की सीमा  
है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्रस्तावित 100 फीट  
चौड़े डी० पी० रोड के एक भाग से, उत्तर में या उत्तर की  
ओर अंशतः सर्वेक्षण सं० 161 (अंश) की भूमि है अंशतः  
गांव ओशीवरा की सीमा है और अंशतः प्रस्तावित 100 फीट  
चौड़े डी० पी० रोड के एक हिस्से है, और अंशतः गांव  
गोरेगांव की सीमा है तथा दक्षिण में या दक्षिण की ओर  
अंशतः प्रस्तावित 100 फीट चौड़े डी० पी० रोड है तथा  
इसके साथ अनुबद्ध प्लान पर उसे लाल रंगकी सीमा रेखा  
द्वारा दिखाया गया है।

आर० जी० नेहरूकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 22-6-1976  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-987(387)/1-1/75-76—

यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 583, सब प्लॉट नं० 13/1, टी० पी० एस० 3, है जो एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8-166 GI/76

- 1: (1) श्री नवनीतलाल साकर चंद शोधन ,
- (2) श्री नंदकिशोर साकरचंद शोधन,
- (3) श्री सौरभ नवनीतलाल शोधन,
- (4) श्री हर्ष नवनीतलाल शोधन,
- (5) श्री कश्यप आनंदी—भाई ठाकुर,
- (6) श्री हर्षवदन हर्षी सिंह शाह, एलिस ब्रिज अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. क्रियेटिव इन्वैस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 1132 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 583, सब प्लॉट नं० 13/1, टी० पी० एस० नं० 3, है तथा जो गांधी ग्राम रेलवे स्टेशन के पीछे, नगरी आई अस्पताल के पास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-5-76

मोहर:

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जून 1976

निदेश सं० एफ० अर्जन /963-ए/देहरादून/75-76/628--

अतः मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रिगेडियर रिजिनाल्ड ओवन खरबन्दा पुत्र श्री सन्त राम खरबन्दा निवासी 6, सिविल लाइन्स मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरुशरण कौर पत्नी श्री जसविन्दर सिंह सिद्धू नि० 144 सी माडल टाउन पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेग बहादुर रोड़ देहरादून पर स्थित एक अचल सम्पत्ति नं० 13/22 ब्लाक II जिसकी माप 4307 है जिसका हस्तान्तरण 54,000/- में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जून, 1976

निर्देश नं० एक० न० अर्जन/965 ए/देहरादून/75-76/629—  
अतः मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है जो तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 12-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ब्रिगेडियर रिजिनाल्ड ओवन खरबन्दा निवासी 6 सिबिल  
लाइन्स मेरठ । (अन्तरक)

2. श्री गुरिन्दर सिंह सिद्धू पुत्र श्री जय सिंह निवासी ग्राम  
क्विला हकीमन जिला संगरूर, पंजाब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

### अनुसूची

एक अचल संपत्ति नं० 13/22 ब्लॉक II जिसकी माप 8803  
वर्ग गज है जो तेग बहादुर रोड देहरादून पर स्थित है इसका  
हस्तान्तरण 17,000 रुपये में किया गया है ।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जून 1976

निदेश नं० एफ० नं० 964ए-देहरादून/75-76/630—अतः

मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री त्रिगेडियर रिजिनाल्ड ओवन खरबन्दा पुत्र श्री सन्त राम खरबन्दा नि० 6, सिविल लाइन्स मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी जय प्रकाश सिंह निवासी 20-ए० तेग बहादुर रोड देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेग बहादुर रोड पर स्थित अचल सम्पत्ति (भाग) नं० 13/22 ब्लॉक II जिसकी माप 5286 वर्ग फीट है जिसका हस्ता-न्तरण 44,000/- रुपये में हुआ है।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-6-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जून, 1976

निर्देश सं० 1122/अर्जन/मसूरी/75-76/631—अतः मुझे,  
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसूरी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
10-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा के (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मनमोहनलाल नि० 102 वासर रोड, नई दिल्ली ।  
(2) श्रीमती राज श्ररोरा पत्नी राजेवसु नि० 1815  
कटरा वंशीधर दिल्ली । (3) श्रीमती कुसुम वर्मन पत्नी श्री वीरेन्द्र  
कुमार नि० ए० 229, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला रानी पत्नी श्री ओम प्रकाश (2) रवि-  
कुमार (3) विजयकुमार (4) सुरेन्द्रपाल (5) विनोद कुमार  
पुत्रगण श्री ओमप्रकाश सभी नि० लोंग साइट विव क्वार्टरस, एण्ड  
पोस्ट हिल लॉक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक मकान साथ में बाहरी मकान और हिललाक  
का भाग जो "लॉग साइट माउन्ट व्यू स्टेट" नाम से प्रसिद्ध है इसका  
क्षेत्रफल 3457 वर्गफीट है जो मसूरी में स्थित है इसका हस्तान्तरण  
रु० 45,000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 25-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25-6-1976

निर्देश सं० 1026/अर्जन/मथुरा/75-76/632--प्रतः मुझे,  
विजय भार्गव,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
29-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फादर कोलम्बन ओ०एफ०एफ० कैप पुत्र श्री आर्थर  
गोम्ज प्रिंसिपल सैन्टपीटर्स कालेज, आगरा मुख्तार आम कैथोलिक  
डाइसेस आफ आगरा प्रा० लिमि० ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता पुत्री श्री रामचरन सिंह और पत्नी श्री  
प्रेम सिंह नि० 9 ए० कृष्ण नगर, मथुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 12 जिसकी माप 96×150 जो  
श्रीकी बाग बहादुर सिंह स्टेट बैंक आफ इंडिया के सामने मथुरा में  
स्थित है इसका हस्तान्तरण 40,000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 25-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23-6-1976

निदेश सं० 804/ए०/कानपुर/75-76/633—अतः मुझे  
विजय भागंव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
26-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लखनलाल पुत्र सिद्ध गोपाल कर्ल (संयुक्त सचिव)  
अशोक कुमार श्री विजय कुमार नाबालिगान पुत्रगण श्री लखनलाल  
नि० 65/1, मोती मोहाल कानपुर वर्तमान नि० ग्राम जसरा तह०  
घाटमपुर जि० कानपुर। राजकुमार व शिव कुमार पुत्रगण लखनलाल  
नि० किदई नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री रामप्यारे गुप्ता पुत्र श्री बदलू प्रसाद नि० 54/11  
ए०, नयागंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

नयागंज, कानपुर में स्थित अचल सम्पत्ति नं० 54/11 ए०  
जिसकी माप 139, वर्ग गज है, इसका हस्तान्तरण 38,503 रु०  
में किया गया है।

विजय भागंव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेंज, कानपुर

दिनांक : 23-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर,

कानपुर, दिनांक 23-6-1976

निर्देश सं० 834/अर्जन/कानपुर/75-76/634—अतः मुझे  
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
24-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मथुरा प्रसाद पुत्र श्री श्याम लाल गुप्ता निवासी ग्राम  
शिबली पर० ब तह० अकबरपुर जिला कानपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम सखी पत्नी श्री सिद्ध गोपाल त्रिपाठी  
नि० 119/501 दरशन पुरवा कानपुर वर्तमान नि० 123/515  
फजल गंज, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फजल गंज में स्थित अचल सम्पत्ति नं० 123/515  
जिसकी माप 332.22 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण  
45,000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23-6-1976

निदेश सं० एफ० नं० 977/अर्जन/मथुरा/75-76/635—

अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार मथुरा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—166जी०आई०/76

1. श्रीमती कलावती पत्नी स्व० श्री केदार नाथ निवासी मथुरा।

(अन्तरक)

2. श्री रमा कान्त गुप्ता पुत्र श्री केशव देव गुप्ता निवासी मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका नं० 4/886, मण्टी राम दास, गली कानून गोयान मथुरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण 42,000/- रु० में हुआ है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 23-6-1976

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० एक० नं० 967-ए/अर्जन/देहरादून/75-76/636—

अतः मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री लेफ्टि० क० रन्धीर सिंह पुत्र श्री उधम सिंह

(2) श्रीमती रतन दीप पत्नी रन्धीर सिंह  
निवासी 11, डिफेंस कालोनी, जालन्धर शहर।  
(अन्तरक)

2. श्री ठाकुर सिंह अवधाल पुत्र श्री जय सिंह

निवासी बालासौर, कोठवारा, जिला गढ़वाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति नं० 14 जिसकी माप 2 बीघा और 9 बीघा है, जो प्रीतम रोड, देहरादून में स्थित है इसका हस्तांतरण रु० 43,000/- में किया गया है।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 23-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 1001/अर्जन/मेरठ/75-76/637—अतः मुझे,  
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 26-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती सन्तोष मनोहर पत्नी श्री राजीव मनोहर  
(2) राजीव मनोहर पुत्र श्री श्याम मनोहर  
निवासी 207, वैस्ट एण्ड रोड, मेरठ। (अन्तरक)

1. (1) श्री राजेन्द्र कुमार  
(2) श्री राजकुमार (बालिगान)  
(3) श्री विपिन कुमार  
(4) श्री सतीश कुमार (नाबालिगान) पुत्रगण  
श्री महेन्द्र प्रकाश  
(5) श्री महेन्द्र प्रकाश  
सभी निवासी थापर नगर, मेरठ शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वैस्ट एण्ड रोड, मेरठ, में स्थित अचल सम्पत्ति नं० 207,  
जिसकी माप 1954 <sup>7</sup>/<sub>9</sub> वर्गगज है, इसका हस्तांतरण रु०  
1,07,512.78 में किया गया है।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 23-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री लेफ्टिनेन्ट कर्नल लोकनाथ कपूर व अन्य (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास (अन्तरिती)

3. विक्रेता, टन्डन टेलर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1976

निदेश सं० 23-एल०/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 296 व 297 है, तथा जो दुर्गापुरी मबइया, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किताबो मंजिला मकान व प्लाट नं० 296 व 297 जिसका पहली मंजिल का क्षेत्रफल 1800 वर्ग फुट और दूसरी मंजिल का क्षेत्रफल 650 वर्ग फुट है जोकि दुर्गापुरी, मबइया, शहर लखनऊ में स्थित है।

फ० रहमान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 3-6-76

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जून 1976

निर्देश सं० 64-ए/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आराजी भूमिधारी नं० 550, 551, 553, 554, 582, 589, तथा 590 है, तथा जो ग्राम महेरिया, महमूदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवौली, सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामशंकर एवं अन्य विक्रेता (अन्तरक)
2. श्री आनन्द कुमार एवं अन्य क्रेता (अन्तरिती)
3. श्री रामशंकर, श्री राधेश्याम, श्री राजाराम (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, जिसका कि नम्बर, 550, 551, 553, 554, 582, 589, 590 जो कि ग्राम महेरिया, महमूदाबाद में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 11-6-76  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रैंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जून, 1976

निर्देश सं० 123-एस/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भवना है तथा जो 28, रानी मंडी, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रवर्तित अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम कुमार कपूर (अन्तरक)
2. श्रीमती श्याम कुमारी अग्रवाल (अन्तरिती)

3. श्री जगदीश चन्द्र अग्रवाल  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो मंजिला भवन जोकि 1935 और 1957 में निर्माण हुआ है और जो नं० 28, रानी मंडी इलाहाबाद में स्थित है। क्षेत्रफल 261 वर्ग फुट ग्राउन्ड फ्लोर और 1261 वर्ग फुट फर्स्ट फ्लोर।

फ० रहमान  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, लखनऊ

तारीख : 11-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जून 1976

निदेश नं० 23-एच०/अर्जन--अतः मुझे एफ० रहमान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट सर्वे नं० 16/2, मकान नं० स्टेन्ले रोड,  
इलाहाबाद है तथा जो पुराना कन्टोन्मेन्ट इलाहाबाद, में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
29-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुन्दर देवी जैन, पत्नी शेखर चन्द्र जैन (अन्तरक)
2. नेशनल स्पीचुअल, असेम्बली आफ द बाहाज, इन आफ  
इंडिया, (अन्तरिती)
3. श्रीमती सुन्दर देवी जैन  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सर्वे नं० 16/2, पुराना कन्टोन्मेन्ट इलाहाबाद, मकान  
नं० 1 जोकि स्टेन्ले रोड, इलाहाबाद में स्थित है।

एफ० रहमान,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 26-6-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जून 1976

निर्देश सं० 30-के/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ग्राम हसनपुर, जिला मुरादाबाद खसरा  
नं० 46 भूमि रतनपुर, खुर्द पोस्ट आफिस हेमपुर दिया, परगना  
चांदपुर तहसील और जिला बिजनौर एक मंजिला अहाता रतनपुर  
खुर्द है तथा जो दियावली खाल ख्या परगना, में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हसनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायण एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्री किशन खंडसारी उद्योग एवं अन्य (अन्तरिती)
3. स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

- (1) भूमि ग्राम दियावली, खालसा, परगना हसनपुर,  
जिला मुरादाबाद खसरा नं० 46 रकबा, 15-डी  
लगानी 0-50 पी भूमि दायम मूल्य 1000/-
- (2) भूमि ग्राम रतनपुर खुर्द पो० आ० हेमपुर दिया परगना  
चांदपुर तहसील एवं जिला बिजनौर, पैट नं० 99  
रकबा नं० 7111/06 लगानी 6-40 भूमि भूड  
दायम मूल्य 15,000/-
- (3) एक मंजिला अहाता, बाकै अपराजी रतनपुर खुर्द।

फ० रहमान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रविन्द्र घोष, 26/1ए, मोहन बागान, रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्री पूरनमल कांकरिया, 65, काप्टन स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 जून, 1976

निदेश सं० ए० सी०-21/अं०रें०-5/कल०/76-77—अतः

मुझे एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक और जिसकी सं० 55 और 148 है, तथा जो जे० एन० मुकर्जी रोड, हावड़ा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10-166GI/76

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

96 बीघा भूमि, के क्षेत्रफल का 9/28वां अविभाजित हिस्सा जो 55 तथा 148 जे० एन० मुकर्जी रोड, धाना, मालिपांचण्डा हावड़ा में स्थित है। दलील सं० 1-6670 ता० 28-11-1975

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

तारीख: 14-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-5, कलकत्ता

54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 जून, 1976

निदेश सं० ए० सी०-23/अ० रे-5/कल०/76-77—अतः

मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा, गोपालपुर, चंडीगढ़ है तथा जो थाना बारासात, 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. क्रेसेन्ट पेपर वर्कसरस, 14, गणेशचन्द्र,  
एवेन्यू, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. ईस्टर्न एमरेसीम, लि०  
पी-241, लेक रोड, कलकत्ता-29 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 3. 4915 एकड़ जिसके साथ एक मकान तथा दूसरी बनावट भी है, जो दाग सं० 25, 29, 35, 36, 34, 27, 28, 30, 32, 36/1313, 64 तथा 65 खतीसान सं० 175, 173, 166, 207, 411/161, 281, 806/52 तथा 53 है तथा जो मौजा गोपालपुर, चंडीगढ़ थाना बारासात, जिला 24 परगना में स्थित है । दलील सं० 6426 ता० 14-11-1975, रजिस्ट्रीकरण दफ्तर कलकत्ता ।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-5, कलकत्ता

तारीख: 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री प्रियाम सुन्दर जयसवाल (शाह)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-IV, कलकत्ता

54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-700016

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 जून, 1976

निर्देश सं० ए० सी० /236/आर०-IV/कल०/76-77—

अतः मुझे, ए० के० बटव्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 276 है, जो रबीन्द्र सरणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री सुरेश गुप्ता, श्रीकान्त, गुप्ता, बिमल कुमार गुप्ता, हरिशंकर गुप्ता, और चन्द्र प्रकाश गुप्ता, (ताबालक)।  
(अन्तरिती)

3. राम सागर सिंह, लछमन सिंह, राम बिलास सिंह।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

276, रबीन्द्र सरणी (लट 2) कलकत्ता-7 पर 2 कट्टा,  
11 छटांक 31 स्कोयार फिट जमीन तथा उस पर मकान।

ए० के० बटव्याल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 5-6-1976  
मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून, 1976

निदेश सं० 338/एक्युरे०-III/76-77/कल०—अतः मुझे  
एल० के० बाल सुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक  
और जिसकी सं० 5/2 सि० है तथा जो आशुटोष चौधुरी एमिन्यु  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
26-11-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. रवि प्रभा, बर्मन

फ्लट सं० 17, टिमलीकेटकोर्ट, 1ए, बालीगंज,  
सार्कुलार रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माया साहा और मिरा साहा

19, दुर्गा चरण मुखार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 7 कट्टा, 7 छटांक 22 स्कोयार फुट खाली  
जमीन जो 5/2 सि०, आशुटोष चौधुरी एमिन्यु, कलकत्ता  
पर अवस्थित है और जो दलील सं० 6606/1975 रजिस्ट्रार  
आफ एक्स्युरेन्सेस कलकत्ता के अनुसार है।

एन० के० बाल सुब्रमनियन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 15 जून, 1976  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16, दिनांक 29 जून, 1976

निदेश सं० 344/अ० रे०-III/76-77/कलकत्ता—अतः  
मुझे, एल० के० बालासुब्रह्मण्यम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं०— है, तथा जो मौजा पी० चौबागा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
26-11-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लक्ष्मीमानी चौधरी, तथा पांची बाला चौधरी  
29, कुसठीया रोड, 24 परगना,  
(अन्तरक)

2. ईस्ट कलकत्ता लेण्ड डेवलपमेंट क० प्रा० लि०  
88, माधेस्वरतला रोड, कलकत्ता-46  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 1 बीघा 11 कट० 9 छ० तथा 35  
बर्ग फीट जो मौजा पी० चौबागा थाना, याववपूर, खती सं०  
142, 139, 140 तथा दाग सं० 107/188, 108 तथा 127  
रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय : अलिपुर, दलील सं० 9217, तारीख  
27-11-1975

एल० के० बालासुब्रह्मण्यम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 29-6-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवई रोड,

कलकत्ता-16, दिनांक 2 जुलाई, 1976

निदेश सं० टी० आर०-224/सि-221/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 75सि० है तथा जो 5, गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (18908 का 16) के अधीन  
तारीख 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स रुबी कन्स्ट्रक्शन को०  
14, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला देवी साईगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीस में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

75 सी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित यूनिट नं० 10  
डी० (टेनथल्फोर) ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 2-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योति बिल्डिंग्स,

गोपाल प्रभु रोड, एलाकुलम, कोच्चिन-II

कोच्चिन-II, दिनांक 19 मार्च, 1976

निदेश सं० एल० सी० 63/75-76—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो आनिहाल रोड, कालीकट में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोपिकोड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स ए० पी० चिरुकण्डन एण्ड संस, कालीकट,  
(बाई पारटेंटर्स : ए० पी० शंकरन, एण्ड ए० पी०  
वसन्तकुमार (अन्तरक)2. (i) श्री हसनकुट्टी,  
(ii) अवरान कुट्टी  
(iii) मुहम्मद शरीफ  
(iv) महबूब  
(v) अकबर (बाई हसन कुट्टी) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

4/5th right over 25 cents of land with buildings known as 'Hotel Ratnagiri' in Anne Hall Road, Calicut.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-3-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिट्टिङ्स, गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम,  
कोचीन-II

कोचीन, II दिनांक 14 मई, 1976

निदेश सं० एक० सी० 65/76-77—यतः मुझे एस० एन०  
चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो वाणकुलम विल्लेज  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरूमबाबूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
19-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० एम० क्षेमसुदीन, एन० मुस्तफा के पुत्र, तट्टपरमबिल  
पी० ओ० एटलला । (अन्तरक)

(2) मैसर्स बीस रिफाकुरीस प्राइवेट लिमिटेड (डायरेक्टर  
श्री अब्दुल रहीम के द्वारा) (अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वाणकुलम विल्लेज में नं० 16/18 ए और बी में स्थित ।  
1 एकर 80 सेंट्स भूमि और मकान ।

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज एरणाकुलम

तारीख: 4-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स, गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम,

कोचीन-11

कोचीन-11, दिनांक 5 मई 1976

निदेश सं० 67/76-77--यतः मुझे एस० एन० चन्द्रयूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो पुल्लूर पन्चामन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओल्लूकरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

11-166 GI/76

1. श्री सुकुमारन, रामन के पुत्र मूलेटल हाँस, कूरकनचेरी, ट्रिचू । (अन्तरक)

2. (i) इट्टियन्न, पनमकुट्टियरा, ओल्लूर ट्रिचूर डिस्ट्रिक्ट  
(ii) जोस, पनमकुट्टियरा, ओल्लूर ट्रिचूर डिस्ट्रिक्ट (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

ट्रिचूर जिला में पुल्लूर पन्थात में सर्वे नं० जी 70 में 1 एकर 30 सेंट्स भूमि और मकान ।

एस० एन० चन्द्रयूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 5-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री श्रीनिवासन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन-II

कोचीन-II, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं० एल० सी० 68/76-77—यतः मुझे एस० एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शन्तनपारा विल्लेज इडिक्की जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहम्बनयोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जोसफ मैककल (मैसर्स जोसेफ मैककल एंड ब्रदर्स, पाले के लिए) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

125.44 Acres of Cardamom estate in Santhanpara Village in Idikki District.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 30-6-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वास्करन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-11

कोचीन-11, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं० एल० सी० 69/76-77—यतः मुझे एस० एन०

चन्दचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शान्तनपारा विल्लेज, इडिक्की जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊट्टम्बनयोला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्री जोसेफ मैक्कल (मैसर्स जोसेफ मैक्कल एंड ब्रादर्स,  
पालेकैलिए ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

126.22 Acres of Cardomom estate in Santhanpara Village in Idikki District.

एस० एन० चन्दचूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-11

तारीख: 30-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी एन० एस०

1. श्री सुब्बैया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जोसेफ मैकल (मैसर्स जोसेफ मैकल ब्रदर्स,  
पाले के लिए) (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम कोचीन-II

कोचीन-II, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं० एल० सी० 70/76-77—यतः मुझे एस० एन०

चन्दचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शान्तनपारा  
विल्लेज, इडिक्की जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16), के अधीन तारीख 25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्य बाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

127.47 Acres of Cardomom estate in Santhanpara Village  
in Idikki District.

एस० एन० चन्दचूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-II

तारीख: 30-6-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-एरणाकुलम

कोच्चिन-II, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं० एल० सी० 71/76-77—यतः मुझे एस० एन०

चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शान्तनपारा विल्लेज, इडिक्की जिला में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उटुम्बनयोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्रीमती एस० जानकि अम्माल (अन्तरक)

2. श्री जोसेफ मैक्कल (मैसर्स मैक्कल एंड ब्रदर्स, पौले के लिए) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

24.53 Acres of Cardomom estate in Santhanpara Village in Idikki District.

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 30-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती बालसरस्वति अम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरनाकुलम, कोच्चिन-11

कोच्चिन-11, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं० एल० सी० 72/76-77—यतः मुझे, एस० एन०

चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शान्तनपारा  
विल्लेज, इडिक्की जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता [अधिकारी  
के कार्यालय ऊट्टम्बनचोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

2. श्री जोसेफ मैक्कल (मैसर्स जोसेफमैक्कल एंड अक्स  
पार्ल के लिए) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

20.10 Acres of Cardamom estate in Santhanpara Village  
in Idikki District.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरनाकुलम  
कोच्चिन-11

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 30-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती एस० सुब्बलक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कोच्चिन-II

कोच्चिन-II, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं एल० सी० 73/76-77—यतः मुझे एस० एन०

चन्द्रयूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शान्तनपारा विल्लेज, इडिकी पिक्कली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊट्टम्बनचोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री जोसेफ मैक्कल (मैसर्स जोसेफ मैक्कल एण्ड ब्रदर्स पाले के लिए) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25.35 Acres of Cardomom estate in Santhanpara Village in Idikki District.

एस० एन० चन्द्रयूटन नायर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-कोचीन II

तारीख: 30-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 29 मई 1976

निर्देश सं० 24/76-77/आई० ए० सी० (ए०/आर०/बी०बी०

एस० आर०—यतः, मुझे जि० बि० चान्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिस की सं० है, जो मौना-रिमेड, संवलपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, संवलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-11  
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |     |                              |   |
|-----|------------------------------|---|
| (1) | 1. श्री नरअनदास टिब्रेवाल    | } पारटनर, श्री लक्ष्मी<br>चावल एण्ड तेल मिल |
|     | 2. श्री परहलत्पारी टिब्रेवाल |   |
|     | 3. श्री ताराचान्द टिब्रेवाल  |   |
|     | 4. श्री भेड़िलाल पोदर        |   |
|     | 5. श्री भंपालाल पोदर         |   |
|     | 6. श्री राधेश्याम पोदर       |   |
- (अन्तरक)

- |     |                         |                                      |
|-----|-------------------------|--------------------------------------|
| (2) | 1. श्री मती गुरझरन कर   | } पारटनर, कबाजी<br>चावल एण्ड तेल मिल |
|     | 2. श्री हर मोहनपाल सिंह |                                      |
|     | 3. श्री सुरेन्द्र सिंह  |                                      |
|     | 4. श्री अमरपाल सिंह     |                                      |
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

जमीन और मकान संवलपुर जिला या रिमेड मौजा में  
स्थित है । वह जमीन और मकान 27-11-75 टारिस में जिला  
सबरजिस्ट्रार आफिस संवलपुर में रजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डाकुमेंट  
नं० 2926 है ।

हमिद सेटलमेंट होलड़ी नं० 2/4 9प्लाट जमीन ए० 3.30 डी०

हमिद सेटलमेंट खाता नं० 49 2 प्लाट जमीन ए० 0.35 डी०

हमिद सेटलमेंट खुटि नं० 49/1 2 प्लाट जमीन ए० 0.15 डी०

हमिद सेटलमेंट साध नं० 96 7 प्लाट जमीन ए० 0.65 डी०

20 प्लाट ए० 4.45 डी०

जि० बि० चान्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भुवनेश्वर

दिनांक : 29 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

(1) श्री नारायण दास पुत्र श्री कन्हैया लाल कोवरा 198  
जवाहर मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० आई० ई० सी० इववी० भोपाल 76-77-634

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-166 GI/76

(2) श्रीमती सावित्री देवी देवेन्द्र कुमार खण्डेलवाल शास्त्री कालोनी, चोपाटी  
2. श्रीमती कृष्णा पत्नी गोविन्द खण्डेलवाल  
3. श्री गोविन्द पुत्र श्री तुलसी राम खण्डेलवाल निवासी 415, महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 198 जवाहर मार्ग राज मोहल्ला, इन्दौर

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक 7 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० सी० एन०एस०

(1) श्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एवबी/भोपाल 76-77/535—

अतः, मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16), अधीन 7 नवम्बर 75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री सेठ बजनदास पुत्र सेठ चमोराम जी निवासी  
म० न० 29 बारवी गली, इन्दौर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 29 बक्षी गली, इन्दौर

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 5-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मई 1976

निदेश सं० आई० ऐं० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/646--

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 29-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विनायक राव बेलापुरकर पुत्र श्री मोरेश्वर प्रसाद  
बेलापुरकर निवासी खारा कुआं रामपुर हासमुनीम,  
जबलपुर (अन्तरक)

(2) श्री हनुमान प्रसाद दुबे पुत्र पंडित सदासुख प्रसाद  
दुबे निवासी 423 गलगाला जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि क्रमांक 70, 115 और 116 सं० क्र० 754 जो कि  
अग्रवाल कालोनी में स्थित है। मोजा हिनोतिया क्षेत्रफल 12.150  
वर्गफुट, जबलपुर।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 21 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/76-77/645—  
अतः, मुझे वि० के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिस की भूमि है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1 मार्च 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

(1) श्री धीरूमल पुत्र मेठाराम निवासी चिटिनिस की गोठ,  
लखर । (अन्तरक)

(2) श्री 108 आत्म दास महाराज गुरु का नाम 1008  
बाबा रामदास जी, निवासी चिटिनिस की गोठ, लखर,  
ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 527, वार्ड नं० 39, चिटिनिस की गोठ, लखर,  
ग्वालियर में स्थित है ।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 21 मई 1976

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/659/—  
अतः मुझे, सी० खुशाल दास,  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० प्लॉट है, जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-11-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर रघुवीरदास गुरु महन्त जगन्नाथ दास,  
निवासी शीर सागर कालोनी, उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) महामालव आदित्य ब्रह्मन सभा, 278 मालीपुरा,  
उज्जैन द्वारा भेरू लाल पुत्र मांगीलाल पटेल अध्यक्ष  
निवासी ग्राम भांगीलिया, जिला इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक खुला प्लॉट जोकि शीरसागर कालोनी, उज्जैन में स्थित  
है ।

सी० खुशाल दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 17-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/76-77/660—

अतः मुझे, श्री खुशाल दास,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री गुरुमुख दास पुत्र श्री खेम चन्द (2) श्रीमती  
इन्जनोदेवी पत्नी श्री गुरुमुखदास, निवासी पालसीकर  
कालोनी, इन्दौर । (अन्तरक)

(1) श्री हिम्मत सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह जुनेजा म० नं०  
10/2 पालसीकर कालोनी, इन्दौर । अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मकान नं० 10/2 का एक भाग जो कि प्लॉट नं० 10 के कुछ  
भाग पर बना है, पालसीकर कालोनी में स्थित है ।

सी० खुशाल दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री सेठ भंवर लाल जी सेठी  
मानिक भवन, तुकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/661—

अतः मुझे, सी० खुशाल दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) 1. श्री खेम चन्द्र 2. श्री राम 3. मूलचंदानी सभी पुत्र श्री परस राम मूलचन्दानी, निवासी 22 किर्बे कम्पाउंड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 47, जावरा कम्पाउंड, इन्दौर

सी० खुशाल दास  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 17 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निर्देश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/664—

अतः, मुझे सी० खुशाल दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शंकर सिंह पुत्र श्री मान सिंह एंरम, 12, रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सम्पत बाई पत्नि कन्हैयालाल  
(2) श्रीमती कोमल बाई पत्नि हिम्मतलाल पारख,  
निवासी 9/2 महारानी रोड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर।

सी० खुशाल दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/665—

अतः, मुझे, सी० खुशाल दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
13-166GI/76

1. श्री अमोद कुमार कासलीवाल पुत्र श्री जम्बू कुमार सिंह जी कासलीवाल इन्द्रा भवन, महात्मा गांधी रोड, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री रतन चन्दजी पुत्र ठाकुर चन्दजी कोठारी  
(2) श्री सोबाग चन्दजी पुत्र रतन चन्दजी कोठारी निवासी 205 एम० जी० रोड, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट क्षेत्रफल 5040 वर्गफीट जो कि कंचन बाग, कालोनी इन्दौर में स्थित है।

सी० खुशाल दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/668—  
अतः, मुझे, सी० खुशालदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. संयुक्त कुटुम्ब गंगाराम नत्थानी कर्त्ता सेठ गंगा दास नत्थानी पुत्र सेठ गोविन्द लाल नत्थानी साकिन सदर बाजार, रायपुर ।  
(अन्तरक)

2. सेठ बुला की दास नत्थानी पुत्र बरीदास नत्थानी सदर बाजार, रायपुर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नजूल ब्लॉक नं० 18, प्लॉट नं० 2/6, 14/5 तथा 15/4 (का भाग) क्षेत्रफल 8100 वर्गफुट, सिबिल लाइन, रायपुर ।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/669—

अतः, मुझे, सी० खुशालदास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो  
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 3-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, तय पाया  
गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्रीमती राधाबाई ऐरन पति मान सिंह ऐरन  
12, रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमती सूरज देवी पति बाबूलालजी सोमानी  
12/3, रोशन सिंह भंडारी, मार्ग इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त और शब्दों पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, क्षेत्रफल 3900 बर्गफीट, डा० रोशन  
सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/  
662--अतः, मुझे, सी० खुशालदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
19-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तेजा सिंह बापना पुत्र श्री प्रताप सिंह बापना,  
द्वारा ए० आर० श्री राजेन्द्र सिंह बापना पुत्र श्री पी० एस० बापना  
निवासी रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर। (अन्तरक)

2. (1) श्री डा० एस० आर० दास पुत्र श्री ईश्वर दास  
(2) श्रीमती रीटा दास निवासी, 26/1 नार्थ  
तुकागंज, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2, रेस कार्स रोड, इन्दौर।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/  
663—अतः, मुझे, सी० खुशालदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया  
गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मन्मूलाल चौकसे पुत्र श्री तेज राम जी चौकसे  
निवासी परदेसी पुरा रोड नं० 4 म० नं० 8 इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती बादाव बाई पत्नि श्री सम्राटमल जी जैन  
निवासी बजाज खाना म० नं० 9 इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/4, परदेसी पुरा, इन्दौर।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निर्देश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/  
666—अतः, मुझे, सी० खुशालदास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. फर्म रायगड़ बगला ट्रेडिंग कम्पनी, रायपुर पार्टनर  
(1) जेसुलाल व० नवल शंकर,  
(2) जेनाबाई जोजे बली मोहम्मद,  
(3) वसंत गौरी जोजे नवल शंकर,  
(4) मधुलता बाई बल्द मोहनलाल,  
(5) मुक्ताबेन जोजे विनोदराय,  
(6) सेफुउद्दीन बल्द सहरुद्दीन,  
(7) गुलाम हुसेन बल्द बली मोहम्मद फरिस्ता,  
(8) प्रभुलाल बल्द चमनलाल सा० सिविल लाइन,  
रायपुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री सेठ लक्ष्मण दास पुत्र वाधूराम माखेजा  
(2) श्रीमती विमला बाई बल्द लक्ष्मण दास  
माखेजा सिविल लाइन, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

नजूल ब्लाक नं० 11, प्लॉट नं० 10/22-ए रकबा  
7200 वर्गफीट बाकें सिविल लाइन, रायपुर।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-6-1976  
मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/667—

अतः मुझे, सी० खुशालदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सेठ हीरा लाल डागा पुत्र सेठ जौरा मल डागा  
और सवाल जन, सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार डागा पुत्र सेठ नौरामल डागा,  
निवासी सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नजूल ब्लॉक नं० 98, प्लॉट नं० 6/1 तथा 7/1 (भाग)  
सिविल लाइन, रायपुर।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-6-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल, 76-77/670—

अतः, मुझे, सी० खुशालदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण दुरू से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रायपुर

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सेठ हीरा लाल डागा पुत्र जोरा बल मल डागा, सदर-बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दन मल डागा पुत्र जोरावल मल डागा, सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

नजूल ब्लाक नं० 14, प्लॉट नं० 6/1, और 7/1 सिविल लाइन, रायपुर।

सी० खुशालदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17 जून 1976।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री वडेपली-वेनकटाधलेम पिता श्रगया उकुस-वरंगल  
(अन्तरक)श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 जून 1976

निर्देश सं० श्रा० ए० सी० 103/76-77—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामनश्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5/962/1 है, जो नल्लीमनगर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, वरंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है, मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14-166G1/76

(2) श्रीमति लिनगाला प्रमीला देवी-पति लेट रत्ना रेड्डी  
केर आफ पी० दामोदर रेड्डी घर नं० 4-10-51 कुमार गली  
हनेमकोनडा वरंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है-।

अनुसूची

सम्पत्ति—घर नं० पुराना 5/962/1 और नया नं० 5-11-6  
नल्लीमनगर के पास वरंगल ।के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 104/76-77:—यतः, मुझे, के० एस०

बेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-1-254 से 261 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चन्द्रा सेखर पुत्र स्वर्गीय राजा वेंकट राव लिम्बेकर, घर नं० 519, हिमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नाडिमाने होटेल्स (प्रायवेट) लिमिटेड, घर नं० 4-1-999, आबीद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नगर पालिका नं० 88 (पुराना) 3-1-254 से 261 (नया) जो सरोजिनी देवी रोड सिकन्दराबाद में स्थित है ।

के० एस० बेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 105/76-77:—यगः, मुसे, के० एस०  
बेंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-384 है, जो आबीद रोड़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अनंतम्भा पत्नी रामलक्ष्मा रेड्डी, आगापूरा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्ती एस० महिन्दरकर पुत्र स्वर्गीय एस० एल० महिन्दरकर घर नं० 5-4-463, नाम्पल्ली स्टेशन रोड़, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलमी नं० 4-1-384 आबीद रोड़, हैदराबाद ।

कि० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 106/76-77:—यतः, भस्मे, के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19 है, जो एस० पी० रोड़,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती हृषमतुप्पिसा बेगम्, पैगा हाउस एस० पी०  
रोड़, सिकन्दराबाद । (2) जैनारायन मिश्रा, 26-ए०, सरदार  
पटेल रोड़, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री किशोर श्रीनिवास राव कारवानकर (2) श्रीमती  
पद्मिनी के० कारवानकर, दोनों 5-4-435, नाम-  
पल्ली स्टेशन रोड़, हैदराबाद के निवासी हैं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 19, जिसका क्षेत्रफल 497.72 वर्ग गज है जो  
नं० 2-11-30 जैसे 156 से 159 तक जो सरदार पटेल रोड़,  
सिकन्दराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-7-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 107/76-77:—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के  
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 37 है, जो एस० पी० रोड, में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती हृषमनुमिता बेगम और श्री जयनारायन मिश्रा  
दोनों घर नं० 156 और 159 के निवासी हैं; जो  
सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० ललीता घर नं० 9-3-624, रेजिमेंटल  
बाजार, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

खुली प्लॉट नं० 37 जो घर नं० 156 से 159 का एक भाग  
जो सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3 जुलाई, 76।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्री सरदार अमलोक सिंग पुत्र स्वर्गीय सरदार लाधा सिंग मखीजा घर नं० 3-6-63 बशीरबाग, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1976

- (2) मेसर्स इंडिया पेन हाउस जो श्री घनश्यामदास मेहानी पुत्र गगन दास मेहानी के द्वारा जो दाऊड, पूना जिला (महाराष्ट्र) के निवासी है ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सं० आर० ए० सी० 108/76-77:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बुकान नं० 13 और 14 है, जो चिराग अली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-11-1975

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 13 और 14 जो गोपिंग सेंटर के नाम से चिराग अली लेन, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सन्नमणिय ग्रउण्ड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मलुसामि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, सेलम,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1976

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 65/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 299, 300 और 301 है, जो वडकरैयातूर,  
सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परमति पत्र  
सं० 1476/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1975 ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

सेलम जिला, मेलमुगम गाँव, वडकरैयातूर एस० सं० 299,  
300 और 301 में 7 एकड़ खेती की भूमि ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2 जुलाई, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० दन्डपाणी, मद्रास-5 ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) जीवम्माल 58, वरदामुतियप्पन स्ट्रीट, मद्रास ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3 (1) टी० माणक्कम, (2) तिम्मलै फूट स्टोरस, (3)  
अंगूर यूनस अन्ड को ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ ।

निदेश सं० 37/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, जो बन्द स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (और  
इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 833/75)/ में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
नवम्बर, 1975 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922, (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

मद्रास 1, बन्द स्ट्रीट डोर सं० 14 (आर० एस० सं० 11166)  
में 1568 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 5 जुलाई, 1976 ।

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st June 1976

No. 32014/1/76-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 15-5-1976, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 2-6-76 to 31-7-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 15-5-76 the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 2-6-76 to 31-7-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 20-5-76, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 2-6-1976 to 31-7-1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 15-5-1976, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 2-6-1976 to 30-6-1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 15-5-76, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 24-5-1976 to 30-6-1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(6).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 2-6-76 to 17-7-76 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110001, the 26th June 1976

No. O-II-1045/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murthy as Junior Medical Officer in C.R.P.F. on ad-hoc basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 12th June, 1976.

2. Dr. V. Dalip Murthy is posted to 2nd Base Hospital, C.R.P.F., Hyderabad.

No. O II-1085/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service in terms of F.R.56(i), Shri Kajor Ram relinquished charge of the post of Dy. S.P., GC, CRPF, Nagpur on the afternoon of 24th May, 1976.

The 28th June 1976

No. O II-1099/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service in terms of FR56(I), Shri Kanil Deo Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P. 30th Bn. CRPF, on the afternoon of 26th May, 1976.

15—166 G.I/76

No. O.II-1/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri H. R. K. Talwar, an IPS Officer of Haryana Cadre, as I.G.P. in the CRPF Force.

2. Shri Talwar took over charge of the post of I.G.P.S./III CRPF, New Delhi on the forenoon of the 9th June 1976.

The 29th June 1976

No. O.II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Koshy Eapan, as Junior Medical Officer in the CRPF on an ad hoc basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 14th June, 1976.

2. Dr. Koshy Eapan is posted to 2nd Base Hospital CRPF, Hyderabad.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Admn)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 18th June 1976

No. E-17017/6/74-Admn.—Shri S. P. Bag, Fire Officer, Alloy Steel Plant Durgapur will cease to function as Ex-officio Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, at Alloy Steel Plant, Durgapur with effect from the Forenoon of 8th April, 1976.

The 21st June 1976

No. E-38013(1)/2/75-Admn.I.—On transfer from the office of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Northern and Western Zone, Sh. M. M. Thapar relinquished the charge of the post of Assistant Commandant (JAO) Northern & Western Zone, New Delhi with effect from the Forenoon of 3rd October 1975 and assumed the charge of the said post in the Headquarters office of Inspector General, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the same date.

The 23rd June 1976

No. E-38013(3)/12/76-Admn.I.—On transfer to the office of Deputy Inspector General, Northern & Western Zone, Central Industrial Security Force, Shri M. M. Thapar, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant (JAO) at the Headquarters office of Inspector General/Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the Afternoon of 14-6-76.

L. S. BISHT, Inspector General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 24th June 1976

No. P/K(10)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. Subramaniaswamy, Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, as Assistant Registrar General (Vital Statistics) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of 45 days with effect from 17 May 1976 *vice* Shri G. A. Kulkarni, Assistant Assistant Registrar General (Vital Statistics), granted earned leave.

No. P/R(51)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri C. Ramon, Administrator, Lakshadweep as Director of Census Operations, Lakshadweep, in an ex-officio capacity, with effect from the afternoon of 20 May 1976 *vice* Shri M. C. Verma, who has proceeded on leave.

The Headquarters of Shri Ramon are at Kavaratti,

No. 25/27/72-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 10 November 1975, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri B. L. Bhan as Deputy Director of Census Operation in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar, on the existing terms and conditions, for a further period of six months with effect from 1 May 1976 or till Shri Abdul Ganj resumes duty on return from his foreign assignment, whichever period is shorter.

No. 10/6/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Unni, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, as Deputy Director (Programme), on a regular basis and in a temporary capacity with effect from 21 May 1976 (Forenoon) in the same office.

2. The headquarters of Shri Unni continues to be at New Delhi.

No. 10/6/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri M. P. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, as Deputy Director (Programme) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of 52 days with effect from 18 May 1976 *vice* Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme) granted leave.

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 9 January 1976, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri R. Y. Revashetti as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, for a further period of four months with effect from 1 June 1976 upto 30 September 1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarter of Shri Revashetti will continue to be at Bangalore.

The 25th June 1976

No. 11/18/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Directors of Census Operations (Technical), in a substantive capacity, with effect from the dates mentioned against them :

1. Shri N. Rama Rao—8-4-1975
2. Shri J. C. Kalra—8-4-1975.
3. Shri A. W. Mahatme—8-4-1975.
4. Shri H. Majumdar—8-4-1975.
5. Shri B. S. Narasimha Murthy—8-4-1975.
6. Shri S. R. Luhadia—8-4-1975.
7. Shri Arvind Dange—9-4-1975.
8. Shri M. Thangaraju—9-4-1975.
9. Shri S. Rajendran—9-4-1975.
10. Shri Jagdish Singh—9-4-1975.

The 29th June 1976

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated the 24 December 1975, the President is pleased to appoint Shri Tirath Das, Assistant Central Tabulation Officer in the office of the Registrar General, India, as Deputy Director of Census Operations, Madhya Pradesh, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period of two months with effect from 1 July 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Tirath Das will continue to be at Bhopal.

The 30th June 1976

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 21 April 1976, the President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on ad-hoc basis, for a further period of two months with effect from the forenoon of 1 July 1976, or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter

2. The headquarters of Shri Kalla will continue to be at Bhopal.

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 21 April 1976, the President is pleased to appoint Shri R. E. Choudhari, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, as Assistant Director of Census Operations, in the same office on ad-hoc basis, for a further period of two months with effect from the forenoon of 18 June 1976, or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Choudhari will continue to be at Bombay.

No. 10/19/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 14 January 1976, the President is pleased to appoint Shri Chheetar Mal, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Research Officer in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period of six months with effect from the forenoon of 12 July 1976 or till a regular officer becomes available, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Chheetar Mal will continue to be at New Delhi.

No. 10/19/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 2 January 1976, the President is pleased to appoint Shri R. P. Tomar, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Central Tabulation Officer in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period of six months with effect from 2 July 1976 or till a regular officer becomes available, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri R. P. Tomar will continue to be at New Delhi.

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 21 April 1976, the President is pleased to appoint Shri D. P. Chatterjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on ad-hoc basis, for a further period of two months with effect from the forenoon of 19 June 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chatterjee continue to be at Calcutta.

No. 10/19/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 20 December 1975, the President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Research Officer in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period of six months with effect from

20 June 1976 or till a regular officer become available, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri R. K. Bhatia will continue to be at New Delhi.

R. B. CHARI,  
Registrar General  
India & ex-officio Jt. Secretary

#### CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi, the 1976

No. 3-1/76-Admn.—The following Senior Translators in the Central Translation Bureau, Department of Official Languages (Ministry of Home Affairs), are appointed to officiate as Translation Officers on ad-hoc basis as under :—

1. Shri Nebh Raj Arya Translation Officer—from 27-1-76 to 12-3-76., from 10-5-76 to 11-6-76 and from 14-6-76 to 13-8-76..

2. Shri Lala Ram Bhilware Translation Officer—from 2-6-76 to 3-7-76.

KASHI RAM SHARMA Jt. Dir.  
for Director

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 24th June 1976

No. B(34)/All.—Shri Kalyan Kumar Biswas, Technical Officer (Photolitho) has been appointed to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Text Books Press, Chandigarh, with effect from 16-8-1975 (FN), until further orders.

The 30th June 1976

No. C(22)/All.—Shri Baldev Raj Chopra, Technical Officer (Photolitho), has been appointed to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Press, Minto Road, New Delhi, with effect from 2-6-1976 (FN) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR,  
Director of Printing

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNT DEPARTMENT

##### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

##### CENTRAL REVENUE NEW DELHI

New Delhi, the 29th June 1976

No. Admn.I/0.0298/5-5/Promotion/76-77/847.—The Accountant General, Central Revenues, hereby appoints Shri Rishi Deva, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200, wef 19-6-1976 (AN) until further orders.

H. S. DUGGAL,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

##### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS AND MISCELLANEOUS

New Delhi, the 23rd June 1976

No. Admn.I/2(1)/V/1425-34.—The Accountant General, Commerce, Works and Misc., New Delhi has been pleased to

appoint Shri I. S. Dhawan, while on foreign service with the Delhi Development Authority, New Delhi, to officiate in Accounts Officer grade in his office in the scale of Rs. 840—40—1000-EB-40-1200 wef 1st of May, 1976 (forenoon) under Nex Below Rule, till further orders on provisional basis.

B. B. DEB ROY,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

##### DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 26th June 1976

No. 1631/A/Admn./130/76.—The Director of Audit, Defence Service is pleased to appoint the under-mentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officers until further orders in the offices and from the dates noted against each :—

Sl. No., Name, Office and date

1. Shri P. K. Kaul, A.O.D.S. Jullundur—7-5-1976
2. Shri Hironmoy Dass Gupta, Sr. D.D.A.D.S. C.C. Meerut—31-5-76.
3. Shri S. Subramanian, Dr. DDA DS SC Poona—7-6-76,

GIRIJA ESWARAN,  
Sr. Dy. Dir. of Audit Defence Services

#### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

##### SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 25th June 1976

No. Admn./33-2A/75/1447.—Sri Bratindra Kumar Birmān Roy a permanent member of the Subordinate Railway Audit Services in the office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from the forenoon of 6th May 1976 until further orders.

K. N. MURTHI, Chief Auditor.

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

##### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 12th September 1975

No. 0526/AN-F.

#### ORDER

WHEREAS THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS, NEW DELHI is of the opinion that it is in the public interest to do so;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Rule 48(1)(b) CENTRAL CIVIL SERVICES (PENSION) Rules, 1972, the Controller General of Defence Accounts, New Delhi hereby gives notice to Shri G. C. CHOPRA Permanent Section Officer (Accounts) (Account Number 12796) serving in the organization of CDA (ORs) North, Meerut that he, having already completed thirty years qualifying service, shall retire from service with effect from the date of expiry of three months computed from the date of the service of this notice on him.

J. B. MARTIN  
Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 28th June 1976

No. 40011(2)/75-AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
<i>S/Shri</i>				
1.	V. Sundaresan (P/26)	Permanent Accounts Officer	30-9-1976	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
2.	S. Sundararajan (P/146)	Permanent Accounts Officer	31-8-1976	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
3.	M. S. Deshpande (P/247)	Permanent Accounts Officer	31-12-1976	Controller of Defence Accounts (Southern Command) POONA
4.	R. Subrahmanya Iyer (P/332)	Permanent Accounts Officer	30-11-1976	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
5.	A. B. Gayen (P/537)	Permanent Accounts Officer	31-10-1976	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
6.	R. D. Issar (P/657)	Permanent Accounts Officer	31-5-1976	Controller of Defence Accounts (Western Command) Meerut.
7.	K. C. Ghosh (P/666)	Permanent Accounts Officer	31-12-1976	Controller of Defence Accounts Patna.
8.	R. S. Venkataraman (O/36)	Officiating Accounts Officer	31-12-1976	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
9.	Gurbux Rai, (O/42)	Officiating Accounts Officer	31-12-1976	Controller of Defence Accounts, (ORs) North, Meerut.
10.	B. K. Chakravarty (O/72)	Officiating Accounts Officer	31-7-1976	Controller of Defence Accounts (FYs) Calcutta.
11.	N. L. Narasimhamurthy (O/156)	Officiating Accounts Officer	31-12-1976	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.
12.	Mrityunjoy Dey (O/235)	Officiating Accounts Officer	31-12-1976	Controller of Defence Accounts (FYs) Calcutta.

Shri R. D. Issar, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave from 2-2-1976 to 31-5-1976 pending retirement.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) Civil Service Regulations, Volume I, Shri Amrik Singh, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/336) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut has been transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 5th June 1976.

Shri Amrik Singh has been sanctioned leave as under :

- (i) 50 days Half Pay Leave from 5-12-1975 to 23-1-1976.
- (ii) 4 days earned Leave from 24-1-1976 to 27-1-1976.
- (iii) 129 days Half Pay Leave from 28-1-1976 to 4-6-1976.

He has also been granted 11 days Half Pay Leave from 5-6-1976 to 15-6-1976 under Rule 39(6) of CCS (Leave) Rules 1972.

S. K. SUNDARAM

*Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)*

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER  
Bombay-400020, the 26th June 1976

No. EST.1-2(421).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 25th February 1976 and until further orders Shri C. K. Phadke, Deputy Director (Dyeing) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Director (Chemical Processing) in the same Office.

R. P. KAPOOR,  
Textile Commissioner

Bombay-20, the 22nd June 1976

No. CER/66/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order 1948

and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated the 7th March 1958.

In the Table appended to the said Notification in the column 2 against S. No. 11 after item (XXI) the following entries shall be added, namely:—

- XXII. Joint Director of Textiles, at Head Quarters.
- XXIII. Deputy Director Textiles, at Headquarters.
- XXIV. Assistant Director Textiles, Berhampur.
- XXV. Assistant Director of Textiles, Khurda.
- XXVI. Assistant Director of Textiles, Cuttack.
- XXVII. Assistant Director of Textiles, Bargarh.
- XXVIII. Assistant Director of Textiles, Sonapur.
- XXIX. Assistant Director of Textiles, Baripada.



The 23rd June, 1976

No. CLB/1/1/6G/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB 1/1/6G/71, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 2, against S. No. 10(i) for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

"Director of Textiles-Cum-Additional Registrar,  
Co-operative Societies, Orissa."

No. 18(1)/73-76/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms) Control Order 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB.II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, in column 2, against S. No. 10(i), for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Director of Textiles-Cum-Additional Registrar,  
Co-operative Societies, Orissa."

No. CER/3/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th figures and letter "41s" be substituted.

In the Table below paragraph IV of the said Notification in S. No. 4 for the marks, figures and letter "31s" the marks, figures and letters "41s" be substituted.

G. S. BHARGAVA,  
Jt. Textile Commissioner

## BUREAU OF INDUSTRIAL COSTS &amp; PRICES

New Delhi-110001, the 25th June 1976

No. A-19016/3/76-BICP.—On transfer from the Department of Company Affairs, Shri P. L. Bajaj, a permanent Statistical Assistant and working as Investigating Officer on ad-hoc basis in that office, is appointed as Junior Specialist in Company Law in the Bureau of Industrial Costs & Prices on deputation basis with effect from the 7th June, 1976 (forenoon) until further orders.

S. S. MARATHE, Chairman

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

New Delhi, the 23rd June 1976

No. A-17011/103/76-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri R. K. Rajora, Examiner of Stores in the N. I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of the 26-5-76, until further orders.

SURYA PRAKASH, Dy. Dir. (Admn.)  
for Dir. Gnl. of Supplies & Disposals

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st June 1976

No. A-19011(195)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. R. Bhaisare, to the post of Chemist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 11th June, 1976.

L. C. RANDHIR,  
Administrative Officer  
Indian Bureau of Mines

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

## DIRECTORATE OF ADVERTISING &amp; VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 22nd June 1976

No. 9/53/61-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri M. L. Mukherjee, Technical Assistant (Printed Publicity) in this Directorate to officiate as Assistant Production Manager (Printed Publicity) on a purely *ad-hoc* basis with effect from the 3rd May, 1976 until further orders.

The 28th June 1976

No. A.20011/4/72-Est.I.—Consequent on his appointment as Senior Artist in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, Shri Baljit Singh Nagi relinquished charge of the post of Senior Artist with effect from the afternoon of the 10th June, 1976, in this Directorate.

A. N. CHIBBER, Section Officer  
for Dir. of Advertising & Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd June 1976

No. 17-5/73-Admn.I.—Consequent on his appointment as Assistant Director (publicity) in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food), Shri R. C. Richhariya relinquished charge of the post of Technical Officer (Exhibition) in the CHEB of the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 31st May, 1976.

The 24th June 1976

No. 12-50/73-Admn.I.—On attaining the age of superannuation on Shri D. D. Sharma Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from service w.e.f. the afternoon of 31st May, 1976.

S. P. JINDAL, Dy. Dir. (Admn.)

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 15th June 1976

No. PPED/4(550)/74-Adm./7115.—Consequent on his repatriation to the office of the Accountant General, Maharashtra, Bombay, Shri P. D. Pai, relinquished charge of the temporary post of Assistant Accounts Officer held in this Division on April 1, 1976 (AN).

No. PPED/4(353)71-Adm./7116.—Consequent on his repatriation to the office of the Accountant General, Maharashtra, Bombay, Shri D. R. Sharma, relinquished charge of the temporary post of Assistant Accounts Officer held in this Division on March 3, 1976 (AN).

N. G. PARULEKAR,  
Administrative Officer

## (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 3rd June 1976

No. NAPP/18/106/75-Adm./2711.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay, hereby appoints Shri S. P. Mukherjee a temporary Supervisor (Civil) Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1976 until further orders.

R. J. BHATIA,  
Administrative Officer

**DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES  
MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT**

Madras-600 006, the 14th June 1976

No. MRP/200(9)/76-Adm.—The Director, Purchase and Stores is pleased to appoint Shri N. Rajagopalan, an officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores as Assistant Purchase Officer in the Madras Regional Purchase Unit of Directorate of Purchase and Stores in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 12, 1976 to June 15, 1976.

The 16th June 1976

No. MRP/200(105)/76-Adm.—The Director, Purchase and Stores is pleased to appoint Shri K. Unnikumar an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Assistant Stores Officer, Transport and Clearance Wing of Madras Regional Purchase Unit of Directorate of Purchase and Stores in an officiating capacity with effect from the forenoon of May, 20, 1976 to June 19, 1976.

The 21st June 1976

No. MRP/200(15)/76-Adm.—The Director, Purchase and Stores is pleased to appoint Shri V. Sripatha Rao, and officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Assistant Stores Officer, Central Stores Unit, Madras Atomic Power Project, Kalpakkam of Directorate of Purchase and Stores in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 7, 1976 upto July 24, 1976(AN).

S. RANGACHARY, Purchase Offr.

**(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500 016, the 23rd June 1976

No. AMD/SAO-04/76-77.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri Som Nath Sachdeva, officiating Superintendent of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division on ad hoc basis with effect from the forenoon of 18th May, 1976 vice Sri A. D. Bhatia, Assistant Administrative Officer transferred to Tarapur Atomic Power Project.

The ad hoc appointment of Sri Som Nath Sachdeva will stand terminated w.e.f. the date a regular Assistant Personnel Officer is appointed in the Atomic Minerals Division by the Department of Atomic Energy.

No. AMD/SAO-04/76-77.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri R. C. Sud, officiating Superintendent in the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division purely on ad hoc basis, w.e.f. the forenoon of 11th March, 1976 vice Sri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer II.

Sri Sud will stand reverted to the post of Superintendent w.e.f. the date on which Sri Israni reverts to the post of Assistant Accounts Officer.

No. AMD/SAO-04/76-77.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri D. S. Israni, officiating Assistant Accounts Officer of the Atomic Minerals Division as Accounts Officer II in the same Division purely on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 11th March, 1976 vice Sri H. L. Chopra, Accounts Officer II appointed as Accounts Officer III.

Sri Israni will stand reverted to the post of Assistant Accounts Officer with effect from the same date on which Sri H. L. Chopra reverts to the post of Accounts Officer II.

S. RANGANATHAN,  
Sr. Administrative and Accounts Officer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 29th June 1976

No. E(1)04281.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. V. Pundle, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 16-6-76 to 12-9-76.

Shri S. V. Pundle, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)05131.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras to officiate as Assistant Meteorologist for a period of thirty-two days with effect from the forenoon of 9-6-76 to 10-7-76.

Shri Seshadri, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist  
for Dir. Genl. of Observatories.

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION**

New Delhi, the 21st June 1976

No. A. 32013/3/75-EC.—The President is pleased to appoint the following 3 Technical Officer, working as Senior Technical Officers on ad-hoc basis, as Senior Technical Officers on a regular basis in the Civil Aviation Department w.e.f. 19th May, 1976 (Forenoon) and until further orders at the stations indicated against each :

Sl. No.	Name	Station of posting
(1)	(2)	(3)
1.	Shri N. K. Nanu . . . .	Radio Construction and Development Units, New Delhi.
2.	Shri V. K. Verma . . . .	A. C. S., Bombay.
3.	Shri A. Ramanathan . . . .	D. G. C. A. Headquarters.

H. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration).

New Delhi, the 23rd June 1976

No. A.32013/4/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri V. Srinivasan, Assistant Technical Officer, ACS, Madras to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointment is made whichever is earlier with effect from the 1st June, 1976 and to post him at the same station.

V. V. JOHRI, Asstt. Dir. (Admn.)

New Delhi, the 22nd June 1976

No. A.22015/15/76-ES.—Shri Ishwar Singh assumed charge of the office of Accounts Officer, Regional Pay & Accounts Office, Civil Aviation Department, New Delhi on the forenoon of the 1st April, 1976.

The 25th June 1976

No. A.22015/14/76-ES.—On transfer from the office of the Accountant General, Central Revenues, New Delhi, Shri M. K. Jain assumed charge of the Office of the Assistant Financial Controller in the Civil Aviation Department, New Delhi on the forenoon of the 17th June, 1976.

No. A.23022/1/75-ES.—Shri P. D. Ranganathan, officiating Administrative Officer (ad-hoc) in the office of the Regional Director (Madras), relinquished charge of the post on 31-5-76 (AN), on retirement from Government service on attaining the age of Superannuation.

S. L. KHANDPUR, Asstt. Dir. of Admn.

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 28th June 1976

No. 1/360/76-EST.—The resignation from Government Service of Shri A. K. Mahule, temporary Assistant Engineer, Arvi Branch is accepted with effect from the forenoon of the 1st May, 1976.

P. G. DAMLE, Dir. Gnl.

Bombay, the 26th June 1976

No. 1/315/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. V. Rao, Technical Assistant, Bombay Branch of OCS, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 13-4-76 to 29-5-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/254/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri F. Paaliath, Permanent Supervisor, Madras Branch of OCS as Dy Traffic Manager. In an officiating capacity in the same Branch, for the period from 14-4-76 to 30-4-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY,

Administrative Officer  
for Director General

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-1, the 27th April 1976

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 1/76.—Shri T. Kamalakaran, Deputy Office Superintendent Cochin Custom House, promoted to officiate as Appraiser—vide Madras Custom House Order Number 76/76, dated 24-3-76, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 26-3-76 at Madras Custom House.

No. 2/76.—Shri S. C. Raghavan, Examiner (SG), Madras Custom House, promoted to officiate as Appraiser—vide Madras Custom House Order Number 47/76 dated 23-2-76, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 24-2-76 at Madras Custom House.

No. 3/76.—Shri V. Ananthakrishnan, Examiner (SG), Madras Custom House. Promoted to officiate as Appraiser—vide Madras Custom House Order Number 47/76 dated 23-2-76, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 25-2-76 at Madras Custom House.

No. 4/76.—Shri Mir Zamin Ali, Examiner (SG), Madras Custom House, promoted to officiate as Appraiser—vide Madras Custom House Order Number 42/76, dated 16-2-76, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 16-2-76 at Madras Custom House.

G. SANKARAN, Collector of Customs

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 8th June 1976

No. 69/76.—Sri A. L. Usmani, Superintendent, Central Excise Group 'B', previously posted as Superintendent, Central Excise, Kanpur in Central Excise Collectorate, Kanpur (since retired under FR56(J) w.e.f. the afternoon of 11-11-1975 by giving three months pay and allowances in lieu of notice vide this office order issued under C. No. II(3)Conf/61/75/2777, dated 11-11-75 which was received by Sri Usmani on 11-11-1975 afternoon, is granted terminal leave of 120 days from 12-11-75 to 10-3-76 combined with 265 days leave on half average pay from 11-3-76 to 30-11-76. In terms of proviso to Rule 39(6) of CCA (Leave) Rules 1972 he will be allowed leave salary for the period of leave excluding that period for which pay and allowances in lieu of notice have been allowed. Sri A. L. Usmani, handed over the charge of his post in the afternoon of 11-11-1975 to Sri S. C. Agarwal, Supdt. (Central Exchange) Central Excise, Kanpur and retired from Government service w.e.f. 11-11-75(afternoon).

K. S. DILIPSINHJI, Collector

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 28th June 1976

No. A-19012/471/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated 11-12-75, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia to officiate in the post of Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Pune on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, for a further period upto 31-8-76, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 29th June 1976

No. A.12017/6/76-Adm.V.—In partial modification of this Commission's Notification No. A-12017/6/76-Adm V, dated 24-3-76, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. M. Kotwar, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period from 1-3-76 to 31-8-76 or till the regular officer in the grade is nominated by the Union Public Service Commission, whichever is earlier.

JASWANT SINGH, Under Secy.  
for Chairman

## MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 22nd June 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. overhead Traction Wires will be energised on 25 kv on or after 28-6-1976 in the Section Tilak Bridge (excl) to Indra Prasth Power House (I.P.H. Siding) incl. (Structure No. km 1533/41-G-42-G to Structure No. PH/75). On and from the same date, the overhead traction lines shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

B. MOHANTY, Secy., Rly. Board

## INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 28th June 1976

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri C. R. Radhakrishnan, Officiating Assistant Electrical Engineer/Inspection (Class II) has been confirmed in Class II service with effect from 28-3-1974.

Sri P. N. Sukumar, Officiating Senior Mechanical Engineer (S.S.) on transfer from Southern Railway has reported for duty and posted as Officiating Production Engineer/Planning/Fur. (S.S.) from 3-5-1976.

Sri P. R. Narayana, Officiating Production Engineer/Planning/Fur. (S.S.) (ad hoc) has been reverted to Class II service and posted as Officiating Assistant Works Manager/Mfg/Fur. (Class II) from 3-5-1976.

Sri C. Sankaran, Officiating Assistant Personnel Officer/R (Class II) has been reverted to Class III service from 18-5-1976.

Sri S. Gopalan, Officiating Principal, Technical Training School (S.S.) has been relieved to carry out his transfer as Offg. Deputy Chief Mechanical Engineer (J.A.) (ad hoc) in South Central Railway.

S. SUBRAMANIAN, Dy. Chief Pnl. Officer

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 28th June 1976

No. 15.—Shri G. S. Malhotra, Divisional Engineer, Northern Railway, Moradabad Division of this Railway retired finally from service on 31-5-1976/A.N.

S. C. MISRA, Gnl. Manager.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

##### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956, and of Chowdhury Brothers Private Limited*

Shillong, the 21st June 1976

No. 765/560/1462.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Chowdhury Brothers Private Ltd. shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of National Saw & Plywood Works (Assam) Private Limited*

Shillong, the 22nd June 1976

No. 1333/560/1478.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof, the name of National Saw & Plywood Works (Assam) Private Limited is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHTHA,  
Registrar of Companies.  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG

*Notice Under Section 560(4) of Companies Act, 1956 in the matter of Dhakeshware Machine Manufacturing Co. Ltd. (In Liqn.)*

Calcutta, the 22nd June 1976

No. L/17690/D-1340.—Whereas under section 560(4) of the Companies Act, 1956, I have reasonable cause to believe that the affairs of the Company are fully wound up and the returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six (6) consecutive months,

I therefore, hereby notify, that at the expiration of three (3) months from the date of this notice, the name of the Company will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

N. N. MAULIK,  
Asst. Registrar of Companies  
West Bengal

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

*Notice under Section 445(2)*

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/s Patidar Benefit Pvt. Ltd.*

No. 1650/Liquidation.—By an order dated 5-4-76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 7 of the 1976, it has been ordered to wind up M/s Patidar Benefit Pvt. Limited.

J. G. GATHA,  
Registrar of Companies,  
Gujarat

## FORM ITNS—

(1) Shri Partap Singh S/o Sh. Ghumandi,  
R/o Chachoki, Phagwara

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1976

No. Phg/55/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Chachoki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—166GI/76

(2) Shri Karam Singh S/o Shri Waryam Singh  
C/o O. K. Industries,

Industrial area Phagwara

through Shri Jagan Nath Prabhakar property dealer,  
Phagwara.

(Transferee)

(3) Sr. No. 2 and tenants if any.

[Person in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11 k. and 2 marlas regd. under regd. deed No. 1393 in November, 1975 with the S. R. Phagwara.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1976

No. KPE/56/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Hamira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khushi Singh S/o Shri Jiwan Singh R/o Hamira Teh. Kapurthala.  
(Transferor)
- (2) Shri Kashmira Singh S/o Shri Narain Singh S/o Shri Ganga Singh R/o Arianwala, Teh. Kapurthala.  
(Transferee)
- \* (3) Sr. No. and tenants if any.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 25 K. & 15 marlas at Village Hamira registered under Regd. Deed No. 2344 in November 75 with the S. R. Kapurthala.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Khushi Singh S/o Sh. Jiwan Singh,  
R/o Hamira,  
Teh. Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1976

No. KP4/58/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Hamira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in Nov. 1975 for an apparent consideration percy and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(2) Shri Gurdev Singh and Shri Inderjit Singh  
Ss/o Shri Kashmira Singh  
S/o Sh. Narain Singh  
R/o Arianwala,  
Teh. Kapurthala.

(Transferee)

\* (3) As Sr. No. 2 above and tenants if any.  
[Person in occupation of the property]

\* (4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 25 K.-15M. at village Hamira registered with S.R. Kapurthala under Regd. Deed No. 2342 in Nov. 75.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Khushi Singh S/o Sh. Jiwan Singh  
R/o Hamira,  
Teh. Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sukhram Singh & Pritam Singh  
Ss/o Shri Kashmira Singh  
S/o Sh. Narain Singh  
R/o Arianwala,  
Teh. Kapurthala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1976

\*(3) Sr. No. 2 and tenants if any.  
[Person in occupation of the property]

\*(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

No. KPL/59/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hamira (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in Nov. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 25 K & 14 marlas at Hamira regd. under regd. deed No. 2332 in November, 1975 with S.R. Kapurthala.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-6-1976

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Durga Dass Vinaik  
S/o Shri Dhari Mal  
near Bijlighar, Muktsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1976

(2) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Dhamala Singh  
R/o Muktsar.

(Transferee)

“(3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any,  
[Person in occupation of the property]

“(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

No. FDK/32/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot of land situated at Muktsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Muktsar in November 75  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the  
following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered deed No. 1640  
of November, 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-6-1976

Seal .

## FORM ITNS—

(1) Sh. Gurmukh Singh S/o Shri Jhanda Singh  
S/o Baga Singh  
R/o Basti Kamboian Wali Ferozepur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) M/s Harnam Singh Sethi & sons  
through Shri Amarjit Singh Sethi  
S/o Shri Harnam Singh Sethi  
Ferozepur Cantt.

(Transferee)

Amritsar, the 7th June 1976

\*(3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any.  
[Person in occupation of the property]

\*(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

No. FZR/33/76-77.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at outside Zira Gate, Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3087 of November, 1975 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) R. B. Parkash Chand Mehra  
P/o R. B. Rattan Chand Mehra  
R/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1976

(2) Shri Bahadurjit Sud S/o Shri Gurdit Chand Sud,  
R/o 53 Model Town, Amritsar.

(Transferee)

\*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]

\*(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Plot No. 45, Near Police Line, R. B. Parkash Chand Road,  
Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2160 of  
November, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1976

No. ASR/36/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 45 situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Amritsar in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian liability of the transferor to pay tax under Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. B. Parkash Chand Mehra  
S/o R. B. Rattan Chand Mehra,  
Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bahadur Singh  
S/o Shri Kesar Singh & Shri Rajinder Singh  
S/o Shri Bahadur Singh,  
Sharifpura, Amritsar.

(Transferee)

\*(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

\*(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 45, Near oPlice Line, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2161 of November, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1976

Ref. No. FZR/37/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/4th property situated at Makhu V. Bulu ke (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

17—166GI/76

- (1) Smt. Harbans Rani  
Wd/o Shri Ram Nath  
S/o Shri Sohan Singh  
R/o Makhu Teh. Zira.

(Transferor)

- (2) Shri Sat Pal S/o Shri Behari Lal  
S/o Shri Bahadar Mal  
R/o Makhu Teh. Zira.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th Property on the Junction of Amritsar Zira Road and Jullundur Road, Makhu as mentioned in the registered deed No. 3704 of November, 1975 of the Registering Authority, Zira.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1976

Ref. No. FZR/38/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th property situated at Makhu V. Bulu Ke. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Inderjit Singh  
S/o Shri Ranjit Singh  
S/o Shri Ishar Singh  
R/o Makhu Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Rai S/o Shri Hans Raj  
S/o Shri Mathra Dass, Shri Surinder Kumar  
S/o Shri Babu Ram  
S/o Shri Mathra Dass  
R/o Makhu Teh. Zira.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th Property on the Junction of Amritsar-Zira road and Jullundur Road, Makhu as mentioned in the registered deed No. 3703 of November, 1975 of the Registering Authority, Zira.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-  
SSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. ASR/39/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 462-B situated at Hukam Singh Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Datt Wasal  
S/o Shri Shanker Dutt Wasal  
R/o Guru Ka Mahal, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Sushila Devi or Sushila Rani  
W/o Shri Paramjit Singh Sodhi  
Shri Varinder Singh Sodhi  
S/o Shri Paramjit Singh Sodhi  
R/o Kt. Jalianwala, Gali Kamboj,  
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 462-B, Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2113 of November, 1975 of the registering authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

No. Asr/40/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Devi alias Pushpa Wanti  
Wd/o Shri Prem Nath Behel  
R/o 9 Prithvi Raj Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Rani  
W/o Sh. Dev Raj,  
Kucha Faqir Khanna, Bz. Kessorian,  
Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land measuring 535 sq. yds. Tungbala, Mohanlal ka bagh now known as R. B. Rattan Chand Road, Asr. registered under regd. deed No. 2124 of November, 1975 with the S.R. Amritsar City.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-1976

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

No. FDK/53/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Muktsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Amarjit Singh & Charanjit Singh  
Ss/o Shri Raja Ram or Raja Singh, Saraf  
R/o Kotla Bazar, near Gandhi Chowk, Muktsar.  
(Transferor)

(2) S/Shri Jagdish Singh & Manohar Singh  
Ss/o Shri Nand Singh  
R/o Kotla Bazar, near Gandhi Chowk, Muktsar  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1569 of November, 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

No. FDK/43/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in February, 76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Chanan Singh  
S/o Shri Santa Singh  
Shri Puran Singh  
S/o Shri Santa Singh  
R/o Faridkot now 21-A S.P. Mukharji Road.  
Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Smt Punjab Kaur  
W/o Shri Dal Singh  
R/o V. Machaki Mal Singh Teh. Faridkot.  
S/Shri Amritk Singh, Ranjit Singh  
Ss/o Shri Jaswant Singh  
S/Shri Sohan Lal, Om Parkash, Roop Lal  
Saroop Lal  
Ss/o Shri Parkash Chand  
R/o Kamiana Gate, Faridkot.  
Shri Kastoor Singh  
S/o Santokh Singh  
Sukhcharan Singh  
S/o Shri Brij Lal Mohinder Pal  
S/o Shri Hans Raj, R/o Faridkot.  
(Transferee)
- \*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any  
[Person in occupation of the property]
- \*(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3419 of February, 1976 of Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref No. FDK/44/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act.')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in February, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri : Pritam Singh,  
Shri : Balbir Singh,  
Kulwant Singh  
Ss/o Shri Mangal Singh, Shakuntla Kaur  
Wd/o Shri Balwant Singh,  
Shri Puran Singh  
S/o Shri Santa Singh  
R/o Faridkot now 21-A S. P. Mukerji Road,  
Calcutta.

(Transferor)

- (2) Smt. Lila Wanti  
W/o Shri Faqir Chand  
Shri Faqir Chand  
S/o Shri Ganga Ram  
Smt. Mohindra Jain or Mohina Jain W/o  
Shri Rajinder Prashad,  
R/o Mohala Jainian Wala, Faridkot.

(Transferee)

- \*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property]

- \*(4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3432 of February, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-1976  
Seal ,

## FORM ITNS—

(1) Shri Kanhaya Lal S/o Shri Madan Lal  
R/o Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Nanu Ram S/o Shri Bhera Ram  
R/o Abohar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. FZR/46/76-77.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVIII/194 Main Circular Road, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

\* (3) Dr. Jagdish Goel, tenant & as at S. No. 2 above and any other tenants  
[Person in occupation of the property]

\* (4) Any person interested in the property  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. XVIII/194, Main Circular Road, Mandi Abohar as mentioned in the Registered Deed No. 2232 of February, 1976 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Iqbal Singh So Sh. Pritam Singh,  
R/o J-12/56, Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW-DELHI

New Delhi-1(110001), the 26th June 1976

No. IAC.Acq.III/SR.II/Dec./1103(5)/75-76.—

Whereas, I, S. C. Parija,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Plot No. 18, Block J-13, situated at Rajouri Garden,  
New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on 17-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the 'said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-  
ing persons, namely :—

18—166GI/76

- (2) 1. Shri Sat Parkash Ahuja  
2. Avinash Chander Ahuja  
3. Shri Kewal Krishan Ahuja  
4. Shri Anil Kumar Ahuja  
Ss/o Shri Chuni Lal Ahuja

All A/o J-7/52, Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 18 in block No. J-13, measuring 347 sq. yds.  
situated in the colony known as Rajouri Garden, area of Vil-  
lage Tatarpur, Delhi State, Delhi within the limits of Delhi  
Municipal Corporation, Delhi and bounded as under :—

North : Service lane  
South : Colony Boundary  
East : Plot No. J-13/17  
West : Company land

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date 26-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi-1(110001), the 8th July 1976

No. IAC/Acq.I/SRIII/986/Oct-II(12)/75-76.—

Whereas, I, C. V. Gupta,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-210, Greater Kailash-I, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bimla Vati W/o Shri V. P. Talwar,  
R/o No. N/10, South Extn. Part-I, New Delhi  
through her general attorney Shri Shiv Dutt Ram Mehra S/o Shri Mohan Lal  
R/o 4934/35, Namak Phatak Hauz Qazi Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Sudha Puri W/o Shri Chander Kant Puri  
R/o 5039 Subhash Marg, Darya Ganj, Delhi.  
(Transferee)

(4) Shri A. P. Sehgal s/o Shri Ram Saran Dass  
r/o W-5, Greater Kailash, New Delhi.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 360 sq. yds. together with a 24 storeyed building constructed thereon bearing No. E-210, Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under :—

On the East by Colony Boundary  
On the West by Plot No. E-208  
On the North by Service Lane  
On the South by Road.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 8-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th May 1976

No. SML/1591/75-76.—

Whereas, I, V. P. Minocha,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
One room set alongwith upper roof of set No. 1,  
in Himprastha Bhawan, situated at Simla,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Simla in November, 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the Said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following per-  
sons namely:—

- (1) The Principal Officer,  
The Him Prastha Financiers Private Ltd.;  
The Mal,  
Simla.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Chand Gupta, S/o  
Shri I. C. Gupta,  
Albion House, The Mall,  
Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One room set alongwith upper roof of set No. 1, Himprastha  
Bhawan, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 465  
of November, 1975 of the Registering Officer, Simla.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 20-5-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th May 1976

No. SML/1592/75-76.—

Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Set No. 1, in Him Prastha Bhavan, situated at Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) The Principal Officer,  
The Him Prastha Financiers Private Ltd.;  
The Mal,  
Simla.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Gupta, S/o  
Shri I. C. Gupta,  
Albion House, The Mal,  
Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Set No. 1, in Him Prastha Bhavan, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 466 of November, 1975 of the Registering Officer, Simla.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-5-1976.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th May 1976

No. SML/1593/75-76.—

Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Set No. 2, alongwith 2 godowns (garrages) of Himprastha Bhavan, situated at Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Himprastha Financiers Private Ltd;  
through Shri I. C. Gupta,  
Director, Nagina Singh Building,  
The Mall, Simla.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur, W/o  
Shri Gurcharan Singh,  
R/o Nagina Singh Building,  
The Mall, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Set No. 2, alongwith 2 godowns (garrages) of Himprastha Bhavan, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 467 of November, 1975 of the Registering Officer, Simla.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-5-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 19th May 1976

No SML/1594/75-76.—

Whereas, I, V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Set No. III alongwith mazzine floor, 2 godowns of Himprastha Bhawan, situated at Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Principal Officer,  
The Him Prastha Financiers Private Ltd.;  
The Mal,  
Simla.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Kumari Sud, W/o  
Shri Puran Chand Sud,  
Pari Mehal Cart Road, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Set No. III alongwith mazzine floor, 2 godowns of Himprastha Bhawan, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 468 of November, 1975 of the Registering Officer, Simla.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19-5-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh. the 18th May 1976

No. CHD/1783/75-76.—

Whereas, I. V. P. MINOCHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

SCF No. 152, Grain Market, situated at Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Chandigarh in December, 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

(1) Shri Kishori Lal, S/o  
Shri Arjan Dass,  
R/o SCF No. 154, Grain Market  
Chandigarh.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Inderjit Singh, Advocate,  
adopted S/o Shri S. Ude Singh,  
Faridkot.  
2. S. Simerjit Singh, S/o  
S. Inderjit Singh,  
3. S. Kulvinder Singh, S/o  
Inderjit Singh,  
4. Smt Rajpal Kaur, D/o  
S. Jagjit Singh,  
R/o Bhuchio.  
5. Smt. Kulwant Kaur, D/o  
S. Sarup Singh Mongia,  
6. Smt Gursimran Kaur, W/o  
S. Kulvinder Singh,  
R/o Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA  
of the said Act, shall have the same mean-  
ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 152, Grain Market, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-5-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th May 1976

No. HSR/1695/75-76.—

Whereas, I, V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One ahata with four walls near Lajpat Rai, Park, situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

- (1) Shri Anand Parkash Bhargava, S/o  
Late Pt. Thakar Dass Bhargava,  
Opposit Building Jat College, Hissar.

(Transferor)

- (2) Shri Banarsi Dass Mittal, S/o  
Shri Parmeshari Dass Mittal,  
Coal Dept Holder,  
Back side of Elite Cinema, Hissar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One ahata with four walls bounded as under :—

East : 67'-5" Shop of Babu Ram.  
West : 52' Shops of Smt. Krishna Bhargava.  
North : 39'-2" Road.  
South : 36'-6" Plot of Shri Subhash Bhargava.  
Near Lajpat Rai Park, Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3231 of February, 1976 of the Registering Officer, Hissar.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-5-76

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 19th May 1976

Ref. No. CHD/1514/75-76.—

Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF No. 116, Sector 28-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—166GI/76

(1) Smt. Piar Kaur, W/o  
Shri Rattan Singh,  
R/o House No. 1293, Sector 21-B,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kulwant Singh,  
2. Shri Dalwant Singh,  
3. Shri Jaswant Singh,  
Ss/o S. Jagat Singh,  
R/o SCF No. 11, Sector 11-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shbp-cum-flat No. 116, Sector 28-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 19-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 21st May 1976

Ref. No. CHD/1644/75-76.—

Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1026, Sector 8-C, Situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in January, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kuldip Singh, S/o  
S. Diwan Singh,  
1026, Sector 8-C,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Secretary,  
The National Spiritual Assembly of Bahai's of India,  
343, Sector 9-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1026, Sector 8-C, Chandigarh.

V. P. MINOCHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 21-5-7  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 19th May 1976

Ref. No. CHD/1677/75-76.—

Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 107, Sector 23-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. S. Sardana, S/o  
Shri J. R. Sardana,  
R/o House No. 1285, Sector 21-B,  
Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Ranbir Sahai Ghai, S/o  
Shri Barkat Ram Ghai,  
Village and Post Office Kokri Kalan,  
District Faridkot.  
(now House No. 698, Sector 11-B, Chandigarh.)  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 107, Sector 23-A, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 19-5-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th May 1976

No. GRG/1534/75-76.—

Whereas, I. V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 537/9, Daultabad Road, Near Railway Station, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri
  1. Amar Nath Sharma, S/o Ganga Parshad Sharma, R/o B/2, Shakti Nagar, New Delhi.
  2. Mohendra S/o Mohan Lal Shah,
  3. Smt. Jai Lakshmi, W/o Mohan Lal Shah, through Mohan Lal Shah  
General attorney, 4628, Cloth Market, Delhi.
  4. Smt. Chandan Gami, W/o Balkishan Gami  
R/o A-1/97, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Virender Singh Bhalla, Prop. Cera Mills Glaze & Zercomin Co., Daultabad Road, Gurgaon,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 537/9 situated at Daultabad Road, Near Railway Station, Gurgaon.  
North : Chawla Factory.  
South : Factory of Smt. Shashi Bhalla.  
East : Property of others.  
West : Road 18'-0" wide.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2378 of December, 1975 of the Registering Officer, Gurgaon.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date 18-5-1976  
Seal.



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th May 1976

No. GRG/1932/75-76.—

Whereas, I. V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shed and office and open land out of Khasra No. 3338/434 situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri  
J. Amar Nath Sharma S/o  
Ganga Parshad Sharma,  
R/o 19B/2, Shakti Nagar, New Delhi.

2. Mohendra S/o  
Mohan Lal Shah,
3. Smt. Jaṛ Lakshmi, W/o  
Mohan Lal Shah,  
through Mohan Lal Shah,  
General attorney,  
4628, Cloth Market, Delhi.
4. Smt Chandan Gami W/o  
Balkishan Gami  
R/o A-1097, Safdarjang Enclave, N. Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s Interads Exports Division  
(through Shri Mukesh K. Sharma,  
Director of above)  
Akash Deep Building,  
26-A, Bara Khamba Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shed and office and open land out of Khasra No. 3338/434 situated at Daultabad Road, Gurgaon.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2210 of November, 1975 of the Registering Officer, Gurgaon.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date 20-5-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th May 1976

No. SRD/1634/75-76.—

Whereas, I. V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 99 kanal and 14 marla, situated at Hussainpura, P.O. Badochhi Kalan, Teh. Sirhind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in December, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwant Singh,  
S/o Shri Jaswant Singh,  
Village Hussainpura,  
P.O. Badochhi Kalan, Tehsil Sirhind.

(Transferor)

- (2) Smt. Pritam Kaur, W/o Shri Avtar Singh,  
Shri Mohan Singh,  
Shri Rajinder Singh,  
Shri Baldev Singh,  
Shri Balvinder Singh,  
Ss/o Shri Avtar Singh,  
R/o Village Hussainpura,  
Post Office Badochhi Kalan,  
Tehsil Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 99 kanals and 14 marlas, situated at Village Hussainpura, Post Office Badochhi Kalan, Tehsil Sirhind.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2263 of December, 1975 of the Registering Officer, Sirhind.)

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 20-5-1976.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th June 1976

No. PTA/1953/75-76.—

Whereas, I, G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

'Jaisi Villa' situated in Narula colony bearing No. 4162/5,  
Patiala,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Patiala in November, 1975, for an  
apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh Gill, S/o  
S. Mukand Singh (Karta of HUF),  
R/o House No. 109, The Mall,  
Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Smt Joginder Pal Kaur, W/o  
Shri Lall Singh,  
R/o Kothi No. 4162/5,  
Lehal, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons whichever period  
expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as 'Jaisi Villa' situated in Narula Colony  
bearing No. 4162/5, Patiala.

North : 40' wide road.  
South : 20' wide road and kothi of S. Mangal Singh.  
West : 20' wide road.  
East : House of the co-neighbourer.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 334 of  
November, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th June 1976

No. CHD/1382/75-76.—

Whereas, I, G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
SCF No. 64-65, Sector 15-D, situated at Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in November, 1975,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-  
erty and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

- (1) 1. Shri R. S. Dhanda,  
2. Shri B. S. Dhanda,  
Ss/o Late Shri Raja Ram Dhanda,  
R/o House No. 543, Sector 16-D,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri
  1. Rameshwar Dass, S/o  
Balak Ram  
R/o Uchana Mandi,  
District Jind.
  2. Jai Narain, S/o  
Balak Ram,  
R/o SCF No. 28, Sector 15-C,  
Chandigarh.
  3. Moti Ram Mittal, S/o  
Balak Ram,  
R/o SCF No. 28, Sector 15-C,  
Chandigarh.
  4. Mrs. Shanti Devi, W/o  
Rameshwar Dass,  
R/o Uchana Mandi, District Jind.
  5. Jia Lal, S/o Late Piara Lal,  
R/o Uchana Mandi, District Jind.
  6. Des Raj S/o Late Piara Lal,  
R/ SCO No. 65, Sector 15-D, Chandigarh.
  7. Mrs. Nirmal Devi, w/o Jia Lal,  
R/o Uchana Mandi, District Jind.
  8. Mrs. Maya Devi, Wd/o Late Piara Lal,  
R/o Uchana Mandi, District Jind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 64-65 Sector 15-D, Chandigarh.

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-6-1976

Seal :

## FORM IINS—

(1) Shri Hardeep Singh S/o Shri Gurbax Singh,  
R/o BX-25, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Krishan Kumar Malhotra, S/o Shri Avtar Singh,  
R/o BVII-426, Mohalla Mullan Shakur, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th June 1976

Ref. No. LDH/C/1489/75-76.—

Whereas, I, G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Plot No. 15-H, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ludhiana in November, 1975,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section  
(1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons,  
namely :—

20—166GI/76

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 15-H, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6142  
of November, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-6-1976

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Lalit Mohan Suri,  
R/o 36, Sector 9-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Kanu Dev Dass, W/o  
Mr. Anil Dev Dass,  
R/o House No. 121, Sector 11-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th June 1976

Ref. No. CHD/1515/75-76.—

Whereas, I, G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000- and bearing No.  
Plot No. 49, Street 'B', Sector 8-A,  
(New No. 30, Sector 8-A), situated at Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in December, 1975,  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consi-  
deration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in this  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 49, Street 'B', Sector 8-A, (New No. 30, Sector  
8-A), Chandigarh.

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Haryana Agros,  
Village Kundli District Sonapat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s United Cold Storage and Ice Factory,  
Janti Kalan Road, Kundli,  
District Sonapat.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th June 1976

Ref. No. SNP/1526/75-76.—

Whereas, I, G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot measuring 88 kanal and 9 marlas alongwith cold storage  
and ice factory building, situated at Janti Kalan Road on  
Haryana Delhi Border, Kundli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sonapat in December, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 88 kanals and 9 marlas alongwith cold  
storage and ice factory building situated on Janti Kalan Road  
on Haryana Delhi Border, Village Kundli, District Sonapat.

East : Janti Kalan Road.

West : Vacant land.

North Vacant land.

South Vacant land.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2837  
of December, 1975 of the Registering Officer, Sonapat.)

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th June 1976

Ref. No. CHD/1643/75-76.—

Whereas, I, G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh,  
being the competent authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
House No. 1006, Sector 27-D, situated at Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in January, 1976,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor  
to pay tax under the 'said Act', in respect of any  
income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Inder Mohan Singh Grewal,  
S/o Shri Chetan Singh,  
R/o Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri  
1. Sant Kumar Sehgal S/o Durga Das Sehgal,  
2. Durga Das Sehgal, S/o Madhu Ram Sehgal,  
3. Vidya Wati Sehgal, W/o Durga Dass Sehgal,  
4. Raghbir Kumar Sehgal, S/o Durga Das Sehgal,  
R/o 1006, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act'  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1006, Sector 27-D, Chandigarh.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1136  
of January, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-6-1976

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARVE ROAD, POONA

Poona-411 004, the 22nd April 1976

Ref. No. CA5/December'75/Nasik/281/76-77.—

Whereas, I, H. S. Aulakh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 854 (Eastern portion) situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Nasik on 5-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Murlidhar Narayan Kathe,  
2. Shri Gangadhar Narayan Kathe,  
3. Shri Dashrath Narayan Kathe,  
4. Shri Aba Narayan Kathe,  
All R/o S. No. 854, Near Nasardi Bridge,  
Poona Road, Nasik.

(Transferor)

- (2) Aristo Plast Limited,  
Elphin House,  
Annexe Building, 1st floor, Juna Prabha Davi Road,  
88C, Bombay-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Freehold at S. No. 854 (Eastern portion)  
Area : 1½ Acres, Nasik.  
(Property as mentioned in the sale deed registered under No. 2311 dated 5-12-75 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 22-4-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jaysinh Narayandas,  
Guru Krupa, Lam Road, Deolali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 22nd April 1976

Ref. No. CA.5/December 75/Nasik/282/76-77.—

Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

S. No. 43/4 (P) situated at Mouje Belatgavan, Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Nasik on 5-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly state in the said instrument of transfer with  
the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

(2) M/s Mercantile Warehousing & Transport Co.,  
Bharat House, 3rd floor, 104, Apollo Street,  
Bombay-1.

Partners :—

1. Shri Bhaichand M. Mehta
2. Shri Harsukh B. Mehta,
3. Shri Jyotindra B. Mehta,
4. Shri Vinod B. Mehta,
5. Shri Harish B. Mehta
6. Smt. Pramila J. Mehta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land—Freehold at Mouje Belatgaon, Tal. &  
Dist. Nasik.

Survey No. 43/4 (part)—Area II 1, Ars. 8, 77 Sq. Mtrs.  
at Lam Road, Deolali within Deolali Cantonment limits.

(Property as mentioned in the sale deed registered under  
No. 2112, dated 5-12-1975 in the office of the Sub-Registrar,  
Nasik.)

H. S. AULAKH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 22-4-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Rusi Nariman Printer,  
12/14, Boat Club, Poona-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARVE ROAD, POONA(2) 1. Shri Champalal Ghisulal  
2. Shri Mithalal Ghisulal,  
3. Shri Subashchandra Champalal  
all R/o Ganesh Bhuvan, Jalna.

(Transferee)

(3) 1. Champalal Mithalal Transport Private Ltd.  
Poona.  
2. Shri Rusi Nariman Printer,  
Poona.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Poona-411004, the 7th May 1976

No. C.A.5/November'75/Haveli-II(Poona)/284/76-77.—  
Whereas, J. H. S. Aulakhbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.

CTS No. 10 &amp; 10/1 situated at Boat Club, Poona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of  
the Registering Officer at

Haveli-II, Poona on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land Plot No. 14, admeasuring 2420.80 sq. mtrs.,  
together with the main bungalow and out-house thereon,  
situated at CTS No. 10 & 10/1 Boat Club Road, Mali Mun-  
jeri, Poona city, Final plot No. 232, Sangamwadi Town Plan-  
ning Scheme within the limits of Pune Municipal Corporation.

Name of the property : BRINDAVAN

Building in 1972.

Area 500 Sq. Mts.

(Property as described in the Registered deed No. 2328 of  
November, 75 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona)H. S. AULAKH,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date 7-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARVE ROAD, POONA

Poona-411 004, the 25th June 1976

No. CA/5/Thana/Nov. 75/286/76-77.—

Whereas, I, V. S. Gaitonde,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 341, H. No. 10(Pt), S. No. 345 H. No. 2 & 3 (Pt), S. No. 350, Plot No. 26 F.P. No. 45 situated at Panchapakhadi Thana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thana on November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Jeevan Builders,  
Solanki Sadan, Shivaji Path, Thana (West)  
(Transferor)
- (2) Manohar Mahal Co. Op. Housing Society Ltd.,  
Ravi Industries Compound, Naupada, Thana.  
(Transferee)
- (3) 1. Smt. Y. M. Yavagal  
2. Shri A. G. Gulabrao  
3. Shri S. M. Patil  
4. Shri A. Y. Marathe  
5. Shri D. G. Bolar  
6. Shri Jaipal Gupta  
7. Smt. J. P. Patil  
8. Shri M. R. Prabhu  
9. Shri C. M. Prabhakarao  
10. Mrs. M. B. Tambe  
11. Shri D. P. Likhite  
12. Shri F. D. Likhite  
13. Smt. Lilavati Dhir  
14. Smt. S. J. Patil  
15. Mrs. N. S. Gala  
16. Mrs. Kusum Alias Rukmibai Ratnakar  
All at Manohar Mahal Co. Op. Housing Society,  
Ravi Industries Compound, Naupada.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property S. No. 341, Hissa No. 10 (Pt) S. No. 345 Hissa No. 2 & 3 (Pt) & S. No. 350, Plot No. 26, Final Plot No. 145 TPS No. 1 at Panchapakhadi Thana.

Area 1048 Sq. Yards & Building thereon.

(Property as described in the sale deed registered under No. 652 in November, 1975 in the Office of the Sub-Registrar, Thana).

V. S. GAITONDE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 25-6-1976

Seal.

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARVE ROAD, POONA

Poona, the 28th June 1976

No. CA/5/November/1975/Haveli-II/(Poona)/228.—  
Whereas, I, V. S. Gaitonde  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
C.S. No. 32 (New) Shukrawar Peth, Poona  
(and more fully described in the Schedule annexed here  
to), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Haveli-II (Poona) on 10-11-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

- (2) 1. Shri Janardhan Yashwant Ranade
2. Shri Ashok Janardhan Ranade (insane)  
Guardian—Shri Janardhan Yashwant Ranade
3. Shri Shridhar Janardhan Ranade
4. Shri Hemant Shridhar Ranade (Minr.)  
Guardian Shri S. J. Ranade
5. Shri Shrikant Shridhar Ranade (Minor)  
Guardian Shri S. J. Ranade

All at 776 Tilak Road, Dadar, Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Murlidhar Vithoba Thorat,  
32, (New) Shukrawar Peth, Poona
2. Shri Ganapat Vithoba Thorat,  
749 Shukrawar Peth, Poona.
3. Shri Madhukar Vithoba Thorat,  
749 Shukrawar Peth, Poona.
4. Shri Vasant Vithoba Thorat,  
32 (New) Shukrawar Peth, Poona.

(Transferee)

- (3) (1) Shri Vasant Vithoba Thorat.
  2. Shri S. R. Kelkar.
  3. Shri V. R. Ranade
  4. Shri V. K. Phanse
  5. Shri Sureshchand Deepchand Shah
  6. Mrs. Tarabai Pandit
  7. Shri S. B. Gokhale
  8. Shri M. V. Apte
  9. Shri A. M. Gokhale.
  10. Shri A. S. Bedekar.
  11. Smt. Godutai Vaidya.
  12. Shri A. H. Gokhale.
  13. Shri G. B. Gore
  14. Shri V. S. Rahalkar
  15. Shri V. N. Sarnaik.
  16. Smt. Kamalabai Joshi.
  17. Mrs. Kamabalabai Joshi
  18. Shri S. V. Mahajan
  19. Shri N. G. Risbud.
  20. Shri Y. V. Sane.
- All residing at 32 (New) Shukrawar Peth, Poona.
- (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold house property, bearing City Survey No. 32  
(New) Shukrawar Peth, Poona, built 75 years back. Front  
portion 2 storeyed, Middle portion—3 storeyed—Area—579.4  
sq. mts.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2391  
of November 1975 of the Registering Authority Haveli II  
(Poona).)

V. S. GAITONDE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 28-6-1976

Seal.

## FORM ITNS ———

(1) Shri Maneklal Ramchandra Gandhi  
Mmt. Savitaben M. Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahendrakumar Premchand Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP AYURVED  
HOSPITAL BLDG., NEAR CHARNI ROAD  
STATION BOMBAY-2

Bombay, the 15th May 1976

No. AR-II/2067/4110/75-76.—Whereas, I, M. J. Mathan, the Inspecting Asst Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52, S. No. 70 (pt) situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of Agricultural land or ground situate laying and being made at Juhu bearing Plot No. 52 and admeasuring 800 square yards i.e. 668.88 Square Meters of the land belonging to Jai Hind Co-operative Housing Society Limited which lands are part of Survey No. 70 of Juhu now in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban. Comprising Plots 7/1, 7/2, 7/3 of the Juhu Vile Parle Development Scheme admeasuring in the aggregate 477776 square yards or thereabouts and bearing Survey No. 70 (part of Juhu) in the Records of Rights of the Revenue Department and bearing City Survey No. 626 and which Plot No. 52 is bounded as follows; that is to say on or towards the North by Plot No. 53 of the said society on or towards the South by Plot No. 43 of the Society on or towards the East by 100 ft. wide road (i.e. Road No. 10 North South) and on or towards the West Plot No. 44 of the said Society.

M. J. MATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date 15-5-1976  
Seal.

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, SMT. K.G.M.P. AYURVED  
HOSPITAL BLDG., 5TH FLOOR, ROOM 504, NETAJI  
SUBASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay, the 22nd June 1976

No. AR/III/905/Nov.75.—Whereas, I Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 184/3 situated at Borivli (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office, Bombay on 1-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shantilal Gulabdas Merchant  
2. Sumatiben Shantilal Merchant,  
3. Yaksha Shantilal Merchant  
4. Mayuri Shantilal Merchant  
Sardar Vallabhai Patel Road,  
Borivli (West), Bombay

(Transferor)

- (2) 1. Swarai Ishwarchand Gupta  
2. Prakash Harivijay Chogle  
3. Harivijay Waman Chogle.  
4. Premchand Kaluram Jain  
5. Udayveer Premchand Jain.  
6. Dalchand Bholaram Jain  
7. Talakshi Meghjce Shah.  
8. Smt. Padmalata Motilal Garg,  
9. Smt. Maniben Raghavjee Shah  
10. Ravikant Surajbhan Garg  
C/o Harivijay Waman Chogle,  
6, Narmada Nivas Lokmanya Tilak Road,  
Borivli, Bombay -92.

(Transferee)

- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the structure standing thereon situate at Sardar Vallabhai Patel Road, Borivli (West), Bombay 92 bearing Survey No. 184/3 of Eksar Village admeasuring 2150 sq yds. equivalent to 1797.61 sq. meters in the registration sub-district of Bandra, Distric Bombay Suburban and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under "R" Ward No. 5201(1) 367 and 5201(2) 368 and bounded as follows, that is to say on or towards the North by a vacant plot of land; bearing CTS No. 1482 On or towards the South by property belonging to Champaklal Deviddas bearing CTS No. 2470 on or towards the East by vacant Plot of land belonging to Champaklal Devdas bearing C.T.S. No. 1426 and on or towards the West by Sardar Vallabhai Patel Road.

R. G. NERURKAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 22-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP AYURVED  
HOSPITAL BLDG, 5TH FLOOR, ROOM NO. 504, NETAJI  
SUBASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay, the 22nd June 1976

No. AR/III/1910/Nov. 75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar the Inspeting Asstt., Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 6 (part) situated Mouje, Goregaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office on 22-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Byramje Jeejeebhoy Pvt. Ltd.,  
Ballard House Mangalore Street,  
Fort, Bombay-1. (Transferor)
- (2) M/s. Unity Estates,  
591, Ravindra, Jame-Jamshed Road,  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate, laying and being at Mouje Goregaon, Taluka Borivli, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, now in Greater Bombay bearing Survey No. 6 (part) containing by admeasurement 12 Acres or thereabouts or 58080 square yards or thereabouts equivalent to 48560.68 Square Metres or thereabouts and bounded as follows : that is to say, on or towards the East partly by land bearing Survey No. 6 (part), partly by 100 wide and access or a passage and partly by a boundary of village Goregaon, on or towards the west by part of 100' wide proposed D.P. Road, on or towards the North partly by land bearing Survey No. 161 (Part), partly by part of 100' wide proposed D.P. Road and partly by boundary of village Goregaon and on or towards the South partly by boundary of village Oshivara and partly by part of 100 wide proposed D.P. Road, and delineated on the Plan hereto annexed and thereon surrounded by a red coloured boundary line.

R. G. NERUKAR,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 22-6-1976  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

No. Acq. 23-1-987(387)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 583, Sub-Plot No. 13 1, TPS 3 situated at Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Navnitlal Sakarlal Shodhan,
- (2) Shri Nandkishore Sakarlal Shodhan,
- (3) Shri Saurabh Navnitlal Shodhan,
- (4) Shri Harsh Navnitlal Shodhan,
- (5) Shri Kashyap Anandibhai Thakur,
- (6) Shri Harshvadan Hathisingh Shah,

—Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Creative Investments (P) Ltd., Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1132 sq. yards and bearing F.P. No. 583, Sub-Plot No. 13/1, TPS No. 3 and situated behind Gandhigram Railway Station and near Nagri Eye Hospital, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 17-5-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Brig. Reginald Owen Kharbanda s/o Sri Sant Ram Kharbanda r/o Civil Line, Meerut.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Gursharan Jit Kaur w/o Sri Jaswinder Singh Sidhu r/o 144-C, Model town, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 25th June 1976

Ref. F. No. Acq/963-A/Dehradun/75-76/628.—Whereas, 1, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 12-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property No. 13/22 Block II, measuring 4307 situated at Teg Bahadur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 54,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Brig. Regionald Owen Kharbanda r/o 6, Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurinder Singh Sidhu s/o Sri Jai Singh r/o Village Qila Hakiman, Distt. Sangrur, Punjab.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 25th June 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. F. No. Acq/963-A/Dehradun/75-76/629.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 12-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 13/22 Block II, measuring 8803 sq. ft., situated at Teg Bahadur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 17,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-6-1976,

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Brig. Reginald Owen Kharbanda s/o Sri Sant Ram Kharbanda r/o 6, Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kamal Jit Kaur w/o Sri Jai Parkash Singh r/o 20-A, Teg Bahadur Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 25th June 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. F. No. Acq/964-A/Dehradun/75-76/630.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 12-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property (Part) No. 13/22 Block II, measuring 5286 sq. ft. situated at Teg Bahadur Road, Dehradun transferred for an apparent consideration for Rs. 44,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 25-6-1976.

Seal ;

## FORM ITNS—

- (1) Shri Man Mohan Lal r/o 102 Basar Road, New Delhi. 2. Smt Raj Arora w/o Raje Basu r/o 1815, Khatra Bansidhar Delhi. 3. Smt. Kusum Barman w/o Sri Virendra Kumar r/o A 229 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shrimati Shakuntla Rani w/o Sri Om Prakash. 2. Ravi Kumar. 3. Vijay Kumar. 4. Surendra Pal. 5. Vinod Kumar sons of Sri Om Prakash all r/o Lung-sight with quarters and Post Hillock.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 25th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing one house with houses and part of Hillock names as "Longsight Mount measuring 3457 sq. ft. situated at Mussoorie, transferred for an apparent consideration for Rs. 45,000/-.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—166 GI/76

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-6-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 25th June 1976

Ref. F. No. Acq/1026/Acq/Mathura/75-76/632.—Whereas,  
1, VIJAY BHARGAVA,  
being the competent authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering officer at  
Mathura on 29-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings to the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following  
persons, namely:—

(1) Shri Father Kolamban O.F.F. Cap s/o Sri Arther  
Gomes, Principal Saint Peters College, Agra.  
Mukhtaram Roman Catholic Dises of Agra (P)  
Ltd., Agra.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Lata D/o Sri Ram Charan Singh  
and w/o Sri Prem Singh r/o 9A, Krishna Nagar,  
Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'Said Act',  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 12 measuring 96 x 150 si-  
tuated at Chowki Bagh Bahadur Singh opposite State Bank  
of India, Mathura, transferred for an aparent considperation  
for Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-6-1976,

Seal:

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 23rd June 1976

Ref. F. No. Acq/804-A/Kanpur/75-76/633.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 26-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lakhan Lal s/o Sri Sidhgopal (H.U.F.) 2. Sri Ashok Kumar (minor) 3. Sri Vijay Kumar (minor) sons of Sri Lakhan Lal r/o 65/1, Moti Mohal, Kanpur present address Village Jasra Teh. Ghatampur Distt, Kanpur. 4. Sri Raj Kumar. 5. Sri Shiv Kumar sons of Sri Lakhan Lal (/o Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Sri Ram Pyare Gupta son of Sri Badlu Pd, r/o 54/11A, Nayaganj, Kanpur.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 54/11A, measuring 139 sq. yds. situated at Nayaganj, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 38,503/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-6-1976.

Seal.

## FORM ITNS—

(1) Shri Mathura Pd s/o Sri Shyam Lal Gupta, r/o Village Shivali Parg Akbarpur Distt. Kanpur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Ramsakhi Devi w/o Sri Sidhgopal Tripathi r/o 119/501 Darshanpurwa present address 123/515 Fazalganj, Kanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 23rd June 1976

Ref. F. No. 834/Acq/Kanpur/75-76/634.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property No. 123/515 measuring 332.22 sq. yds. situated at Fazalganj, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 45,000-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1976.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shrimati Kalawati w/o Late Sri Kedar Nath R/o Mathura.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rama Kant Gupta s/o Sri Keshav Dev Gupta R/o Mathura.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 23rd June 1976

Ref. F. No. 837-A/Acq/Mathura/75-76/635.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property No. 4/886 Mandi Ram Das, Gali Kanoon Goyan, Mathura, transferred for an apparent consideration for Rs. 42,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1976.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 23rd June 1976

Ref. F. No. 967-A/Dehradun/75-76/636.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at

As per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 15-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lt. Randhir Singh s/o S. Udhram Singh 2. Smt. Ratan Deep w/o Sri Randhir Singh R/o 11 Defence Colony, Jullundar City.

(Transferor)

- (2) Shri Thakur Singh Aswal s/o Shri Jai Singh t/o Balasour, Kotdwar, Distt. Garhwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 14 measuring 2 Bigha and 9 biswas situated at Pritam Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 43,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-6-1976.

Seal.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 23rd June 1976

Ref. F. o. 1001/Acq/Meerut/75-76.—Whereas, I, VIJAY  
BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Meerut on 26-11-1975,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following  
persons, namely :-(1) 1. Shrimati Santosh Manohar w/o Sri Sri Rajeev  
Manohar 2. Sri Rajeev Manohar s/o Sri Shyam  
Manohar R5o 207 West End Road, Meerut cantt.  
(Transferor)(2) 1. Shri Rajendra Kumar 2. Sri Raj Kumar (major)  
3. Sri Vipin Kumar 4. Sri Satish Kumar (minor)  
sons of Sri Mahendra Prakash 5. Sri Mahendra  
Prakash all r/o Thaper Nagar, Meerut City.  
(Transferee)Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 207 measuring 1954 $\frac{7}{8}$  sq. yds.  
situated at West End Road, Meerut transferred an apparent  
consideration for Rs. 1,075, 12.78.VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.Date : 23-6-1976.  
Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Lt. Col. Loknath Kapoor &amp; others.

(Transferor)

(2) Shri Lachhman Dass.

(Transferee)

(3) Shri Tandon Tailor, Sellers &amp; Tenant.

[Person in occupation of the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 3rd June 1976

Ref. No. 23-L/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 296 & 297 situated at Durga Puri Mauriya, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 15-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house including plot No. 296 & 297 measuring 1800 sq. ft. and 650 sq. ft. of 1st and 2nd floor respectively. It is situated at Durgapur Mauriya Lucknow City.

F. RAHMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Shanker &amp; others.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar &amp; others.

(Transferee)

(3) Shri Ram Shanker, Sri Radhay Shyam &amp; Sri Raja Ram.

[Person in occupation of the property]

(4) None.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th June 1976

Ref. No.64-A.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. Araji Bhoomi Dhari Numbari 550, 551, 553, 554, 582, 589, 590, situated at Village Mahriya, Mahmoodabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sidauli Distt. Sitapur on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

23—166GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 550, 551, 553, 554, 582, 589, 590 situated at Village Mehriya Mahmoodabad.

F. RAHMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-6-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Kumar Kapur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shyam Kumari Agarwal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

(3) Shri Jagdish Chandra Agarwal.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 11th June 1976

Ref. No. 123-S/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 20-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Double storeyed building which is constructed in 1935 and 1957 situated at 28, Rani Mandi, Allahabad. Area, 1261 sq. ft. ground floor 1261 sq. ft. first floor.

F. RAHMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sunder Devi Jain w/o Shckhar Chand Jain.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) National Spiritual Assembly of the BAHAI is of India.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Sunder Devi Jain.  
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 26th June 1976

Ref. No. 23-H/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Survey No. 16/2 Old Cantonment House No. 1 Stanley Road, Allahabad, situated at Stanley Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 20-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot Survey No. 16/2, old Cantonment Allahabad, House No. 1, which is situated at Stanley Road, Allahabad.

F. RAHMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 26-6-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 28th June 1976

Ref. No. 50-K/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, M. 46, Bhomi Vill Ratanpur Khurd P.O. Hempur Diya Pargna Chandpur Teh & Distt. Bijnore Khalsa No. Single Storied Ahata, Ratanpur being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hasanpur on 1-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Narain &amp; others.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Khandsari Udyog &amp; others.

(Transferee)

(3) Self.

[Person in occupation of the property]

(4) None.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 'XXA' of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(1) Bhoomi Vill Diyawali, Khalsa pargna Hasanpur Distt. Moradabad Khasra No. 46 Rakwa 15.D. Logani 0-50 P land Doyam Price 1000/-.

(2) Bhoomi Vill. Ratanpur Khurd P.O. Hempur Diya Pargana Chandpur Teh. & Distt. Bijnore, Pat No. 99 Rakwa No. VIII906 Lagni 6-40 land Bood Doyam Price 15,000/1,

(3) Single Storied Ahata, Wakai Araj Ratanpur Khurd.

F. RAHMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 28-6-1976.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Rabindra Ghose, 26/1A, Mohan Bagan Row, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puranmal Kankaria, 65, Cotton Street, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1976

Ref. No. AC-21/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 & 148, situated at J. N. Mukherjee Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided 9/28th share of land measuring 17 Bighas situated at 55 & 148, J. N. Mukherjee Road, P. S. Malipanchghora, Howrah more particularly as per deed No. I-6670 dated 28-11-1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed  
Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-6-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Crescent Paper Waxers 14, Ganesh Ch. Aven., Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eastern Abrasive Ltd. P-241, Lake Road, Calcutta-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 23rd June 1976

Ref. No. AC-23/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Gopalpur, Chandigarh situated at P. S. Barasat, 24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.4915 acres together with buildings, structures etc. being Dag No. 25, 29, 35, 36, 34, 27, 28, 30, 32, 26 36/1313, 64 and 65 of Kh. No. 175, 173, 166., 207, 411/161, 281, 806/52 and 53 situated at Mouza Gopalpur Chandigarh, P.S. Barasat, 24-Pgs. more particularly as per deed No. 6426 dated 14-11-75 Registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, 54 Rafi Ahmed  
Kiduwai Road, Calcutta-16

Date : 23-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Sundar Jaiswal (Shaw).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh Gupta, Sreekanta Gupta, Chandra Prakash Gupta (minor), Hari Shankar Gupta, Bimal Kumar Gupta.

(Transferee)

(3) Ramsagar Singh Lachmansingh, Rambilas Singh.  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Calcutta, the 5th June 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-236/R-IV/Cal/76-77.—Whereas, I, A. K. BATABYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 276 situated at Rabindra Sarani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 cottahs 11 chittaks 31 sft. of land at 276, Rabindra Sarani (Lot 2), Cal-7 and structure thereon.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. BATABYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV, 54, Rafi  
Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1976

Ref. No. 338/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2C, situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Ravi Probha Burman Flat No. 17, Tivoli Court IA, Ballygunge Circular Road, Calcutta.  
(Transferor)

(2) Smt. Maya Saha & Mira Saha 19, Durga Charan Mukherjee Street, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land admeasuring 7 cottahs 7 chittacks 22 sq. ft. situated at 5/2C, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta as per deed No. 1-6606 of 1975 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated: 15-6-1976.  
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Laxmimani Choudhury and Panchi Bala Choudhury, 29, Kusthia Road, 24-Parganas.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s East Calcutta Land Development Co. Pvt. Ltd.  
88, Matheswartolla Road, Calcutta-46.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th June 1976

Ref. No. 344/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ...., situated at Mouza-P. Choubaga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 27-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

All the piece and parcel of land measuring 1 bigha 11 cottah 9 chittacks and 35 sq. ft. in Mouza-P. Choubagha, P. S. Jadavpur under Kh. Nos. 142, 139, 140, 141 and Dog Nos. 107/188, 108 and 127 registered under deed No. 9217 of 1975.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—166GI/76

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 29-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Ruby Construction Co. 14, Netaji Subhas Road,  
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Devi Saigal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-224/C-221/Cal-1/75-76.—Whereas, I,  
S. K. CHAKRAVARTY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
No. 75C situated at Park Street,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto) has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 7-11-75,  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Unit No. 10D on the 10th floor at premises No. 75C Park  
Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

Date : 2-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. A. P. Chirukandan & Sons, Calicut. (By Partners Sri A. P. Sankaran & Sri A. P. Vasantha Kumar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Hassankutty (ii) Avarankutty (iii) Muhamed Sheriff (iv) Mahaboob (v) Akbar, by guardian Sri Hassankutty, Timber Merchants, Calicut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS',  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Cochin-11, the 19th March 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. L.C. No. 63/75-76.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Anne Hall Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kozhikode on 26-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

4/5 right over 25 cents of land with building known as 'Hotel Ratnagiri' in Anne Hall Road, Calicut.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 19-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. M. Shamesuddin, s/o N. Mustaffa, Thattuparambil, P.O. Edathala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Bees Refractories (P) Ltd., (By Director Shri Abdul Rahim) Vazhakulam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,

GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 14th May 1976

Ref. L.C. No. 65/76-77.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Vazhakulam village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Parumbavoor on 19-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1 acre 80 cents of land with buildings in Sy. Nos. 16/18 A &amp; B in Vizhakulam Village.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-5-1976

Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sukumaran, s/o Ramah, Meethedathu House, Keerkancherry, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri (i) Ittiechan, S/o Mecherry Chakkunny, Panankuttichira, Ollur, Trichur District (ii) Sri Jese, Panankuttichira, Ollur, Trichur Dist.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th June 1976

Ref. L.C. No. 67/76-77.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. Nos. As per schedule situated at Puthur Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ollukkara on 7-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the said Act, in respect of any income arising from (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 acre 30 cents of land with buildings in sy. No. 670 in Puthur village in Trichur District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 5-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Sreenivasa, Bojaraj House, Bodinaykannur, Madurai District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joseph Michael for M/s Joseph Michael &amp; Brothers, Palai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS',  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 30th June 1976

Ref. L.C. No. 68/76-77.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. As per schedule situated at Santhanpara village, Idikki District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udhumbanchola on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

125.44 acres of Cardomom estate in Santhanpara village Idikki District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 30-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Bhaskaran, Bojaraj House, Bodinayakanur,  
Madurai District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Joseph Michael for M/s Joseph Michael and  
Brothers, Palai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 30th June 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. L.C. No. 69/76-77.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sl. No. As per schedule situated at Santhanpara village, Idikki Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumbanchola on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

126.22 acres of Cardomom estate in Santhanpara Village,  
Idikki District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30-6-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 30th June 1976

Ref. L.C. No. 70/76-77.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sl. No. As per schedule situated at Santhanpara village, Idikki Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Udumbanchola on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Subhaiah, Bojaraj House, Bodinaykannur, Madurai District.  
(Transferor)
- (2) Shri Joseph Michael for M/s Joseph Michael & Brothers, Palai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

127.47 Acres of Cardomom estate in Santhanparavillage, Idikki District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 30-6-1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Janaki Ammal, Bojaraj House, Bodinayakanur, Madurai District.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 30th June 1976

Ref. L.C. No. 71/76-77.—Whereas, I, S. N. Chandrachoodan Nair, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. As per schedule situated at Santhanparavillage, Idikki District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumbanchola on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
25—166G1/76

(2) Shri Joseph Michael, for M/s Joseph Michael &amp; Brothers, Palai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24.53 Acres of Cardom estate in Santhanpara village, Idikki District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 30-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Balasaraswathi Amma, Bojaraj House, Bodinaykannur, Madurai Dist.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) SShri Joseph Michael, M/s Joseph Michael &amp; Brothers, Palai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Cochin-11, the 30th June 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

20.10 Acres of Cardomom estate in Santhanpara village, Idikki District.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Dated : 30-6-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati S. Subhalakshmi, Bojaraj House, Bodinaykannur, Madurai District.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joseph Michael, for M/s Joseph Michael &amp; Brothers, Palai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS,  
GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 30th June 1976

Ref. L.C. No. 73/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRASHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as schedule situated as Santhanpara village, Idikki District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumbanchola on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

25.35 Acres of Cardomom estate in Santhanpara village, Idikki District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 30-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Shri Naraindas Tibrewal,  
2. Shri Parahlladrai Tibrewal,  
3. Shri Tarachand Tibrewal,  
4. Shri Chhedilal Poddar,  
5. Shri Champalal Poddar,  
6. Shri Radeshyam Poddar.

Partners of Sri  
Laxmi Rice &  
Oil Mills.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Gursaran Kaur,  
2. Shri Harmohanpal Singh,  
3. Shri Surender Singh,  
4. Shri Amarpal Singh.

Partners of  
Kabli Rice and  
Oil Mills.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,  
BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 29th May 1976

Ref. No. 24/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 situated at Mouza Remed, Sambalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sambalpur on 27-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with buildings and structures standing thereon situated at mouza—Remed, P. S. Sadar, Dist. Sambalpur, within the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Sambalpur and registered by sale document No. 2926 dated 27-11-75 Khata number and number of plots are given below :—

Hamid settlement Holding No. 2/4	Total 9 plots.
Hamid settlement, Khata No. 49	2 plots.
Hamid settlement Khunti No. 49/1	2 plots.
Hamid settlement, Khata No. 96	7 plots.

Total 20 plots.

Total area Ac. 3.30 D.  
Total area Ac. 0.35 D.  
Total area Ac. 0.15 D.  
Total area Ac. 0.65 D.

Area Ac. 4.45 D.

G. B. CHAND,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhubaneswar,

Dated : 29-5-76

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Narayandas S/o Shri Kanhaiyalal Kabra, 198, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. Savitri Devi Devendra Kumar Kandelwal, Shastri Colony, Choupati, Jawra (MP). 2. Smt. Krishna W/o Govind Kandelwal, 3. Shri Govind S/o Shri Tulsiram Khandelwal, R/o 415, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 5th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/634.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One storeyed house, House No. 198, Jawahar Marg (Raj Mohalla), Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One storeyed house, House No. 198, Jawahar Marg, (Raj Mohalla) Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

Dated : 5-5-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Dhamyantibai W/o Shri Hemchandra Rahinj R/o H. No. 55/2529, Gandhinagar, Bandra, (East) Bombay Mah. At present 192, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th May 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/635.—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 29, Bakshi Gali, Indore, situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 7-11-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Seth Bhajandas S/o Seth Chhangaramji R/o H. No. 29 Bakshi Gali, Indore-4 M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29, Bakshi Gali, Indore, M.P.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 5-5-1976

Seal :

**FORM ITNS—**

- (1) Shri Vinayak Rao Belapurkar S/o Shri Moreswar Rao Belapurkar R/o Khara Kuawn Rampur Sagar, Hal Munim, Jabalpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Shri Hanuman Prasad Dube S/o Pandit Sadasukh Prasad Dube R/o 423, Galgala Jabalpur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 21st May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/646.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Plot of land Nos. 70, 115 & 116 S. No. 754 situated at Agarwal Colony Mauza Hinotia area 12,150 Sq. ft. out of Khasra No. 333, Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land Nos. 70, 115 and 116 S. No. 754 situated at Agarwal Colony, Mauza Hinotia area 12,150 sq. ft. out of Khasra No. 333, Jabalpur.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 21st May 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dhirumal S/o Shri Metharamji R/o Chitnis-Ki Goath, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri 108 Atam Das Maharaj Guru Ka Nam 1008 Baba Ramdasji Khat Wala R/o Chitnis-Ki-Goath, Vaikunth Ashram, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st May 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/647.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 527 Ward No. 39 situated at Chitnis-Ki-Goath, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 1-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

527 Ward No. 39 situated at Chitnis-Ki-Goath, Lashkar, Gwalior.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 21st May 1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Mahavir Raghuvirdas Guru Mahant Jagannath-das R/o Kshirsagar, Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Maha Malav Adiyata Brahma Sabha, 278 Malipura, Ujjain through Shri Bherulal S/o Mangilalji Patel, President, R/o Gram Mangilla Distt., Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/659.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. An open plot at new link Road, Kshirsagar, Ujjain bearing Kh. No. 2056/1 and 2052/2, situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 10-11-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

26—166GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot at new link Road, Kshirsagar, Ujjain (bearing Khasra No. 2056/1, 2052/2).

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Gurumukhdas S/o Shri Khanchand,

(2) Smt. Injena Devi W/o Shri Gurumukhdas,  
R/o Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/660.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a portion of house No. 10/2 on a portion of plot No. 10, Palsikar Colony, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 17-11-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shri Himmatsingh S/o Jaswantsingh Juneja,
- (2) Shri Iqbalsingh S/o Jaswantsingh Juneja,  
R/o Palsikar Colony, House No. 10/2, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of house No. 10/2 on a portion of Plot No. 10, Palsikar Colony, Indore.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajendrakumar S/o Seth Bhanwarlalji Sethi,  
Menik Bhawan, Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/661.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An open plot No. 47 at Jaora Compound, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shri Khanchand S/o Parasram Mulchandani,  
(2) Ram S/o Parasram Mulchandani,  
(3) Shri Murlidhar S/o Parasram Mulchandani, all  
R/o 22, Kibe Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 47, Jaora Compound, Area 2760 sq. ft.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/664.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Free hold plot No. 4 at Roshansingh Bhandari Mart (Dil Pasand Kothi), Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shankersingh S/o Shri Mansingh Airan, 12, Roshansingh Bhandari Marg, Indore.
- (2) (1) Smt. Sampatbai W/o Kanhaiyalal Parikh, 9/2 Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Sampatbai W/o Kanhaiyalal Parikh, 8/2 Maharani Road, Indore.

- (2) Smt. Komalbai W/o Himmatlal Parikh 9/2 Maharani Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold Plot No. 4 at Roshansingh Bhandari Mart (Dil Pasand Kothi), Indore.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Free hold plot of 5040 sq. ft. at Kanchan Bagh Colony in South Tukoganj, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amod Kumar Kasliwas (Minor) through Father Shri Jambu Kumarsinghji Kasliwal, Indra Bhawan, 3, Mahatma Gandhi Road, Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Ratan Chandji S/o Thakurchanji Kothari,  
(2) Shri Sobagh Chandji S/o Ratanchandji Kothari,  
R/o 205, M. G. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold plot of 5040 sq. ft. at Kanchan Bagh Colony in South Tukoganj, Indore.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) H.U.F. Seth Gangadas Nathani, 'Karta' Seth Gangadas Nathani S/o Seth Govindlal Nathani, R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Seth Bulakidas Nathani S/o Seth Badridas Nathani, R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/668.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nazul Block No. 19, Plot No. 2/6, 14/5 and 15/4 (Part) area 8100 sq. ft. Civil Lines, Raipur situated at Raipur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Raipur on 13-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Nazul Block No. 19, Plot No. 2/6, 14/5 and 15/5 (Part) area 8100 sq ft. Civil Lines, Raipur.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by theissned of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/669.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot No. 11 measuring 3900 sq. ft. at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Radhabai Iron W/o Shri Mansingh Airen, 12, Roshansingh Bhandari Marg, Indore.  
(Transferee)
- (2) Smt. Surajdevi W/o Shri Babulaji Somani 12/3, Roshansingh Bhandari Marg, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 11 measuring 3900 sq. ft. at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/662.—Whereas, I C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a portion of house No. 2, Race Course Road, 2/1 Roshansingh Bhandari Marg, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Tejsingh Bapna S/o Shri Pratapsingh Bapna through A. P. Shri Rajendrasingh Bapna S/o Shri P. S. Bapna R/o Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Dr. S. R. Dass S/o Shri Ishwardas,

(2) Shrimati Rita Dass W/o Dr. E. M. Dass  
R/o 26/1, North Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of house No. 2, Race Course Road, Indore named as 2/1 Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/663.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2/4, Pardesipura, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—166GI/76

(1) Shri Mannulal Chowkse, S/o Shri Tejramji Chowkse,  
R/o Pardesipura Road No. 4, House No. 2, Indore.  
(Transferor)

(2) Sow. Badamai W/o Shri Samaratmalji Jain,  
R/o Bajajkhanna, House No. 9, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2/4, Pardesipura, Indore.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/666.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot Block No. 11, Plot No. 10/22 A, Area 7200 sq. ft situated in Civil Line, Raipur situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 27-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Raigarh Bangala Trading Company Raipur Partners :—
  - (1) Shri Jaisuklal S/o Navalshankar,
  - (2) Smt. Jainabai W/o Wali Mohd,
  - (3) Smt. Basant Jouri W/o Navalshankar,
  - (4) Miss Madhulatabai D/o Mohanlal,
  - (5) Smt. Mukta Ben W/o Vinodrai,
  - (6) Shri Saifuddin S/o Shri Saddruddin,
  - (7) Shri Gulam Hussain S/o Wali Mohd. Farista,
  - (8) Shri Prabhulal S/o Chamanlal,

(Transferor)

- (2) (1) Seth Laxmandas S/o Vadhuram Makija,
- (2) Smt. Vimalabai D/o Laxmandas Makija, Civil Lines, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Plot, Block No. 11, Plot No. 10/22 A, Area 7200 sq. ft. situated in Civil Line, Raipur.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Seth Hiralal Daga S/o Seth Jorawarmal Daga,  
Oswal Jain, R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Anil Kumar Daga (Minor) S/o Seth Jorawarmal Daga, Oswal Jain R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/667.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nazul Block No. 14, Plot No. 6/1 and 7/1 (Part), Civil Line, Raipur situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-3-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Block No. 14, Plot No. 6/1 and 7/1 (Part), Civil Line, Raipur.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Seth Hiralal Daga S/o Seth Jorawarmal Daga, Oswal Jain, R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Seth Chandanmal Daga S/o Seth Jorawarmul Daga, Oswal Jain R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/670.—Whereas, I, C. KHUSHALDAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nazul Block No. 14, Plot No. 6/1 and 7/1 (Part), Civil Line, Raipur situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 26-3-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Block No. 14, Plot No. 6/1 and 7/1 (Part), Civil Line, Raipur.

C. KHUSHALDAS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-6-1976  
Seal :



FORM ITNS.—

(1) Shri Sri Vaddapally Venkata Challem S/o Agaiah,  
R/o Urus, Warangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Lingala Prameela Devi W/o Late Rangareddy,  
C/o P. Damodarareddy, H. No. 4-10-51 at Kumar-  
galli, Hanumkonda, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 26th June 1976

Ref. No. RAC. No. 103/76-77.—Whereas, I, K.S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/962/1 situated at Naeemnagar, Warangal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Warangal on 30-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Property : H. No. Old. 5/962/1 New No. 5-11-6 at Naeemnagar, Warangal.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1976

Seal :

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd July 1976

Ref. No. RAC. No. 104/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-1-254 to 261 situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Chandra Sekhar S/o late Raja Venkat Rao Limbekar, H. No. 519 at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) M/s. Nadimane Hotels (Pvt.) Ltd. Company, H. No. 4-1-999 at Abid Road, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Municipal No. 88 (Old), 3-1-254 to 261, (New) situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Ananthamma W/o Ramlaxma Reddy,  
R/o Aghapura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Suryakanti S. Mahindrakar S/o Late S. L.  
Mohindrakar, H. No. 5-4-463 at Nampally Station  
Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd July 1976

Ref. No. RAC. No. 105/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-384 situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : Mulgi No. 4-1-384 at Abids Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, R/o Baigha House, at S. P. Road, Secunderabad.
2. Sri Jainarayan Misra, R/o 26-A at Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd July 1976

Ref. No. RAC. No. 106/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 19 in Premises 156 to 159 at S. P. Road Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-11-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (2) 1. Sri Kishore Srinivas Rao, Karwankar.
2. Smt. Padmini K. Karwankar, both resident of H. No. 54-435 at Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Property : Plot No. 19 admeasuring 497.72 Sq. Yards in premises No. 2-11-30 and 156 to 159 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd July 1976

Ref. No. RAC. No. 107/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 37 in Premises No. 156 to 159 at S. P. Road, situated at Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hushmuthunisa Begum, and Sri Jainarayana Misra, both resident of No. 156 & 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Lalitha, H. No. 9-3-624 at Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Open plot No. 37 in premises No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-7-1976.

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Sardar Amolak Singh S/o late Sri Sardar Ladhia Singh Makhija R/o 3-6-63 at Basheer bagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. India Pen House, Represented by its partner Sri Ghanshamdas Mewani, S/o Gagan Das Mewari, R/o Dound, Poona-Dist., Maharashtra-Estate.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 3rd July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 108/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 13 & 14 situated at Chiragali lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-11-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Shop No. 13 and 14 known as "Shopping Centre" at Chirag Ali lane, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subramania Gounder, S/o Muthusami Gounder, Vadakaraiyathoor, Mailmugam village, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd July 1976

Ref. No. 65/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 299, 300 & 301, situated at Vadakaraiyathoor, Salem district.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paramathi (Doc. No. 1476/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Muthusami, S/o Karuppanna Gounder, Vadakaraiyathoor, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are 300 and 301, Vadakaraiyathoor, Mailmugam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 2-7-1976.

Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri V. Dhandapani, No. 50, Arunachala Achari Street, Chepauk, Madras-5.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jeevammal, W/o Shri A. S. Devarajulu Naidu, 58, Varadamuthiappan Street.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(3) T. Manicham. Thirumalai Fruit Stores, Angoor Yunees &amp; Co..

(Persons in occupation of the property).

Madras-6, the 5th July 1976

Ref. No. 37/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Bunder Street, George Town, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 833/75) on November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1568 sq. ft. with building thereon at door No. 14 (R. S. No. 11166), Bunder Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-7-1976.

Seal :